THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष कृ.2,** 2079 **गुरुवार, 10 नवंबर 2022**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

जय श्री कृष्ण * जय श्री कृष्ण * जय श्री कृष्ण

॥ विजयते श्री बालकृष्णप्रभु ॥

श्रीमद् भागवत कथा महा महोत्सव

आज गुरुवार 10 नवम्बर से बुधवार 16 नवम्बर 2022

अपराह्न 2.30 से सायं 6.30 बजे (तत्पश्चात प्रसादी)

कथा स्थल : वृन्दावन धाम गोशामहल पुलिस ग्राउण्ड, हैदराबाद

कथा प्रवक्ता
श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ संतोषी माताजी, हरिद्वार

भव्य कलश शोभा यात्रा

आज 10 नवम्बर 2022, को प्रातः 8:31 बजे श्री दुर्गा माता मंदिर, कलकत्ता स्वीट हाउस के सामने, गोशामहल से कथा स्थल पहुँचेगी।

सीधा प्रसारण
Live Telecast
शुभ TV
TATA sky 1074 | dish tv 1079 | airtel 701 | sling
सायं 4:00 से 7.30 बजे

आज
श्रीमद् भागवत महात्म्य
शूकदेव परीक्षित चरित्र

* इस पावन अवसर पर सभी भक्तगण सादर आमंत्रित हैं *

निवेदक : केशवदेव डालमिया परिवार हैदराबाद

शिवकुमार डालमिया | प्रमोदकुमार डालमिया | आशीष डालमिया 9948332000
पवनकुमार डालमिया | मनोजकुमार डालमिया | हरीश डागा 9180199999

* विशेष सहयोगी *
दिनेशकुमार बड़ेगाँववाले, दिलीप भाई, डॉ. अनन्त काबरा

Manoj Brothers Extension | Manoj Brothers Gowliguda | Sri Manoj Plastics Rikabgunj | Siddharth Sales Corporation Putlibowli | D Concept *Talk Diamonds To Us!* Banjara Hills

manepally®
Jewellers Pvt. Ltd.
since 1890

CHANDA NAGAR
GLITTERS IN PURE GOLD & DIAMONDS
@ TAPADIA MARUTI INFINITY MALL

GRAND OPENING
OF OUR 5th SHOWROOM AT
CHANDA NAGAR

TODAY
At 11: 00 AM

BY
SMT. & SRI. MANEPALLY RAMA RAO
& MS. MEHREEN KAUR (ACTRESS)

DO JOIN US IN OUR CELEBRATIONS
RSVP - 87126 90020 / 87126 90021

GRAND INAUGURAL OFFERS

Value Addition	Discount	Discount	Special Discount
Starts From *4% onwards (V.A OF STANDARD GOLD JEWELLERY)	*25% On V.A of Gold Bridal Jewellery	*25% ON DIAMONDS (Above 1 ct Diamond Jewellery)	*10% On Solitaire Diamonds

*Conditions Apply

Free Silver Coin On Every Purchase

GENERAL BAZAR 040-2781 3209 | PUNJAGUTTA 040-2307 3209 | KUKATPALLY 040-4855 3209 | DILSUKHNAGAR 040-4858 3209 | CHANDA NAGAR 040-2931 3209

www.manepally.com • online@manepally.com
follow us on / manepallyjewellers

चेंबर में तिरंगा को नमन किया

44 साल पहले पिता भी बने थे चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) होंगे। राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने सीजेआई की कुर्सी में बैठने से पहले तिरंगे को नमन किया। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर 2024 तक होगा। 8 अक्टूबर को पूर्व सीजेआई यूयू ललित ने कानून मंत्री किरन रिजिजू को उनके नाम की सिफारिश की थी। यूयू ललित ने एससी के जजों की उपस्थिति में पर्सनली जस्टिस चंद्रचूड़ को अपने पत्र की एक कॉपी सौंपी थी।

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता 16वें सीजेआई थे

जस्टिस चंद्रचूड़ के पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ देश के 16वें सीजेआई थे। जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ का कार्यकाल 22 फरवरी 1978 से 11 जुलाई 1985 तक, यानी करीब 7 साल रहा। उनके रिटायरमेंट के 37 साल बाद उनके बेटे जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ उसी पद पर नियुक्त होंगे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ पिता के 2 बड़े फैसलों को SC में पलट भी चुके हैं। वे बेबाक फैसलों के लिए चर्चित हैं।

पिता के 2 फैसले पलट चुके हैं जस्टिस चंद्रचूड़

जस्टिस चंद्रचूड़ ने 2017-18 में पिता के दिए दो फैसले एडल्टरी लॉ और शिवकांत शुक्ला वर्सेज एडीएम जबलपुर के फैसले को पलटा था।

साल 1985 में तत्कालीन चीफ जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ की बेंच ने सौमित्र विष्णु मामले में आईपीसी की धारा 497 को बरकरार रखा था। उस वक्त बेंच ने अपने फैसले में लिखा था- सामान्य तौर पर यह स्वीकार किया गया है कि संबंध बनाने के लिए फुसलाने वाला आदमी ही है न कि महिला। 2018 में इस फैसले को पलटते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा- एडल्टरी लॉ पितृसत्ता का संहिताबद्ध नियम है। उन्होंने कहा कि यौन स्वायत्तता को महत्व दिया जाना चाहिए। साल 1976 में शिवकांत शुक्ला बनाम एडीएम जबलपुर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार नहीं माना था। उस बेंच में पूर्व सीजेआई वाईवी चंद्रचूड़ भी थे। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना। इस बेंच में चंद्रचूड़ भी शामिल थे। चंद्रचूड़ ने अपने फैसले में लिखा- एडीएम जबलपुर मामले में बहुमत के फैसले में गंभीर खामियां थीं। संविधान को स्वीकार करके भारत के लोगों ने अपना जीवन और निजी आजादी सरकार के समक्ष आत्मसमर्पित नहीं कर दी है।

जस्टिस चंद्रचूड़ के 3 चर्चित बयान

सितंबर, 2022 — हम नहीं चाहते कि सुप्रीम कोर्ट तारीख पे तारीख वाली अदालत बने (वकील के बहस के लिए समय मांगने पर)

फरवरी, 2020 — असहमति पर अंकुश के लिए सरकारी मशीनरी को लगाना डर की भावना पैदा करता है। असहमति को राष्ट्र विरोधी कहना लोकतंत्र पर हमला है (गुजरात में भाषण के दौरान)

अगस्त, 2018 — अलग विचार लोकतंत्र के प्रेशर कुकर में सेफ्टी वॉल्व की तरह है। इसे पुलिस की कड़ी ताकत से बांधा नहीं जा सकता है, नहीं तो ब्लास्ट हो जाएगा (भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में सुनवाई के दौरान)

चंद्रचूड़ ने बॉम्बे हाईकोर्ट में वकील के रूप में प्रैक्टिस की

1998-2000 में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया नियुक्त हुए

29 मार्च, 2000 को बॉम्बे हाईकोर्ट में अतिरिक्त जज नियुक्त हुए

31 अक्टूबर, 2013 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने

13 मई, 2016 को सुप्रीम कोर्ट के जज बने

समलैंगिकता-अयोध्या मामलों की सुनवाई में शामिल रहे

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का जन्म 11 नवंबर 1959 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एलएलबी की। 1998 में उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया था। वे इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। मई 2016 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में जज बनाया गया। वे सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा सिटिंग जज हैं। वे सबरीमाला, समलैंगिकता, आधार और अयोध्या से जुड़े मामलों की सुनवाई में शामिल रहे हैं।

जस्टिस चंद्रचूड़ के चर्चित फैसले...

नोएडा ट्विन टावर गिराने का फैसला- नोएडा में सुपरटेक के दोनों टावर 28 अगस्त को गिराया गया। 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने टावरों को तोड़ने का आदेश दिए था। ट्विन टावर के निर्माण में नेशनल बिल्डिंग कोड के नियमों का उल्लंघन किया गया।

हादिया केस को लव जिहाद नहीं माना- केरल में अखिला अशोकन उर्फ हादिया (25) ने शफीन नाम के मुस्लिम लड़के से 2016 में शादी की थी। लड़की के पिता का आरोप था कि यह लव जिहाद का मामला है। उनकी बेटी की जबरदस्ती धर्म बदलवाकर शादी की गई है।

इसके बाद हाईकोर्ट ने शादी रद्द कर दी और हादिया को उसके माता-पिता के पास रखने का आदेश दिया था। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और कोर्ट ने हादिया की शादी रद्द करने से संबंधित केरल हाईकोर्ट का आदेश खारिज कर दी

निजता को मौलिक अधिकार मानने का फैसला- 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार माना। इस बेंच में चंद्रचूड़ भी शामिल थे। कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा- एडीएम जबलपुर मामले में बहुमत के फैसले में गंभीर खामियां थीं। संविधान को स्वीकार करके भारत के लोगों ने अपना जीवन और निजी आजादी सरकार के समक्ष आत्मसमर्पित नहीं कर दी है।

अविवाहिता को भी अबॉर्शन का अधिकार दिया- सुप्रीम कोर्ट ने सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दिया, फिर चाहें वो विवाहित हों या अविवाहित। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत 22 से 24 हफ्ते तक गर्भपात का हक सभी को है। बेंच की अगुआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ कर रहे थे।

बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 नवंबर से होगा शुरू

कोलकाता, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 से 30 नवंबर तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने यह जानकारी देते हुए कहा, सत्र के एजेंडे की रूपरेखा को लेकर अगले सप्ताह सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। वहीं 16 नवंबर को कार्य मंत्रणा समिति की भी बैठक बुलाई गई है। राज्य के संसदीय मामलों के मंत्री शोभनदेव चटर्जी के अनुसार, सदन में पेश किए जाने वाले विधेयकों या प्रस्तावों पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, 16 नवंबर को कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बाद ही कह पाएंगे कि शीतकालीन सत्र के दौरान कौन-कौन से विधेयक पेश किए जाएंगे या सदन में किस पर चर्चा होगी। उन्होंने विपक्ष से सत्र का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने की अपील की। हालांकि, विपक्षी दल भाजपा ने कहा है कि यह सत्तापक्ष का कार्य है, जिसे यह सुनिश्चित करना होगा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका मिले। भाजपा के वरिष्ठ विधायक मिहिर गोस्वामी ने कहा कि सत्तारूढ़ दल के मन में विपक्ष के लिए कोई सम्मान नहीं है। वह मनमाने ढंग से सदन चलाना चाहती है।

चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका

विधायक भगवानभाई डी बराड ने पार्टी से दिया इस्तीफा

अहमदाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को राज्य में बड़ा झटका लगा है। यहां के तलाला निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक भगवानभाई डी बराड ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ निमाबेन आचार्य को अपना इस्तीफा सौंपा। इससे पहले कांग्रेस को मंगलवार को एक और बड़ा झटका लगा था। गुजरात कांग्रेस के दिग्गज नेता व 11 बार के विधायक मोहन सिंह राठवा ने अपने बेटों राजूभाई राठवा व रंजीत भाई राठवा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। वह सभी नेताओं के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके कुछ देर बाद ही इंडियन ओवरसीज कांग्रेस प्रभारी हिमांशु व्यास भी कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए।

भाजपा सांसद की अपील- टीएमसी को हराने के लिए कांग्रेस और वाम दल भी हमसे हाथ मिलाएं

दुर्गापुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने कांग्रेस और वाम मोर्चा सहित सभी विपक्षी दलों से अगले साल होने वाले पंचायत चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को हराने के लिए भगवा खेमे से हाथ मिलाने का आग्रह किया। हालांकि, कांग्रेस और वाम मोर्चे ने भाजपा और टीएमसी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए खान के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

टीएमसी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

वहीं सत्तारूढ़ टीएमसी ने दावा किया कि खान की अपील ने साबित कर दिया कि पश्चिम बंगाल में तीनों दलों की एक मौन समझ है। ग्रामीण चुनाव में बूथ स्तर पर मुकाबला टीएमसी बनाम सबका होना चाहिए। हम केवल टीएमसी को हराना चाहते हैं, और कोई भी या कोई भी ताकत जो टीएमसी के खिलाफ लड़ने को तैयार है, हाथ मिला सकती है। खान ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि अगर बूथ स्तर पर कोई तृणमूल कांग्रेस को हरा सकता है और उसे हमारे समर्थन की जरूरत है तो हम उसका समर्थन करेंगे। खान की टिप्पणी पूर्व मेदिनीपुर और राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में सहकारी चुनावों में विपक्षी दलों की जीत की पृष्ठभूमि के खिलाफ आई है।

रिटायर्ड हेडमास्टर व पत्नी के 3 हत्यारों को उम्रकैद

हिसार में तेजधार हथियार से काट दिया था; 6 साल बाद सजा मिली

हिसार , 9 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार के गांव उमरा में लूट और पति-पत्नी की हत्या के दोषियों को कोर्ट ने बुधवार को उम्रकैद की सजा सुनाई।

उमरा निवासी विजेंद्र, जॉनी उर्फ़ अनिल और बंटी ने करीब 6 साल पहले रिटायर्ड हेडमास्टर रामकुमार और उसकी पत्नी गायत्री की तेजधार हथियार से वार कर निर्मम हत्या कर दी थी। इसको लेकर दोपहर को एडीजे अमित शेरावत की कोर्ट में सजा सुनाई गई। तीनों को 10-10 हजार रुपए जुर्माना भी किया गया।

टोहाना में युवक को मारी गोली

फतेहाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद के टोहाना में मंगलवार देर सायं एक युवक को गोली मार दी गई। वारदात के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। गोली मारने की यह घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई है, लेकिन इसमें गोली चलाने वाला दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन जिस युवक को गोली लगी है, वह नीचे गिर जाता है। वारदात के बाद लोगों की भीड़ लग जाती है और पुलिस भी मौके पर पहुंच कर छानबीन करती है। कहा जा रहा है कि गोली बाइक सवार युवकों ने मारी है। घायल सागर को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

इंस्टाग्राम के चक्कर में चली गई जान

रील्स बनाने की आदी पत्नी का पति ने घोंटा गला

तिरुपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में इंस्टाग्राम और टिकटॉक की आदी हो चुकी एक महिला की उसके पति ने गुस्से में शॉल से गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मृतका चित्रा को इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर साझा करने की आदत थी। वह इस सोशल प्लेटफॉर्म पर बहुत ज्यादा समय बिताती थी। इसे लेकर पति पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पत्नी की हत्या के आरोप में तमिलनाडु के डिंडुगल के अमृतलिंगम तेन्नमपलयम 38 को गिरफ्तार किया गया है।

'जो हुआ उसे भूलकर शिवसेना उद्धव गुट के साथ आएं उत्तर भारतीय'

बीएमसी चुनाव से पहले बदले उद्धव ठाकरे के सुर

मुंबई, 9 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उत्तर भारतीयों को अपनी पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण दिया है. उन्होंने कहा कि बीच में उत्तर भारतीय समाज और शिवसेना के बीच दरार पैदा हो गई थी, पर अब हम साथ-साथ हैं. गौरततलब है कि पार्टी में बगावत और चुनाव चिन्ह जब्त होने के बाद उद्धव उत्तर भारतीय समाज को लुभाने में जुटे है, जिनकी जनसंख्या मुंबई में 40 लाख से ज्यादा है.

उद्धव ने की उत्तर भारतीयों की तारीफ

महाराष्ट्र में बदलते सियासी घटनाक्रम के बाद उद्धव ठाकरे अब अपना स्टैंड बदलते नज़र आ रहे हैं. मराठी मानुस यानी 'भूमिपुत्रों' के नाम पर राजनीति करने वाली शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को अब अपने कुनबे में उत्तर भारतीयों का साथ चाहिए. उद्धव ठाकरे ने मुंबई के बांद्रा स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में पूर्व मंत्री व सांसद रहे रमेश दुबे पर लिखी एक पुस्तक 'मेरी अमृत यात्रा' का विमोचन किया. इस अवसर पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि उत्तर भारतीय समाज और शिवसेना के बीच दरार पैदा हो गई थी, पर अब हम साथ-साथ हैं. उत्तर भारतीयों के लिए हमारे घर का दरवाजा हमेशा खुला है. उत्तर भारतीय मातोश्री आएं, सेना भवन में हमारे साथ आएं. मराठी भाषा और मराठी मानुस की बात करने वाले उद्धव ठाकरे को उत्तर भारतीय समाज का योगदान नज़र आने लगा. उद्धव ठाकरे ने कहा कि उत्तर भारतीय मुंबई में आए और मेहनत कर अपनी अलग जगह बनाई और आज यह समाज मुंबई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है.

सीज बाइकों पर सांपों ने डाला डेरा...पुलिस वालों के भी देख उड़े होश

हल्द्वानी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ पुलिस चालान के साथ वाहन सीज करने की कार्रवाई करती है। कई मामलों में चालान इतना भारी भरकम होता है कि लोग पुरानी बाइक छुड़ाने के बजाए नई खरीदना पसंद करते हैं। इससे थाना-चौकियों में सीज वाहनों का जमावड़ा लग जाता है। तय समय सीमा बीतने के बाद पुलिस सीज वाहनों की नीलामी कर देती है। लेकिन हल्द्वानी में सांपों की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा है। हल्द्वानी में थाना चौकियों में सीज किए गए इतने वाहन जमा हो गए हैं कि उन्हें रखने के लिए अब जगह तक नहीं बची है। मजबूरन पुलिस को इन वाहनों को अग्निशमन विभाग कार्यालय के पीछे खाली पड़ी भूमि पर शिफ्ट करना पड़ा।

भोपाल के अटल पथ पर तोड़फोड़ मामले में एफआईआर

भोपाल, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के अटल पथ (बुलेवर्ड स्ट्रीट) पर तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने एइआईआर दर्ज की है। अज्ञात युवकों पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का केस दर्ज किया गया। विदेशी सड़कों की तर्ज पर 40 करोड़ रुपए में बनी इस सड़क पर एक भी सीसीटीबी कैमरा नहीं लगा है। इस कारण तोड़फोड़ करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान नहीं हुई है। रविवार की रात कुछ असामाजिक तत्वों ने कुल 28 डस्टबिन में पटाखे रखकर फोड़े थे, जबकि 3 बैंच भी तोड़ दी थी। एक साइन बोर्ड को आग लगाकर जला दिया था। इस मामले में नगर निगम ने टीटी नगर थाने में आवेदन भी दिया था। टीआई चैन सिंह रघुवंशी ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

13 साल की लड़की के साथ छह युवकों ने किया दुष्कर्म

गुवाहाटी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। असम के करीमगंज में 13 साल की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, छह युवकों ने उसके साथ वारदात को अंजाम दिया और उसकी वीडियो भी बनाई। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपी नाबालिग हैं। उनके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

सामने आया है कि आरोपियों ने दुष्कर्म की वीडियो को कई जगह शेयर भी किया था। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिणी असम के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले घटना हुई थी। हालांकि, सात नवंबर को मामले की शिकायत की गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को चांसलर के पद से हटाने की तैयारी

अध्यादेश लाएगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम, 9 नवंबर (एजेंसियां)। केरल कैबिनेट ने बुधवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को राज्य की यूनिवर्सिटीज के चांसलर पद से हटाने के लिए एक अध्यादेश लाने का फैसला किया। कन्नूर यूनिवर्सिटी में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के निजी सचिव के. के. रागेश की पत्नी प्रिया वर्गीस की नियुक्ति पर आपत्ति जताते हुए दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। केरल हाई कोर्ट ने भी मामले का अंतिम रूप से निपटारा होने तक नियुक्ति पर रोक लगा दी है। इसके बाद से दोनों दिग्गजों के बीच तनातनी और तेज हो गई है। अध्यादेश लाने का कैबिनेट का फैसला इसी विवाद के बाद सामने आया है। हालांकि, राज्यपाल खान भी पीछे हटने के मूड में नहीं हैं। ऐसे में यह देखा जाना बाकी है कि वह स्थिति को कैसे संभालते हैं। सितंबर में आनन-फानन में बुलाए गए विशेष सत्र के बाद उन्हें भेजे गए दो विधेयक उनकी मेज पर अभी भी पड़े हैं।

'चांसलर बनने में कोई रुचि नहीं'

जानकार सूत्रों के मुताबिक, पिनराई विजयन सरकार के अध्यादेश लाने का फैसला करने की एक वजह यह है कि हाल ही में जब झगड़ा शुरू हुआ, तब नाराज खान ने कहा था कि उन्हें चांसलर बनने में कोई रुचि नहीं है। साथ ही कहा था कि यदि कोई अध्यादेश या बिल लाया जाता है, तो वह खुशी-खुशी उस पर हस्ताक्षर करेंगे।

अध्यादेश के बारे में सुनने पर विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष इसका पक्ष नहीं होगा। उन्होंने कहा, केरल में ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि अगर यह कानून बन जाता है, तो वाइस चांसलर, कर्मचारियों सहित सभी नियुक्तियां माकपा के राज्य पार्टी मुख्यालय से की जाएंगी। यह पहली बार है कि 1956 में केरल के गठन के बाद इस तरह का कानून पेश किया जा रहा है, जब विधानसभा ने एक विधेयक के जरिए राज्यपाल को राज्य में यूनिवर्सिटीज का चांसलर बनाया था। 14 यूनिवर्सिटी में राज्यपाल चांसलर हैं।

मंदिर में शिवलिंग और हनुमानजी की मूर्ति तोड़ी हिंदू संगठन आक्रोशित

खंडवा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। मामला रामनगर स्थित शिवराज नगर मल्टी का है। यहां हनुमान मंदिर में हनुमान जी और शिवलिंग को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। सुबह जब लोग दर्शन करने पहुंचे तब इस घटना का पता चला। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों के लोग भी मौके पर पहुंच गए। हिंदू संगठन ने कहा कि अगर आरोपी को जल्द गिरफ्तार नहीं किया तो वह आंदोलन करेंगे। फिलहाल पुलिस ने इस मामले आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। खंडवा के राम नगर क्षेत्र में स्थित शिवराज नगर मल्टी में हनुमानजी की मूर्ति और शिवलिंग को किसी बदमाश ने खंडित कर दिया। इस सनसनीखेज घटना से हड़कंप मचा हुआ है।

"देखो कैसा नट रहा है अपनी बोली हुई बात से ही हट रहा है"

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के प्रदूषण पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जोरदार हमला बोला. मीनाक्षी लेखी ने बिना किसी का नाम लिए पूछा, "काम मत कर, काम का जिक्र कर, काम का फिक्र कर, पर काम मत कर, मत कर, मत कर... ये किस पर लागू होता है?" मीनाक्षी लेखी अरविंद केजरीवाल पर एक ट्वीट भी किया है.

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 1286.93 करोड़ पर्यावरण उपकर के रूप में 7 साल में इक्कठा हुआ. इसमें से स्मॉग टावर के मेंटेनेंस पर 80 लाख रु हर महीने खर्च हो रहा है और वो भी काम नहीं कर रहा. आरटीआई से जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक से पिछले 7 साल में करीब 1287 करोड़ इकट्ठा हुए और खर्च उसमें से 2015-16 में 272 करोड़ हुए.

इसमें से 265 करोड़ सिर्फ एक प्रोजेक्ट रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर खर्च किया गया. बाकी बचे रुपये खर्च नहीं हुए. जबकि सभी को पता है कि पर्यावरण उपकर का पैसा सिर्फ एनवायरनमेंट के मसले पर ही खर्च हो सकता है, बाकी किसी मद में नहीं. मीनाक्षी लेखी ने कहा कि पंजाब की सरकार को पहले अरविंद केजरीवाल प्रदूषण के लिए ब्लेम किया जाता अब पंजाब इनके पास आया तो पराली की घटना बढ़ी है. 10 स्मॉग टावर बनाने का वादा किया था मगर बना एक. वो भी काम नहीं कर रहा. दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर करने के लिए केजरीवाल ने कोई काम नहीं किया.

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने ईस्टर्न वेस्टर्न हाईवे बनाकर दिया. दिल्ली को पार्ट टाइम सीएम की जरूरत नहीं, अरविंद केजरीवाल पार्ट टाइम सीएम हैं. कूड़े के निस्तारण के लिए दिल्ली सरकार ने पैसा आवंटित नहीं किया. केजरीवाल ने पराली के विज्ञापन पर 23 करोड़ रुपये खर्च कर दिए लेकिन पराली की रोकथाम के लिए जमीन पर महज 3 लाख रुपये खर्च किया. केजरीवाल सरकार के कथनी और करनी का जो फर्क है, उसका भुगतान जनता कर रही है. सबसे ज्यादा प्रदूषणकर्ता दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.2, 2079 गुरुवार, 10 नवंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

5 राज्यों में भूकंप के झटके

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पड़ोसी देश नेपाल में मंगलवार देर रात 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। झटके भारत के दिल्ली, यूपी समेत उत्तर भारत के 5 राज्यों में भी महसूस किए गए। लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। नेपाल में भूकंप के बाद दिल्ली और एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोग दहशत में घरों के बाहर निकल आए। बिहार: सीतामढ़ी के नेपाल से सटे मेजरगंज, सोनबरसा, सुरसंड, परिहार कन्हौली, बेला समेत कई जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। उत्तर प्रदेश : 8 नवंबर की रात आठ बजकर 52 मिनट पर लखनऊ समेत कई जिलों में झटके महसूस किए गए।

संजय राउत को जमानत मिली

ठाकरे से मिलने के बाद अस्पताल में भर्ती होंगे, कल सुनवाई

मुंबई, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को मुंबई की पीएमएलए कोर्ट से 102 दिन बाद जमानत मिल गई है। वह शाम आर्थर रोड जेल से बाहर आए। जेल के बाहर शिवसेना समर्थकों ने नारेबाजी कर और गुलाल उड़ाकर उनका स्वागत किया। राउत की जमानत के फैसले को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस भारती डांगरे इस पर कल सुनवाई करेंगे। कोर्ट ने रिहाई का आदेश तुरंत रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा–सेशन कोर्ट ने फैसला लेने में एक महीना लिया है तो आप हमसे एक दिन में फैसले की उम्मीद कैसे कर सकते हैं।

उद्धव से मिलने के बाद अस्पताल में भर्ती होंगे

शाम पांच बजे सेशन कोर्ट से मिले जमानत आदेश की कॉपी लेकर संजय राउत के भाई सुनील राउत और उनकी लीगल टीम आर्थर रोड जेल पहुंचे थे। उन्होंने कागजी कार्यवाही पूरी कराई। सुनील राउत ने बताया कि संजय की तबीयत ठीक नहीं है। जेल से रिहा होते ही वे शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे से मिलेंगे और एक-दो जगह जाएंगे। इसके बाद अस्पताल में भर्ती हो जाएंगे। राउत की रिहाई से पहले

जमानत के खिलाफ ईडी हाईकोर्ट पहुंची

ही शिवसेना समर्थक भगवा ध्वज लेकर आर्थर रोड जेल के बाहर जमा हो गए थे।

31 जुलाई को अरेस्ट हुए थे शिवसेना सांसद

ईडी ने राउत को 31 जुलाई को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 9 घंटे पूछताछ की थी। राउत से 28 जून को भी ईडी ने पूछताछ की थी। उनके घर की तलाशी के दौरान ईडी को 11.5 लाख रुपए नकद मिले थे। राउत या उनके परिवार के लोग इन पैसों का सोर्स नहीं बता पाए थे। संजय पर 1,039 करोड़ के पात्रा चॉल जमीन घोटाले का आरोप है। राउत के समर्थकों को जैसे ही जमानत की जानकारी लगी, वे आर्थर रोड जेल के बाहर जमा हो गए। भगवा ध्वज लहराते हुए गुलाल उड़ाया और जमकर नारेबाजी की। जेल के बाहर समर्थकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया था।

संजय राउत की पत्नी से भी पूछताछ हुई थी

ईडी ने इस मामले में संजय राउत से पहली बार 28 जून को पूछताछ की। फिर 1 जुलाई को एजेंसी ने संजय राउत से 10 घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट यानी पीएमएलए के तहत राउत का बयान दर्ज किया गया। अप्रैल में ईडी ने वर्षा राउत और उनके 2 सहयोगियों की 11.15 करोड़ रुपए की संपत्ति को अटैच किया था।

गोशामहल विधायक राजा सिंह को सशर्त जमानत

धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणी न करने का निर्देश

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आज हेट स्पीच मामले के आरोपी विधायक राजा सिंह को सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने उन्हें जेल से रिहा होने के बाद किसी भी तरह के भड़काऊ भाषण नहीं देने को कहा है। अदालत ने राजा सिंह को अगले तीन महीने तक कोई भी सोशल मीडिया पोस्ट न करने के अलावा कोई रैली नहीं निकालने को भी कहा है। यह आदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पारित किया था। विधायक राजा सिंह को शहर पुलिस ने 25 अगस्त 2022 को पीडी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। उन्हें चेर्लापल्ली सेंट्रल जेल में रखा गया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद, राजा सिंह की पत्नी उषा बाई ने एचसी में एक याचिका दायर की थी। करीब 40 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें जमानत मिल गई। तेलंगाना हाई कोर्ट ने बुधवार शाम सनसनीखेज फैसला सुनाया। अदालत ने राजा सिंह को सशर्त जमानत देते हुए निर्देश दिया कि वे और भड़काऊ टिप्पणी न करें और धर्मों को बदनाम करने वाली टिप्पणी नहीं करने की भी सलाह दी। इसके अलावा, अदालत ने राजा सिंह पर मीडिया से बात न करने और रैलियां न करने की शर्तें भी लगाईं है। पुलिस विभाग ने राजा सिंह को तत्काल रिहा करने के आदेश जारी किए हैं।

जस्टिस चंद्रचूड़ बने 50वें सीजेआई

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की विधिवत शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में स्थित बापू की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने सीजेआई की कुर्सी पर बैठने से पहले अपने केबिन में तिरंगे को नमन भी किया। शपथ लेने के बाद चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने मीडिया से कहा, 'देश के आम लोगों की सेवा करना मेरी पहली प्राथमिकता है। रजिस्ट्री और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार करूंगा। मेरे शब्द नहीं, मेरा काम बोलेगा।' बता दें कि चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर 2024 तक होगा।

(विस्तृत खबर पेज 2 पर)

बाबरी विध्वंस मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला

आडवाणी, जोशी व उमा को बरी करने के खिलाफ याचिका खारिज

लखनऊ, 9 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बुधवार को बड़ा निर्णय देते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी व उमा भारती सहित बाबरी विध्वंस मामले में आरोपी 32 नेताओं को बरी करने के खिलाफ दायर की गई याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और सरोज यादव की अध्यक्षता वाली पीठ ने अयोध्या के रहने वाले हाजी महमूद अहमद और सैयद अखलाक अहमद की याचिका खारिज कर दी। याचिका में बाबरी विध्वंस के आरोपी भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, विनय कटियार, बृज मोहन शरण सिंह, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह और साध्वी ऋतंबरा सहित 32 नेताओं को अदालत द्वारा बरी किए जाने के निर्णय को चुनौती दी गई थी।

राज्य सरकार व सीबीआई ने कहा कि दोनों अपीलकर्ता मामले के न तो पीड़ित हैं और न ही प्रारंभिक शिकायतकर्ता हैं। ऐसे में उनकी याचिका को मान्यता नहीं दी जा सकती है। याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अयोध्या में 6 दिसंबर 1992 को बाबरी के ढ़ांचे को ध्वस्त कर दिया गया था। इस संबंध में 30 सितंबर 2020 को आए निर्णय में लखनऊ की विशेष अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने न्यूज पेपर की कटिंग और वीडियो क्लिपिंग को सुबूत मानने से इनकार कर दिया था।

कांग्रेस में कलह पर मोदी की चुटकी, एक तीर से कई निशाने

चंबी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुंच चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश के चंबी में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जोरदार प्रहार किया। पीएम ने कहा कि अब दो ही राज्यों में कांग्रेस की सरकार बची है, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में। लेकिन यहां से कभी विकास की नहीं, सिर्फ आपसी झगड़े की खबरें आती हैं। पीएम ने हिमाचल से चले तीर से कई निशाने साधे। माना जा रहा है कि उन्होंने अशोक गहलोत और सचिन पायलट पर भी चुटकी ली जो इस समय गुजरात और हिमाचल चुनाव में व्यस्त हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ से कभी विकास की खबरें आती हैं? नहीं आती है। सिर्फ आपस में झगड़े की खबरें आती हैं। ऐसा रहा तो विकास हो सकता है क्या? मेरा तो अनुभव कहता है कि कांग्रेस यानी अस्थिरता की गारंटी, घोटाले भ्रष्टाचार की गारंटी, विकास में रोड़े अटकाने की गारंटी।''

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा की पहचान सुशासन से है। भाजपा वही कहती है जो कर सकती है और जो कहती है उसे पूरा करने के लिए पूरी शक्ति लगा देती है। कुछ राजनीतिक दल सिर्फ परिवारवाद और वोटबैंक की पॉलिटिक्स के भरोसे चल रहे हैं। पीएम मोदी ने उत्तराखंड और यूपी जैसे राज्यों में रिकॉर्ड तोड़ते हुए सत्ता में वापसी का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रति लोगों में इतना गुस्सा है कि एक बार सरकार से विदाई हो जाती है तो दोबारा घुसने नहीं दिया जाता है। पीएम मोदी ने कहा, ''तमिलनाडु में वहां के लोगों ने करीब 60 साल पहले कांग्रेस को निकाला, अब तक वापस नहीं आई। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा के लोगों ने 50 साल पहले हटाया, अब तक पैर नहीं रखने दिया। उत्तर प्रदेश, बिहार और गुजरात के लोगों ने कांग्रेस को 40 साल से सत्ता से बाहर रखा है। कितना गुस्सा होगा आप अंदाजा लगाइए। ओडिशा के लोगों ने भी 30 साल से रोक रखा है। नागालैंड में भी कांग्रेस 25 साल से हार रही है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, नागालैंड, सिक्किम कई ऐसे राज्य हैं जहां कांग्रेस का कोई विधायक नहीं है। कांग्रेस का आधार आज भी परिवारवाद ही है। ऐसी कांग्रेस पार्टी हिमाचल के लोगों की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं को कभी पूरा नहीं कर सकती है।

नीरव को भारत लाने का रास्ता साफ

लंदन हाईकोर्ट ने कहा-प्रत्यर्पण का फैसला न तो नाइंसाफी न ही इसमें कोई दबाव

लंदन, 9 नवंबर (एजेंसियां)। नीरव मोदी पर मेहुल चौकसी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से करीब 14 हजार 500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। उसे वापस लाने के लिए भारतीय एजेंसियों ने सरकारी और कानूनी स्तर पर अर्जी दायर की थी। इनमें कहा गया था कि नीरव ने भारत के बैंकिंग सिस्टम के साथ फ्रॉड किया है, इसलिए उसे कानूनी प्रक्रिया के लिए भारतीय एजेंसियों के हवाले किया जाए।

लंदन में ऐश-ओ-आराम की जिंदगी गुजार रहे इस भगोड़े ने अपने बचाव में कई तर्क दिए। नीरव ने यहां तक कहा कि वो भारतीय कानून का सामना करने को तैयार है, लेकिन उसे भारतीय एजेंसियों के हवाले न किया जाए। जब निचली अदालत ने उसे भारत को सौंपने का फैसला किया तो उसने हाईकोर्ट का रुख किया और अब हाईकोर्ट ने भी उसकी पिटीशन खारिज कर दी है। नीरव ने पिटीशन में कहा था-भारत में जेलों की हालत बेहद खराब है और वहां उसे जान का खतरा भी हो सकता है। इसके जवाब में भारतीय एजेंसियों ने लंदन की अदालत को विस्तार से जानकारी दी और बताया कि नीरव सिर्फ बचने का रास्ता खोज रहा है। अदालत ने इसी आधार पर उसे भारत के हवाले करने का आदेश सुनाया है। अदालत ने कहा-नीरव को भारत के हवाले करने का फैसला न तो नाइंसाफी है और न ही इसे किसी दबाव के तौर पर लिया जाना चाहिए। बता दें कि इससे पहले मई 2020 में लंदन के वेस्टमिंस्टर कोर्ट में नीरव के

प्रत्यर्पण पर सुनवाई हुई थी। करीब 9 महीने की सुनवाई के बाद फरवरी 2021 में वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण करने को मंजूरी दे दी थी। कोर्ट ने तब कहा था कि नीरव पर जो आरोप हैं, उसके जवाब उन्हें भारत की अदालत में देने चाहिए।

नीरव मोदी जिस जेल में रहेगा, वहां क्या-क्या होगा?

महाराष्ट्र के प्रिजन डिपार्टमेंट ने पहले ही लंदन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में बैरक नंबर-12 के बारे में जानकारी साझा कर दी थी। प्रिजन डिपार्टमेंट ने बताया था कि नीरव मोदी को जहां रखा जाएगा, वो जगह हाई सिक्योरिटी वाली होगी और वहां उसे मेडिकल फैसिलिटी भी मिलेगी। अगस्त 2020 में वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने बैरक नंबर-12 का वीडियो भी देखा था। इसके बाद ही कोर्ट ने नीरव को भारत लाने की मंजूरी दी। कोर्ट ने कहा है कि नीरव मोदी बैरक नंबर-12 में पूरी तरह से सेफ रहेगा। नीरव की दलील थी कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है और अगर उसे भारत भेजा जाता है, तो वो सुसाइड कर लेगा। इस पर भी कोर्ट ने कहा कि बैरक नंबर-12 में नीरव के सुसाइड करने के चांस नहीं हैं, क्योंकि वहां उसकी हेल्थ का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

14 हजार 500 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नीरव मोदी पर मेहुल चौकसी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से करीब 14 हजार 500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। फरवरी में ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने मोदी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। इस फैसले के खिलाफ उसने लंदन हाईकोर्ट में अपील की है।

गौतम नवलखा को घर में नजरबंद रखने के अनुरोध पर कर रहे विचार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह एल्गार परिषद-माओवादी लिंक मामले में जेल में बंद कार्यकर्ता गौतम नवलखा को घर में नजरबंद करने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से निर्देश मांगे और उसे कुछ दिनों के लिए नजरबंद रखने के दौरान नवलखा पर लगाए जा सकने वाले प्रतिबंधों के बारे में सूचित करने को कहा। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की पीठ ने कहा कि वह एएसजी की सुनवाई के बाद गुरुवार को आदेश पारित करेगी।

हम उन्हें जमानत पर रिहा नहीं करने जा रहे हैं...

अदालत ने कहा कि नवलखा 70 वर्षीय व्यक्ति है। हम नहीं जानते कि वह कब तक जीवित रहेंगे। ऐसा नहीं है कि हम उन्हें जमानत पर रिहा करने जा रहे हैं। उन्हें कॉमरेड सुधा भारद्वाज की तरह जमानत नहीं मिलेगी। हम सचेत हैं कि हमें सावधानी से चलना होगा। हम सहमत हैं कि एक विकल्प के रूप में घर में नजरबंद रखने का सावधानी से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हम इस बात से चिंतित हैं कि आप क्या प्रतिबंध लगाना चाहेंगे। जो भी प्रतिबंध लगाएं, ऐसा नहीं है कि वह देश को तबाह करने वाले हैं। कम से कम उन्हें कुछ दिनों के लिए नजरबंद कर दिया जाए। नवलखा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि जेल में उनके इलाज की कोई संभावना नहीं है। सिब्बल ने कहा कि दुनिया में कोई रास्ता नहीं है कि आप जेल में इस तरह का इलाज कर सकें। उनका वजन काफी कम हो गया है। जेल में इस तरह का इलाज संभव नहीं है। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कहा कि नवलखा के साथ कुछ भी गलत नहीं हो रहा है। हम उन्हें गद्दा और खाट सब कुछ मुहैया कराएंगे। हम उन्हें घर का खाना भी लाने देंगे।

शीर्ष अदालत ने 29 सितंबर को तलोजा जेल अधीक्षक को नवलखा को तुरंत इलाज के लिए मुंबई के जसलोक अस्पताल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि चिकित्सा उपचार प्राप्त करना एक कैदी का मौलिक अधिकार है। कार्यकर्ता ने मुंबई के पास तलोजा जेल में पर्याप्त चिकित्सा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी की आशंकाओं को लेकर बंबई उच्च न्यायालय के 26 अप्रैल के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में

अगले साल फिर यात्रा पर निकलेंगे राहुल गांधी

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा के बीच अब अगली यात्रा का रोडमैप भी तैयार हो गया है। अगले साल राहुल गांधी पूर्वी भारत से पश्चिमी भारत की यात्रा पर निकलेंगे। भारत जोड़ो यात्रा का यह दूसरा फेज होगा।

इसका पैटर्न भी वर्तमान में चल रही यात्रा जैसा होगा। यदि दूसरा फेज सक्सेसफुली कंप्लीट होता है तो राहुल करीब आठ महीने में 7 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी करेंगे। राहुल गांधी की दूसरे फेज की भारत जोड़ो यात्रा नॉर्थ ईस्ट से लेकर गुजरात के कच्छ तक हो सकती है। इसका रूट फाइनल होना बाकी है। राहुल गांधी की टीम दूसरे फेज की भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों का खाका बनाने में जुट गई है। राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर की यात्रा में 3700 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसमें 12 राज्य कवर होंगे। ईस्ट से वेस्ट की दूसरी भारत जोड़ो यात्रा की दूरी भी 3500 किलोमीटर के आसपास होगी।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

उधार न दो, उधार न लो उधार देने से अकसर पैसा और दोस्ती दोनों खो जाते है और उधार लेने से मितव्ययिता कुंठित हो जाती है।

फर्जी शिक्षा प्रमाणपत्र रैकेट का भंडाफोड़, 12 गिरफ्तार

विश्वविद्यालय वेबसाइट हैक कर बनाये थे फर्जी सर्टिफिकेट

वारंगल, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्कफोर्स ने हसनपर्ती पुलिस के साथ बुधवार को एक फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र रैकेट का भंडाफोड़ किया और 12 लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति के साथ मिलीभगत कर कथित तौर पर काकतीया विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट हैक की थी। वरंगल पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी के मुताबिक फर्जी प्रमाण पत्र के छह रिसीवर समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में नरसमपेट कस्बे का अकुला रवि उर्फ अविनाश, बदरद्री कत्तागुडेम ज़िले के पलवंचा का लंकाला शंकर राव, हनमकोंडा का मिर्जा अख्तर अली बेग उर्फ असलम, रुद्रपुर मंडल के सुभाषनगर का सुदीगा येलेश, हैदराबाद के ज़ीडिमेटला, हैदराबाद के मानिगिला गांव का मुपुरी पुरुषोत्तम, पेद्दामंदरी, वनपर्ती जिला, कनामेट के कामना प्रीतम, हाईटेक्स एसपी रोड के इनवोलु

साई श्रवण, सिकंदराबाद, रंताचिंतला के पसरलापाडुम गांव के कोटा अशोक, गुंटूर जिले, नकीरेकल के बबन साहेबगुडेम के गंडिकोटा संदीप, नलगोंडा जिले के मनोज सिंह, कुतुबुल्लापुर के मनोज सिंह, वनपर्ती के वेंगल राव कॉलोनी के तल्लुरी सम्प्रीत और बंदरनगर, वनपर्ती के चिमरला लक्ष्मी प्रसाद शालि हैं।

पुलिस ने इनके पास से 4.17 लाख रुपए भी बरामद किए हैं। आयुक्त ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर, पुलिस ने काकतीय विश्वविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, एपी इंटरमीडिएट बोर्ड, टीएस इंटरमीडिएट बोर्ड, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय, एनआईओएस विश्वविद्यालय, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय, के फर्जी इंजीनियरिंग, स्नातक, इंटरमीडिएट और एसएससी प्रमाण पत्र बनाने और बेचने के आरोप में आरोपी को पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि आरोपियों की मदद से फर्जी प्रमाण पत्र हासिल करने वाले छात्र भारत और विदेशों के विभिन्न विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन कर रहे हैं और उनमें से कुछ सॉफ्टवेयर की नौकरी कर रहे हैं।

पुलिस ने फर्जी प्रमाण पत्र खरीदने वाले 127 लोगों की भी पहचान की है।

पुलिस के आकलन के अनुसार, गिरोह से कुल 610 छात्रों को फर्जी प्रमाण पत्र मिले। पुलिस ने फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए छह सेट (88 प्रमाण पत्र), 15 प्रमाण पत्र और अन्य सामग्री जब्त की है।

आरोपी ने डिग्री प्रमाण पत्र के लिए 1 लाख रुपये और बी.टेक प्रमाण पत्र के लिए 1.50 लाख रुपये एकत्र किए। आरोपी रवि अविनाश और शंकर राव ने फर्जी प्रमाणपत्रों का विवरण उत्तर प्रदेश निवासी सर्वेश को व्हाट्सएप के माध्यम से काकतीया विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर डालने के लिए भेजा। तदनुसार, सर्वेश ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट हैक की और छात्रों के ऑनलाइन टैब में विवरण जोड़ा। जिन लोगों को फर्जी प्रमाण पत्र मिला है, वे केयू की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपना विवरण प्राप्त कर रहे हैं, सीपी ने कहा, उन्होंने केयू के 94 ऐसे फर्जी प्रमाण पत्र बनाए हैं। तीन और आरोपी कुतुबुल्लापुर के बट्टा संदीप, हैदराबाद के मोइनाबाद के मोंडी विजय और आधिकारिक वेबसाइट हैक करने वाले उत्तर प्रदेश के रामनगर के सर्वेश फरार हैं।

तेलंगाना में बनी हुई है अलोकतांत्रिक स्थिति : तामिलसाई

राज्यपाल ने उनके फोन टैप किए जाने का संदेह जताया

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को संदेह है कि तेलंगाना में उनके फोन टैप किए जा रहे हैं। बुधवार को यहां राजभवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, राज्यपाल ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में अलोकतांत्रिक स्थिति बनी हुई है और कोई व्यक्तिगत स्वतंत्रता नहीं है क्योंकि फोन टैप किए जा रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर एडीसी के रूप में काम करने वाले तुषार के नाम और राजभवन को मोइनाबाद फार्महाउस प्रकरण में घसीटने के लिए राज्य सरकार पर हमला किया, जहां कथित तौर पर राज्य सरकार को गिराने के लिए टीआरएस के चार विधायकों को फंसाया गया था। उन्होंने कहा कि तुषार ने मुझे फोन किया और दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। आप कैसे कह सकते हैं कि वह और राजभवन सिर्फ मुझे फोन करने के कारण फार्महाउस प्रकरण में शामिल हो रहे हैं। मुझे पूरी तरह से संदेह है कि मेरे फोन टैप किए जा रहे हैं।

तेलंगाना यूनिवर्सिटीज कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड बिल को मंजूरी देने में हो रही देरी पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने सरकार को पत्र लिखकर शिक्षा मंत्री से मिलने और विधेयक पर चर्चा करने को कहा है। लेकिन, उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे प्रस्तावित विधेयक पर कुछ संदेह है और इस संबंध में सरकार से कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं। इसलिए, मैंने इसे लंबित रखा है।

यह कहना सही नहीं है कि मैंने बिलों को लंबित रखा : राज्यपाल

राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने आज कहा कि यह कहना सही नहीं है कि उन्होंने राज्य सरकार के कई विधेयक अपने पास लंबित रखे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भेजे गए बिलों पर अपनी शंकाओं को दूर करने की जिम्मेदारी उनकी है। उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य सरकार से बिल प्राप्त हुए हैं और उन्होंने कहा कि वह बिलों का अध्ययन कर रही हैं। उसने कहा कि उसने सभी विधेयकों को व्यापक रूप से देखने के लिए समय लिया, जबकि यह देखते हुए कि ऐसा करने की जिम्मेदारी उनकी है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि उन्होंने राज्य सरकार से राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में सभी रिक्त पदों को भरने के लिए कहा था और उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य सरकार को एक व्यापक रिपोर्ट दी थी, जबकि वह बार-बार प्रतिनिधि की मांग कर रही है। राज्य सरकार रिक्त पदों को भरने के लिए उसने समाचार रिपोर्टों पर आपत्ति जताई कि वह बिलों को लंबित रख रही है और कहा कि उसे प्रस्तावित सामान्य भर्ती बोर्ड पर संदेह है, जबकि यह देखते हुए कि वह अध्ययन कर रही है कि भर्ती की आवश्यकता है या नहीं।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने सीएम केसीआर को लिखा पत्र

पुलिस भर्ती में ईडब्ल्यूएस कोटा कट ऑफ अंक शामिल करने की मांग की

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार से पुलिस भर्ती में अन्य कमजोर वर्गों के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए कट ऑफ अंक सहित तुरंत एक नई अधिसूचना जारी करने की मांग की है।

तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड (टीएसएलपीआरबी) ने तेलंगाना पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल और सब इंस्पेक्टर (एसआई) के 16,614 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि एससी, एसटी और बीसी समुदायों के उम्मीदवारों को कट ऑफ अंक प्रदान किए गए है, लेकिन ईडब्ल्यूसी कोटा को छूट सूची में शामिल नहीं किया गया है, जिससे इस विशेष श्रेणी के उम्मीदवारों में चिंता पैदा हो गई है।

बुधवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को एक खुले पत्र में, रेवंत रेड्डी ने कहा कि अधिसूचना जारी करते समय, 60 अंक न्यूनतम योग्यता के रूप में निर्धारित किए गए है। श्रेणी के अनुसार वरीयता क्रमांक को प्राथमिकता दी गई है, फिर वे पहली बार सभी कैटेगरी के लिए लिस्टेड है, हालांकि, परीक्षा के बाद सरकार ने 20 प्रतिशत का फैसला किया।

एससी और एसटी उम्मीदवारों के लिए और बीसी उम्मीदवारों के लिए कट ऑफ अंक के रूप में 25 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए कटऑफ अंक सूची में शामिल नहीं है और इसके कारण लगभग 15,000 उम्मीदवार इस श्रेणी के तहत उन्हें प्रदान किए गए आरक्षण का लाभ खो रहे हैं। उन्होंने छूट सूची में

विधायक खरीद मामला : राज्य सरकार ने सीवी आनंद की अध्यक्षता में एसआईटी बनाई

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक ने आज जानकारी दी कि तांडूर के विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने कुछ लोगों के खिलाफ मोइनाबाद थाने के एसएचओ को लिखित शिकायत दी है। शिकायत मिलने पर विभिन्न धाराओं में मोइनाबाद थाने में मामला दर्ज जांच की जा रही है।

डीजीपी ने यह भी बताया कि चूंकि मामला संवेदनशील, हाई प्रोफाइल और सनसनीखेज प्रकृति का है और इसमें कई आयामों में जांच शामिल है। इसके लिएविस्तृत तरीके से वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित जांच की आवश्यकता होती है। इसके लिए विशिष्ट कौशल वाले अनुभव और अपेक्षित विशेषज्ञता वाले अधिकारियों की आवश्यकता होती है। डीजीपी ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि "जनहित में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए ताकि शीघ्र तरीके से उचित जांच हो सके।

डीजीपी के प्रस्ताव का अध्ययन करने के बाद राज्य सरकार ने नगर पुलिस ऑयुक्त सीवी आनंद की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। दस के सदस्यों के रूप में रेमा राजेश्वरी, एसपी, नलगोंडा, कलमेश्वर शिंगनावार डीसीपी, अपराध, साइबराबाद, आर जगदीश्वर रेड्डी, डीसीपी, शमशाबाद, एन वेंकटेश्वरलु एसपी, नारायणपेट, बी गंगाधर, एसीपी, राजेंद्रनगर डिवीजन, साइबराबाद, लक्ष्मी रेड्डी, एसएचओ, मोइनाबाद पुलिस स्टेशन शामिल है। जांच की प्रक्रिया के दौरान एसआईटी किसी भी अन्य अधिकारी/अधिकारियों को आवश्यकतानुसार सहयोजित कर सकती है और जांच को तेजी से पूरा कर सकती है।

लक्ष्मण का आरोप, पीएम के दौरे में बाधा डाल रहे सीएम केसीआर

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वह केंद्र सरकार की विकास गतिविधियों को पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम इस तरह की हरकतों का सहारा ले रहे हैं क्योंकि वह सीधे तौर पर मोदी और बीजेपी का सामना नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दो तेलुगु राज्यों में विकास कार्यक्रम चला रहे हैं और उन्होंने कहा कि वह दोनों राज्यों में केंद्र सरकार के फंड को खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी 11 और 12 नवंबर को तेलुगु राज्यों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में रामागुंडम उर्वरक कारखाने को समर्पित करेंगे। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि सीएम राज्य के लोगों की आकांक्षाओं में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुनुगोडु उपचुनाव में सत्तारूढ़ दल ने भारी धन खर्च कर जीत हासिल की है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी में सीएम केसीआर के पारिवारिक शासन का सामना करने की क्षमता है।

रेल पटरियों पर मृत पाए गए पुरुष, महिला

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनागिरी जिले के यादगिरिगुट्टा मंडल के बाहुपेट के पास एक दुखद घटना में एक पुरुष और महिला ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली और उनके शव रेलवे ट्रैक पर मिले।

बताया जा रहा कि इनके प्रेमी होने का शक है। कुछ स्थानीय लोगों ने पटरियों पर शवों को देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक की पहचान भोंगीर मंडल के गांव बसवापुर निवासी के रूप में हुई है और इनके प्रेमी होने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि महिला की हाल ही में शादी हुई थी और दो दिन पहले यादगिरिगुटा थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

समाज को शांतिपूर्ण बनाए रखने में हर पुलिसकर्मी की समान जिम्मेदारी : महेश भागवत

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी महेश भागवत ने नेरेडमेट में एक फंक्शनल हॉल में आयोजित रिवार्ड मेला के दौरान राचकोंडा के पुलिस कर्मियों को अपनी महान जिम्मेदारियों का पालन करने और नागरिकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। सीपी ने 111 पुलिस कर्मियों को उनकी बेहतर सेवाओं के लिए अगस्त और सितंबर-2022 के महीने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र सौंपे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी महेश भागवत ने कहा कि कानून व्यवस्था समाज को शांतिपूर्ण रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और कहा कि समाज को अपराध मुक्त रखने में प्रत्येक पुलिस कर्मियों की समान जिम्मेदारी है। सीपी ने उल्लेख किया कि समाज में नागरिकों के सभी वर्गों को दी जाने वाली सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सभी कार्यात्मक कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने की आवश्यकता है। सीपी ने कर्मचारियों को सभी नागरिकों विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और अन्य कमजोर वर्गों को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली सेवाएं देने के लिए प्रेरित किया। पुरस्कार विजेताओं के अलावा, सेवा पथकम प्राप्त करने वाले 45 पुलिस कर्मियों को भी प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया। संपत्ति अपराध का पता लगाने में अच्छा काम करने वाले सीसीएस निरीक्षकों को भी डीजीपी, टीएस द्वारा भेजे गए प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। अतिरिक्त सीपी जी. सुधीर बाबू ने पदक विजेताओं की सराहना की और कहा कि समर्पित सेवा प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि पदक और प्रशंसा से चेहरे पर मुस्कान और आत्मविश्वास आएगा जो अंततः सभी को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कर्मचारी राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के लिए मजबूत आधार बन गए हैं और उन्हें समाज के लिए अपनी सेवाएं जारी रखने का निर्देश दिया। इस अवसर पर डीसीपी मलकाजगिरी रक्षिता के मूर्ति , डीसीपी भोंनगिर नारायण रेड्डी, डीसीपी ट्रैफिक श्रीनिवास, डीसीपी महिला सुरक्षा, वेंकटेश्वरलू, डीसीपी रोड सेफ्टी श्रबाला, अतिरिक्त डीसीपी एडमिन नर्मदा, डीसीपी सीएआर शमीर, एसीपी एसबी जावेद, एसीपी सीसीआरबी जगदीश चंदर और रचकोंडा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जाबांज पुलिसकर्मियों को सीपी ने दिया नकद पुरस्कार

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद दो पुलिसकर्मियों की बहादुरी से गद्गद हो गए। उन्होंने निडर होकर पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल साई कुमार और होमगार्ड रवींद्र बाबू के कार्य करने की सराहना की। इन लोगों ने निडर होकर हथियार से लैश व्यक्ति का सामना किया। बुधवार को सुबह अमीरपेट में शबरीनाथ लेन में गश्त कर रहे दो पुलिसकर्मियों ने देखा कि वेंकट नागेंद्र रेड्डी नाम के एक व्यक्ति ने ट्रांसजेंडरों के साथ बहस की। दोनों ने मामले को शांत कराने की कोशिश की। इसी दौरान नागेंद्र रेड्डी ने आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपनी लाइसेंसी बंदूक से दो पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाने की कोशिश की। लेकिन बहादुर पुलिसकर्मी जल्दी से हथियारबंद व्यक्ति से निपटने में कामयाब रहे। और शहर पुलिस प्रमुख द्वारा इसे "अविश्वसनीय से कम नहीं" के रूप में वर्णित एक बड़ा कदम बताया गया। बंदूक के साथ नागेन्द्र रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीपी ने कहा कि निहत्थे होने के बावजूद, साहसी पुलिसकर्मियों ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना तुरंत कार्रवाई की और आरोपी को पकड़ लिया। इनकी अद्भुत वीरता काबिले तारीफ है। सीपी आनंद ने प्रशस्ति पत्र और 2500 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया और उन्हें बधाई दी। ये पुरस्कार उनके सेवा रिकॉर्ड के अनुरूप होंगे।

लोगों को रामप्पा मंदिर के महत्व के बारे में शिक्षित करने की जरूरत : मुलुगु कलेक्टर

मुलुगु, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर एस. कृष्णा आदित्य ने कहा कि स्थानीय लोगों को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल रामप्पा मंदिर की अनूठी विशेषताओं और महान वास्तुकला के बारे में ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने बुधवार को यहां ऐतिहासिक रामप्पा मंदिर स्थित पालमपेट गांव के 'रैतु वेदिका' में मंदिर पर स्थानीय लोगों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों विशेषकर युवाओं को मंदिर का ज्ञान और महत्व प्राप्त करना चाहिए. उन्होंने रामप्पा क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए काकतीय विरासत ट्रस्ट (केएचटी) के प्रयासों की सराहना की। कृष्ण आदित्य ने प्रतिभागियों के साथ उनके पास मौजूद मंदिर के ज्ञान का परीक्षण करने के प्रयास में भी बातचीत की। कलेक्टर ने प्रतिभागियों से रामप्पा की अनूठी

इमारतों के बारे में दूसरों के बीच संदेश फैलाने का आग्रह किया।

काकतीय विश्वविद्यालय (केयू) के कुलपति (वीसी) प्रोफेसर थाटीकोंडा रमेश, केएचटी ट्रस्टी प्रो एम पांडुरंगा राव, एएसआई अधिकारी मदिपल्ली मल्लेशम, पर्यटन अधिकारी एम शिवाजी और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

जीएचएमसी स्थायी समिति की बैठक में 6 मदों को मंजूरी

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान स्थायी समिति की बैठक में समिति सदस्यों के सहयोग से सदस्यों ने 6 मदों को मंजूरी दी गई। स्थायी समिति के सदस्य पन्नाला देवेंद्र रेड्डी, महापारा, मिर्जा मुस्तफा बेग, मोहम्मद अब्दुल सलाम शाहिद, परवीन सुल्ताना, मंडागिरी स्वामी, ई. विजय कुमार गौड़, मोहम्मद राशिद फ़राज़ुद्दीन, सीएन रेड्डी, वाई. प्रेम कुमार, समाला हेमा और अन्य ने भाग

लिया।

इसके अलावा आयुक्त डीएस लोकेश कुमार, निदेशक ईवीडीएम विश्वजीत कंपाती, अतिरिक्त आयुक्त श्रुति ओझा, बी. संतोष, प्रियंका अला, वी. कृष्णा, जयराज कैनेडी, प्रोजेक्ट सीई देवानंद, अतिरिक्त सीसीपी श्रीनिवास, लेक्स सीई सुरेश, मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वरलू, जोनल कमिश्नर शंकरैया, ममता पंकजा, श्रीनिवास रेड्डी, सम्राट अशोक, रविकिरण, मुख्य कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, पशु चिकित्सा प्रमुख अब्दुल वकील, सचिव लक्ष्मी और अन्य ने भाग लिया।

बैठक में स्थायी समिति में 6 मदों की स्वीकृति में प्रमुख रूप से रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर मंडल, मैलारदेव पल्ली सर्वे नं. 93/ए नं 1560 वर्गगज की खुली भूमि बतुकम्मा घाट के रूप में विकास के लिए भूमि मालिक प्रभाकर रेड्डी से भूमि अधिग्रहण के लिए जीएचएमसी को 60 प्रतिशत मुआवजा देने के लिए और अन्य 40 प्रतिशत टीडीआर जारी करने, 2.30 करोड़ रुपये की लागत से हाफिजपाटे गांव, सेरीलिंगमपल्ली मंडल, रंगारेड्डी जिले में सीवर लाइन डायवर्टिंग कार्य कार्यों को शुरू करने के लिए लघु निविदाएं आमंत्रित करने के लिए प्रशासन की स्वीकृति, गोपनपल्ली से हुस्मान नगर वाया ताज नगर सर्वे नबर 124, 262, सड़क को 30 मीटर चौड़ा करने के लिए भूमि अधिग्रहण को मंजूरी, सेरिलिंगमपल्ली मंडल, खाजागुडा गांव, रंगारेड्डी जिले के बड़े तालाब में सीवेज नाली के डायवर्जन के लिए 2.95 करोड़ के कार्यो को मंजूरी आदि को मंजूरी दी गई।

केंद्रीय मंत्री ने रामागुंडम में प्रधानमंत्री की जनसभा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री भगवंत खुबा ने आज रामागुंडम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी जनसभा की तैयारियों का जायजा लिया। राज्य पार्टी के नेता जी विवेक, डी प्रदीप कुमार, एससी मोर्चा एस कुमार और पूर्व विधायक सोमरापु सत्यनारायण भी केंद्रीय मंत्री के साथ थे। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री के दौरे के लिए रामागुंडम फर्टिलाइजर्स कंपनी लिमिटेड में की गई व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। बाद में मंत्री ने एससी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एस. कुमार के आवास का दौरा किया।

'सिखों की हत्या के आरोपी कमलनाथ को समारोह में सम्मानित किए जाने से गायक नाराज

इंदौर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में गुरु नानक जयंती के अवसर पर मंगलवार को एक सिख कार्यक्रम में कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को सम्मानित किए जाने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। गायक मनप्रीत सिंह कानपुरी का वीडियो वायरल हो गया है। वे मंच से कमलनाथ को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के फैसले की आलोचना करते दिख रहे हैं। कई सिख नेता कानपुरी का समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। कानपुरी ने कहा कि वह कभी इंदौर नहीं आएंगे। इंदौर में गुरु नानक जयंती पर सिखों के धार्मिक कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ पहुंचे थे।

पंथ के मशहूर कीर्तनकार मनप्रीत सिंह कानपुरी के बयान को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस बयान में कानपुरी ने हालांकि कमलनाथ का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने वर्ष 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के सिख विरोधी दंगों की ओर स्पष्ट इशारा किया और

धार्मिक कार्यक्रम में राजनेताओं को बुलाकर उनका स्वागत-सम्मान किए जाने पर तीखे शब्दों में नाराजगी जताई। शहर के खालसा महाविद्यालय में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्य कांग्रेस समिति के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अलावा भाजपा के पूर्व लोकसभा सदस्य कृष्णमुरारी मोघे भी मौजूद थे। चश्मदीदों ने बताया कि आयोजकों ने इन राजनेताओं का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया जिससे कीर्तन के कार्यक्रम में आधे घंटे की देरी हुई। कानपुरी ने कमलनाथ के जाने के बाद आयोजकों को लताड़ लगाते हुए कीर्तन के मंच से पंजाबी में कहा, ''आप किस सिद्धांत की बात करते हो? आपको टायर डाल कर जला दिया गया था, फिर भी आप नहीं सुधरते। आपको कैसी राजनीति करनी है?''क्रोधित कीर्तनकार ने धार्मिक नारे लगा रहे श्रोताओं को शांत करते हुए कहा कि उनके भीतर जमीर (अंतरात्मा) नहीं है। इस बीच, घटनाक्रम ने सियासी तूल पकड़ लिया है। राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि गुरु नानक जयंती के कार्यक्रम के दौरान इंदौर के खालसा महाविद्यालय में जो कुछ हुआ, वह अत्यंत दुःखद और शर्मनाक है। उन्होंने कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, ''जिस तरह पुरातन काल में आसुरी शक्तियां साधु-संतों के यज्ञ में विघ्न डालती थीं, इंदौर के इस कार्यक्रम में कमोबेश उसी तरह का आचरण किया गया।

1984 के नरसंहार के आरोपियों से भला और क्या उम्मीद की जा सकती है।'' उधर, प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने आरोप लगाया कि खालसा महाविद्यालय में कमलनाथ के जाने के बाद हुआ घटनाक्रम भाजपा के कुछ लोगों द्वारा प्रायोजित'' है। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों में कमलनाथ की भूमिका को लेकर भाजपा की ओर से अक्सर लगाए जाने वाले आरोपों को पूरी तरह निराधार करार दिया और कहा, ''इन दंगों के बाद कमलनाथ ने पांच बार लोकसभा चुनाव जीते हैं।

यह बात कमलनाथ के खिलाफ नरोत्तम मिश्रा के आरोपों को खत्म करने के लिए बड़ा प्रमाण है।'' कांग्रेस नेता मिश्रा ने कमलनाथ का बचाव करते हुए यह भी कहा कि गुरु नानक के दरबार में मत्था टेकना हर भारतीय का हक है और गुरु नानक जयंती के कार्यक्रम में कमलनाथ के पहुंचने पर स्थानीय सिख समुदाय ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी।

दैनिक पंचांग

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - 18-33 तक उपरान्त, तृतीया
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , गुरुवार 10 Nov
नक्षत्र - रोहिणी - 05 - 07 - राततक उपरान्त,मृगशिरा
योग - परिघ -21 - 11 - तक उप- शिव
करण- गर - 18 - 33 - तक,उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गृहणवेध दिन

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	कन्या...	02-35 बजे
चंद्र-	वृष में	तुला-	04-41 बजे
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	06-51 बजे
बुध-	तुला में	धनु---	09-04 बजे
गुरु-	मीन में	मकर-	11-10 बजे
शुक्र-	तुला में	कुंभ-	13-01 बजे
शनि-	मकर में	मीन...	14-39 बजे
राहु-	मेष में	मेष--	16-15 बजे
केतु-	तुला में	वृष--	18-00 बजे
		मिथुन..	20-01 बजे
		कर्क...	22-12 बजे
		सिंह...	00-25 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
13:25 से 14:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:22 - 07:45	शुभ	अमृत.	17:40 - 19:15	शुभ
रोग	07:45 - 09:10	अशुभ	चंचल.	19:15 - 20:50	शुभ
उत्पात	09:10 - 10:35	अशुभ	रोग	20:50 - 22:25	अशुभ
चंचल	10:35 - 11:59	शुभ	काल	22:25 - 00:00	अशुभ
लाभ	11:59 - 13:25	शुभ	लाभ.	00:00 - 01:35	शुभ
अमृत	13:25 - 14:50	शुभ	उत्पात	01:35 - 03:10	अशुभ
काल	14:50 - 16:15	अशुभ	शुभ	03:10 - 04:45	शुभ
शुभ	16:15 - 17:38	शुभ	अमृत	04:45 - 06:22	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे।आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं।आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है। बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें।किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें।किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी।आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं।जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे।समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी।कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा।कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है।आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं।आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं। अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें। बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे।खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे।दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है।हालाँकि,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें।क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे,यह भावना काफी सामान्य है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
।आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे।आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं।अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें।अब फिजूलखर्ची से बचना होगा।आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है,इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा।कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा।आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे। बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें।आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इसी समय आप अपने घर का नवीकरण,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं। हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी को दे सकती है टिकट

अहमदाबाद, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा को गुजरात विधानसभा चुनाव का टिकट दे सकती है. पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की आज बैठक होनी है. जिसमें उम्मीदवार तय करने का फैसला किया जाएगा. सूत्रों के अनुसार रीवाबा जडेजा को भाजपा मैदान में उतार सकती है. रिवाबा जडेजा लगभग तीन साल से भाजपा के साथ हैं. साल 2016 में रिवाबा ने जडेजा से शादी की थी.

सूत्रों ने कहा कि हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर भाजपा के उम्मीदवारों में शामिल होंगे, जबकि बड़ी संख्या में मौजूदा विधायक इस बार सूची में नहीं होंगे.बता दें भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए शाम को बैठक करेगी. इस समिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं. भाजपा का गुजरात में लगातार सातवीं बार जीत दर्ज करने का लक्ष्य है. गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को होगा. सूत्रों ने बताया कि भाजपा बैठक के दौरान सभी 183 उम्मीदवारों के नाम तय कर सकती है और अगले कुछ दिनों में सूची जारी कर सकती है.

भारतीय सीमा में घुस रहा था पाक ड्रोन, बीएसएफ ने किया ढेर

फिरोजपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है. जानकारी के अनुसार बीएसएफ ने कल रात 11:25 पर पाकिस्तान की ओर से भारतीय इलाके गंडू इलाके में घुसपैठ कर रहे संदिग्ध ड्रोन को मारा गिराया. बीएसएफ ने देखा कि ड्रोन भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहा है. जिसके बाद तुरंत फायरिंग करते हुए ड्रोन को गिरा दिया गया. वहीं सुबह होते ही तालाशी ली गई और इस दौरान पता चला की ये ड्रोन है. जांच में बीएसएफ ने पंजाब पुलिस की मदद भी ली. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि ड्रोन को फिरोजपुर सेक्टर में मंगलवार देर रात करीब 11 बजकर 25 मिनट पर मार गिराया गया. उन्होंने बताया कि बीएसएफ और स्थानीय पुलिस के एक संयुक्त दल ने बुधवार सुबह ड्रोन बरामद किया.

पिछले 10 महीनों में पाकिस्तान सीमा से करीब 200 ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं सामने आ चुकी हैं. बीएसएफ के आंकड़ों के अनुसार इस साल की शुरूआत यानी 1 जनवरी 2022 से लेकर अबतक पंजाब सीमा से 172 बार ड्रोन से घुसपैठ की घटनाएं सामने आईं है. वहीं जम्मू से सटी सीमा पर 20 से ज्यादा ऐसी घटनांए देखी गई हैं.

पत्नी से हैवानियत: पीट कर प्राइवेट पार्ट में डाल दिया सरिया, चरित्र पर करता था शंका

इंदौर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर के समीप मानपुर थाना इलाके में पति द्वारा अपनी पत्नी पर चरित्र शंका की वजह से उसके साथ हैवानियत करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मारपीट के बाद पति ने पत्नी के गुप्तांग में सरिया डाल दिया। आरोपी पति इतने पर ही नहीं माना इसके बाद भी वो पागलों की तरह उसकी पिटाई करता रहा। महिला को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। जहां पुलिस को दिए बयान के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच अधिकारी सारिका रावत के अनुसार, मजदूरी करने वाले ज्ञान सिंह गिरवाल की पत्नी सुनीता घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। जैसे ही सुनीता घर पर लौटी तब गुस्से से लाल उसका पति उस पर सरिये से वार करने लगा। आरोपी यही नहीं माना। वह इतने अधिक गुस्से में था कि उसने अपने पत्नी के गुप्तांग में सरिया डाल दिया। जिसके बाद गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया। वहीं पत्नी सुनीता द्वारा दिए गए बयान के आधार पर आरोपी ज्ञान सिंह के खिलाफ धारा 307 में प्रकरण दर्ज किया गया है और आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। महिला ने पुलिस को बताया है कि उनके पति ज्ञान सिंह गिरावल शराब पीने का आदी है,

बीजेपी से धामनगर सीट हारने के बाद सतर्क हुई नवीन पटनायक सरकार

पद्मपुर सीट बचाने के लिए बदलेगी रणनीति

बारगढ़, 9 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) बारगढ़ जिले की पद्मपुर विधानसभा सीट पर पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार के चयन की अपनी रणनीति तथा मानदंड बदलने पर विचार कर रही है। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी यह कदम ऐसे वक्त में उठा रही है जब हाल में संपन्न धामनगर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत दर्ज की है। बीजद ने 2009 के बाद से सभी उपचुनाव जीते हैं लेकिन उसे भद्रक जिले में धामनगर उपचुनाव में भाजपा से हार का सामना करना पड़ा। बीजद सूत्रों ने बताया कि पार्टी धामनगर में अपने अनुभव के आधार पर पद्मपुर विधानसभा उपचुनाव में राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के नेताओं पर विश्वास करेगी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि भाजपा धामनगर के लोगों के बीच सफलापूर्वक ऐसी छवि बना पायी कि पड़ोसी जाजपुर जिले के नेता उपचुनाव के लिए फैसले ले रहे हैं जबकि स्थानीय नेताओं को नजरअंदाज किया गया है।

वरिष्ठ नेताओं को सौंपी कमान

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भावना को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने इस बार

पद्मपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए पश्चिमी ओडिशा के वरिष्ठ नेताओं को कमान सौंपी है। क्षेत्र के वरिष्ठ नेता प्रसन्न आचार्य पद्मपुर में चुनाव प्रचार अभियान और चुनावी प्रबंधन देखेंगे जबकि पूर्व मंत्री सुशांत सिंह को भी उनके संगठनात्मक कौशल को देखते हुए बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा तीन वरिष्ठ मंत्रियों को पद्मपुर विधानसभा क्षेत्र का एक-एक ब्लॉक आवंटित किया गया है। वित्त मंत्री निरंजन पुजारी पद्मपुर ब्लॉक जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नव किशोर दास को पैकामल ब्लॉक तथा योजना मंत्री राजेंद्र ढोलकिया को झरीबांध ब्लॉक दिया गया है।

चुनावी दौड़ में चार लोग शामिल

बीजद के पश्चिम ओडिशा से प्रमुख चेहरों जैसे कि महिला एवं बाल विकास मंत्री तुकुनी साहू, विधायक देबेश आचार्य, पूर्व मंत्री स्नेहांगिनी छुरिया, मंत्री रीता साहू, विधायक सरोज मेहर और पुष्पेंद्र सिंह देव को जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए प्रचार करने के लिए कहा गया है। पद्मपुर में बीजद के मौजूदा विधायक बिजय रंजन सिंह बारिहा का तीन अक्टूबर 2022 को निधन होने के कारण उपचुनाव कराना पड़ रहा है। बीजद के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए बारिहा की पत्नी तिलोत्तमा सिंह के अलावा कम से कम चार स्थानीय नेता दौड़ में हैं।

एमपी में किया 10 करोड़ के दुर्लभ सांप का रेस्क्यू घर में घुसकर बैठा था जीव

भोपाल, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में एक अनोखे सांप का रेस्क्यू किया गया है। यह सांप खेत में बने किसान के मकान में घुस आया था। यह कोई साधारण सांप नहीं है बल्कि इस सांप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 करोड़ रुपए है। इसे दोमुंहा या दो मुंह वाला सांप भी बोला जाता है। बताया जा रहा है कि रेस्क्यू करने के बाद सांप को सुरक्षित स्थान में छोड़ दिया गया है। यह सांप छिंदवाड़ा के पांढुर्ना तहसील के ग्राम लहरा में मिला है। गांव से बाहर खेत में बने मकान में किसान परिवार रहता है। और इस परिवार के सदस्यों ने मंगलवार दोपहर कमरे में दोमुंह वाले सांप को देखा। वहीं घर के सदस्य इसे देख डर गए। जिसके बाद सांप को मारने की जगह इन लोगों ने उसे पकड़वाने का सोचा। फिर इलाके के फेमस स्नैक कैचर संभारे को इसके बारे में जानकारी दी। और कुछ ही समय बाद संभारे अपनी टीम के साथ बताई गई जगह पहुंचे। वहां उन्होंने घर के कमरे में सांप को रेंगते देखा। जानकारी के अनुसार चार फीट छह इंच लंबे सांप को बड़ी ही सावधानी के साथ रेस्क्यू किया गया।

हिमाचल के बागी कृपाल परमार जो 'पीएम के कॉल' से भी नहीं माने, अब निर्दलीय उम्मीदवार बने

फतेहपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बागियों का मुद्दा चर्चा में है। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी को मुश्किल से उबारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मैदान में उतर गए हैं। हाल में में एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कथित तौर पर पीएम पहाड़ी राज्य के एक बागी को समझा रहे थे। हालांकि, इस वीडियो की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है और न ही प्रधानमंत्री कार्यालय से इसपर टिप्पणी की गई है। भाजपा के पूर्व सांसद कृपाल परमार फतेहपुर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। खबर है कि वह फतेहपुर उपचुनाव में नहीं उतारे जाने के बाद से ही पार्टी से नाराज चल रहे थे। साथ ही वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा पर भी सवाल उठा रहे हैं।

4 सप्ताह, 4 दुर्घटनाएं

ऐसा रहा वंदे भारत एक्सप्रेस का अक्टूबर का सफर

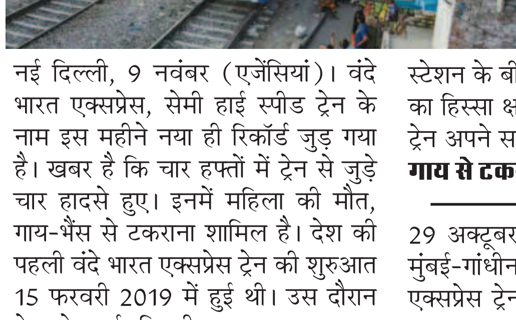

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। वंदे भारत एक्सप्रेस, सेमी हाई स्पीड ट्रेन के नाम इस महीने नया ही रिकॉर्ड जुड़ गया है। खबर है कि चार हफ्तों में ट्रेन से जुड़े चार हादसे हुए। इनमें महिला की मौत, गाय-भैंस से टकराना शामिल है। देश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत 15 फरवरी 2019 में हुई थी। उस दौरान ट्रेन के नई दिल्ली-कानपुर-इलाहबाद-वाराणसी रूट पर हरी झंडी दिखाई गई थी।

गुजरात के आणंद में महिला की मौत

ताजा मामला गुजरात का है। यहां मंगलवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 54 वर्षीय महिला की मौत हो गई है। महिला की पहचान अहमदाबाद की रहने वाली बीट्रिस आर्चिबाल्ड पीटर के तौर पर हुई है। घटना के वक्त ट्रेन मुंबई मध्य की ओर बढ़ रही थी। पीटर आणंद रेलवे स्टेशन के पास पटरी पार कर रही थीं।

भैंसों से टकराई रेल

गांधीनगर की ओर बढ़ते हुए ट्रेन भैंसों के एक झुंड से टकरा गई थी। वह हादसा गैरतपुर और वातवा रेलवे स्टेशन के बीच हुई था और इंजन का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। हालांकि, ट्रेन अपने समय पर मंजिल पर पहुंची थी।

गाय से टकराई

29 अक्टूबर को सुबह करीब 8.30 बजे मुंबई-गांधीनगर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से गाय टकरा गई थी। वह घटना गुजरात के वलसाड में अतुल रेलवे स्टेशन पर हुई थी। 7 अक्टूबर को भी ट्रेन से एक गाय आणंद के पास टकरा गई थी।

पहिया जाम

धनकौर और वैर रेलवे स्टेशन के बीच अक्टूबर में ही पहिया जाम हो गया था। खबरें थी कि ट्रेन को एक कोच में मौजूद ट्रैक्शन मोटर में बीयरिंग डिफेक्ट का सामना करना पड़ा था।

बुरे फंसे मुरुघ मठ के प्रमुख: बेडरूम में ड्रग्स

बच्चियों से दुष्कर्म... पुलिस की चार्जशीट में कई बड़े खुलासे

बेंगलुरु, 9 नवंबर (एजेंसियां)। दुष्कर्म मामले में जेल में बंद मुरुघ मठ के प्रमुख शिवमूर्ति मुरुघ शरणारू की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने बाबा के खिलाफ 694 पन्नों का चार्जशीट तैयार कियाजिसे अदालत को 27 अक्तूबर को सौंप दिया गया था। इस चार्जशीट में जो खुलासे हुए हैं वे हैरान करने वाले हैं। पुलिस के अनुसार शरणारू के बेडरूम तक ड्रग्स, शराब और नशीले पदार्थ सप्लाई किए जाते थे। इसके अलावा बेडरूम में नाबालिग लड़कियों को भेजा जाता था। बता दें कि दो नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के आरोप में मठ प्रमुख को एक सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। छात्राओं को फल और चौकलेट में नशे की गोलियां मिलाकर दी जाती

थीं ओडानाडी एनजीओ के निदेशक स्टैनली के अनुसार मठ द्वारा संचालित अक्का महादेवी छात्रावास की वार्डन रश्मि नाबालिग छात्राओं को रात 8 बजे के बाद बाबा के कमरे में भेजती थी, जहां पहले बाबा ने नाबालिग छात्रा को अनुचित तरीके से छूआ। इसके बाद छात्राओं ने विरोध किया तो बाबा ने उन्हें नशे से भरे हुए सेब और चौकलेट खाने के लिए दिए जिसके बाद ये छात्राएं बेहोश हो जाती थीं। फिर कथित तौर पर उनके साथ दुष्कर्म करते थे। सुबह जब ये पुनः छात्रावास जाती थीं तो इनकी नींद उड़ जाती थी। छात्राओं के शरीर के विभिन्न हिस्सों और निजी अंगों में तेज दर्द होता था।

छात्राओं के इनकार करने पर श्राप देने की देते थे धमकी

एसपी ने कहा कि खुद को भगवान का अवतार बताते हुए संत छात्राओं की सेवा करने से मना करने पर उन्हें शाप देने की धमकी देते थे। उसने उनसे कहा कि उसका श्राप उन्हें और उनके परिवारों को नष्ट कर देगा।

चार्जशीट में रहस्यमय परिस्थिति में छात्रा की मौत का भी जिक्र

एनजीओ के निदेशक स्टेनली ने कहा कि चार्जशीट में कर्नाटक-आंध्र प्रदेश सीमा पर रेलवे ट्रैक पर रहस्यमय परिस्थितियों में एक लड़की की मौत के संदेह का भी उल्लेख किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले हॉस्टल की रहने वाली लड़की को मठ से दूर भेज दिया गया था।लड़की के पिता नेत्रहीन थे, इसलिए वह छात्रावास में रहती थी। अगर मठ लड़की की देखभाल नहीं कर सकता, तो उसे बाहर नहीं भेजा जा सकता। प्रक्रिया का पालन किए बिना उसे घर भेज दिया गया और सीडब्ल्यूसी ने उल्लंघन को चिह्नित नहीं किया। इसकी जांच की जरूरत है। चित्रदुर्ग पुलिस ने कहा कि लड़की की मौत को अप्राकृतिक के रूप में दर्ज किया गया था और मामले को रेलवे पुलिस ने बंद कर दिया था। हमने पाया कि हिंदूपुर रेलवे पुलिस में एक यूडीआर दर्ज था, जिसमें कहा गया था कि एक लड़की ट्रेन से गिर गई और उसकी मौत हो गई। जांच के बाद, यह एक आकस्मिक मृत्यु पाई गई और मामला बंद कर दिया गया।

सरकार संभाल सकती है मुरुघ मठ की बागडोर

सरकार मुरुघ मठ की बागडोर संभालने की योजना बना रही है। राज्य प्रशासक नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। शिवमूर्ति मुरुघ शरणारू को मठ के प्रमुख के पद से हटाने के बढ़ते दबाव के बीच मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हमने डीसी से एक रिपोर्ट मांगी है, रिपोर्ट को देखने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 10 नवंबर, 2022

दुनिया के लिए चुनौती बनती महंगाई

विकसित मुल्कों की तुलना में भारत में अभी भी महंगाई की दर नियंत्रण में है और इससे बड़े आर्थिक संकट का अंदेशा नहीं है। फिर भी यह आर्थिक चिंता का सबब इसलिए है क्योंकि महंगाई खुद ब खुद नियंत्रण में नहीं आती है और जब इसे नियंत्रित करने के प्रयास किए जाते हैं तो उससे आर्थिक विकास प्रभावित होता है।

आरबीआइ लंबे समय से महंगाई दर को काबू करने में लगा है। इस दिशा में अब तक के प्रयासों और नतीजों को लेकर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) जल्द ही सरकार को अपनी रिपोर्ट देने की तैयारी में है। बीते दिनों रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस बात को माना कि महंगाई को नियंत्रित करना मुश्किल काम है क्योंकि इसके साथ ही आर्थिक वृद्धि दर का भी ध्यान रखना होता है।

उन्होंने महंगाई और आर्थिक वृद्धि दर की तुलना महाभारत में अर्जुन द्वारा मछली की आंख पर निशाना लगाने जैसी स्थिति से की, जब अर्जुन को नीचे पानी में मछली की परछाई को देख कर ऊपर उसकी आंख पर निशाना लगाना था। इस बात से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भारत का केंद्रीय बैंक बढ़ती महंगाई से परेशान है, क्योंकि इसका असर आर्थिक विकास दर पर भी पड़ रहा है।

हालांकि आरबीआइ ने इस आर्थिक संकट का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए चालू वित्त वर्ष में अब तक चार बार रेपो दर बढ़ाई है, ताकि तरलता को कम किया जा सके। वर्तमान समय में रेपो दर 5.90 प्रतिशत है। अरसे बाद रेपो रेट इतनी ज्यादा है। यह भी संभव है कि भारतीय उपभोक्ताओं को आर्थिक निवेश के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए आने वाले कुछ समय में बैंकों की ब्याज दरों में भी बढ़ोतरी देखने को मिले। ब्याज दर में बढ़ोतरी के माध्यम से अमेरिकन फेड द्वारा लगातार की जा रही ब्याज दर में वृद्धि को भी साधा जा सकता है क्योंकि भारतीय रुपया लगातार कमजोर होता जा रहा है और नतीजतन भारत का आयात बिल बढ़ रहा है जो महंगाई बढ़ाने का एक प्रत्यक्ष कारण है।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 से भारतीय अर्थव्यवस्था में महंगाई की दर को पूर्वानुमानित करना और उसे एक आर्थिक संकट न बनने देने के लिए आरबीआइ अधिनियम में परिवर्तन करके 'मौद्रिक नीति समिति' का गठन किया गया था और इसके माध्यम से रिजर्व बैंक को और सशक्त बनाया गया। इससे पूर्व केंद्रीय बैंक महंगाई के पूर्वानुमान और उसके नियंत्रण के संबंध में इतना खुल कर कार्य नहीं करता रहा था। इस मौद्रिक नीति समिति की स्थापना के प्रावधानों में इस बात का जिक्र है कि आरबीआइ को भारत में महंगाई दर चार प्रतिशत पर नियंत्रित रखना है।

हालांकि विभिन्न वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के चलते इस दर में दो प्रतिशत की कमी या वृद्धि को स्वीकार किया जा सकता है, यानी महंगाई दर दो से छह फीसद के बीच ही रहनी चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौद्रिक नीति समिति के गठन के बाद से रिजर्व बैंक ने महंगाई को नियंत्रित करने को लेकर संतोषजनक काम किया है।

आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि अक्तूबर 2016 से दिसंबर 2019 तक भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर महंगाई की दर चार प्रतिशत से कम रही है, लेकिन उसके बाद से लेकर अब तक महंगाई दर लगातार बढ़ती रही है। हालांकि इसमें कोरोना महामारी का कठिन समय भी शामिल रहा है। अब काफी समय से भारत में महंगाई दर सात प्रतिशत से अधिक है।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि विकसित मुल्कों की तुलना में भारत में अभी भी महंगाई की दर नियंत्रण में है और इससे आर्थिक संकट का अंदेशा नहीं है। फिर भी यह आर्थिक चिंता का सबब इसलिए है क्योंकि महंगाई खुद ब खुद नियंत्रण में नहीं आती है और जब इसे नियंत्रित करने के प्रयास किए जाते हैं तो उससे आर्थिक विकास प्रभावित होता है। भारत के लिए यह स्थिति बहुत नकारात्मक है क्योंकि इससे भारत की बढ़ती आर्थिक विकास दर के सटीक पूर्वानुमानों पर एक प्रश्न चिन्ह खड़ा हो जाएगा।

मौद्रिक नीति समिति के गठन की आवश्यकता इसलिए भी रही थी क्योंकि बीते वर्षों में भारत में महंगाई की दर दो अंकों में चली गई थी। इस संदर्भ में सरकार व सभी आर्थिक विशेषज्ञों ने इस बात को समझा कि भारत में भी विकसित मुल्कों के जैसे महंगाई दर को एक निश्चित स्तर पर नियंत्रित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इसी संदर्भ में 2016 के आरबीआइ अधिनियम के संशोधनों में इस बात का जिक्र भी किया गया कि अगर किसी भी वित्तीय वर्ष में लगातार तीन तिमाहियों तक महंगाई दर अपने निर्धारित स्तर से ऊपर चली जाती है तो मौद्रिक नीति समिति को इस पक्ष पर अपना एक आर्थिक विश्लेषण और रिपोर्ट भारत सरकार को प्रस्तुत करनी होगी। ज्ञात रहे कि वर्तमान समय में लगातार पिछली तीन तिमाहियों में महंगाई की दर सात प्रतिशत के आंकड़े से ऊपर रही है और शायद इसी कारण अब आरबीआइ में घबराहट पैदा हुई है। महंगाई क्यों नहीं रुक पा रही है, यह आरबीआइ को सरकार को बताना होगा।

यहां यह गौर करना भी जरूरी है कि कोरोना महामारी के बाद से दुनिया के सभी बड़े विकसित देश महंगाई की मार से जूझ रहे हैं। अभी बीते दिनों इंग्लैंड के प्रधानमंत्री का इस्तीफा भी आर्थिक मुद्दों पर ही हुआ। अमेरिका में भी महंगाई ने पिछले पचास वर्षों के रेकार्ड तोड़ डाले हैं। इसी कारण अमेरिकी फेड लगातार ब्याज दरें बढ़ा रहा है ताकि डॉलर अधिक मजबूत हो सके और अमेरिकी निवेशक और अधिक प्रोत्साहित हों। अन्य विकसित मुल्कों जिनमें अर्जेंटीना, नीदरलैंड, रूस, इटली, जर्मनी में महंगाई दर दस प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है।

यह भी एक वास्तविकता है कि महंगाई की दर के पीछे वर्तमान समय में मुख्य भूमिका खाद्य पदार्थों की पूर्ति में कमी को लेकर है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इसमें आग में घी का काम किया है। इसके चलते अनाज, खाद्य पदार्थों और तेल के उत्पादन और आपूर्ति पर भारी असर पड़ा है।

कच्चे तेल के बढ़ते दाम हर मुल्क के आयात बिल को बढ़ा रहे हैं। इससे घरेलू बाजार में प्रत्यक्ष तौर पर महंगाई की दर बढ़ रही है। इन सबके बीच अमेरिकन डालर का लगातार मजबूत होना भी कई देशों के लिए महंगा साबित हो रहा है। इसीलिए अर्थशास्त्री चेता रहे हैं कि अमेरिकी नीतियों के चलते संपूर्ण विश्व मंदी की चपेट में आ सकता है।

महंगाई की समस्या के चलते विकसित देशों के आर्थिक विशेषज्ञों में इस बात की चर्चा है कि महंगाई को नियंत्रित करने से संबंधित कानून होना चाहिए और उसके आर्थिक प्रावधानों को सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष के वित्तीय बजट में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इन प्रावधानों में महंगाई से होने वाले वित्तीय घाटे की पूर्ति के लिए सरकारें स्वयं अर्थव्यवस्था में वित्तीय निवेश करें, देश के उच्च धनाढ्य वर्ग से अधिक कर वसूला जाए, घरेलू व देशी कंपनियों को अधिक से अधिक निर्माण के क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाए और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक राजनय के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं के आयात बिल को नियंत्रित किया जाए।

यह बात भी सच है कि एक आम व्यक्ति महंगाई से तब ही प्रभावित होता है जब उसकी वित्तीय आय और निवेश बढ़ती महंगाई से कम होने लग जाते हैं। बीते दिनों त्योहारों के मौसम में भारतीय उपभोक्ताओं ने जम कर खरीदारी की, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उपभोक्ता शायद अभी महंगाई की दर से परेशान नहीं हैं। शायद अभी महंगाई की दर सिर्फ एक आंकड़ा है, पर उपभोक्ताओं को यह समझना होगा कि सरकारों के पास महंगाई को नियंत्रित करने के लिए उनकी क्रय क्षमता को नियंत्रित करना ही एकमात्र हथियार है। अंततः नकारात्मक प्रभाव आर्थिक वृद्धि दर पर पड़ता है और इसीलिए महंगाई के संदर्भ में हमेशा यह कहा जाता है कि आज अगर महंगाई का समय है तो आने वाले कल मंदी का होगा।

ट्रंप फिर लड सकते हैं चुनाव!

दुनिया भर के करेंसी को झकझोर देने वाला अमेरिका भी इन दिनों बहुत तेजी से मंदी की ओर बढ़ रहा है। हालात यहां तक बिगड गए हैं कि बढ़ती महंगाई दर पर काबू पाने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। जाहिर है ऐसे हालात में लोग अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को याद कर रहे हैं, जिसके नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के भी संकेत मिलने लगे हैं जो कई वजहों से महत्वपूर्ण भी माना जा रहा है। डॉनल्ड ट्रंप जल्द ही एक बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं। ज्यादा उम्मीद की जा रही है कि वे 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान कर दें। ट्रंप की यह घोषणा अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के लिए होने जा रही वोटिंग के एक दिन पहले आई है। महत्वपूर्ण तो यह है कि इन चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत हासिल होने की संभावना भी जताई जा रही है। अगर ऐसा संभव हुआ तो जो दो साल के बचे हुए कार्यकाल में विधायिका की ताकत बाइडन के साथ नहीं होगी। मंदी पर काबू न पाने की वजह से डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए बुरी खबर यही है कि बाइडन की लोकप्रियता में गिरावट आई है। एक ओर तो अमेरिका मंदी की ओर बढ़ रहा है और दूसरी ओर महंगाई दर को काबू में करने के कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। इससे वहां लोगों की जिंदगी दुश्वार होती जा रही है। इन हालात में ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के संकेत को कई और वजहों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका ही नहीं, दुनिया के प्रमुख लोकतांत्रिक देशों का हालिया इतिहास देखा जाए तो ट्रंप संभवतः इकलौते राष्ट्रपति रहे हैं, जिन्होंने चुनाव में पराजित होने और पद छोड़ने के दो साल बाद तक हार नहीं मानी है। आज जब वह अगला चुनाव लड़ने का संकेत दे रहे हैं, तब भी उन्होंने पिछले चुनाव के नतीजों को औपचारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। दूसरी बात यह कि जब उन्होंने राष्ट्रपति भवन खाली किया था तो उस समय कई सीक्रेट फाइल्स अपने साथ ले गए थे। इसके अलावा भी उन पर कई गंभीर आरोप हैं, जिनकी फेडरल एजेंसियां जांच कर रही हैं। 6 जनवरी 2020 को कैपिटल हिल (संसद भवन) पर हुए हमले की जांच कर रही हाउस कमेटी ने भी उन्हें समन भेजा है। उन्हें 14 नवंबर को अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। बता दें कि ट्रंप ने अपने 'बड़े एलान' की तारीख इसके अगले दिन यानी 15 नवंबर तय की है। साफ है कि ट्रंप की इस घोषणा को एक लोकतांत्रिक देश में सर्वोच्च पद के किसी भी सामान्य उम्मीदवार द्वारा किए जाने वाले एलान की तरह नहीं लिया जा सकता। मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन बार-बार इस बात को रेखांकित कर रहे हैं कि 'हमारा लोकतंत्र खतरे में है।' लेकिन अमेरिकी पब्लिक के लिए अभी बड़ा मुद्दा आर्थिक मुश्किलें और बढ़ती महंगाई है, जिनसे जल्द राहत मिलने के संकेत भी नहीं दिख रहे। जाहिर है कि हाल-फिलहाल बाइडन सरकार की दिक्कतें निकट भविष्य में कम होने वाली नहीं है। दूसरी ओर, पिछले राष्ट्रपति चुनावों के बाद रिपब्लिकन पार्टी ने ट्रंपवाद को जोरशोर से दौडा रहे है, जिसकी अपील उसके समर्थकों के बीच बनी हुई है। बहरहाल, ट्रंप के लिए अगले राष्ट्रपति चुनावों के लिहाज से भले ही अच्छी खबर हो, लेकिन अमेरिकी लोकतंत्र के लिए कदापि नहीं। इससे दुनिया भर के लोकतंत्र भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

सिंधु के नाम पर हिंदू कहलाए

नेताओं में होड़ मची है। बोलना है इसलिए कुछ भी बोले जा रहे हैं। उनका उद्देश्य कंट्रोवर्सी में आना मात्र है। ताकि हाईकमान तक उनका नाम पहुंच सके। यह अंधी दौड़ है। नई पीढ़ी के लिए इसमें सीखने जैसा कुछ नहीं है। नेताओं को वह करना चाहिए, जिसका सकारात्मक अनुसरण हो सके। नकारात्मक नहीं।

नेताओं के अपशब्दों और बड़बोलेपन के वैसे तो कई उदाहरण हैं, लेकिन ताजा वाकिया कर्नाटक के कांग्रेस अध्यक्ष सतीश जारकीहोली का है। उन्होंने कहा- हिंदू शब्द कहां से आया? भारत से इसका क्या रिश्ता है? हिंदू शब्द के मायने पता चलेंगे तो आपको शर्म आ जाएगी! शर्म जैसी तो कोई बात है नहीं। हो सकता है कांग्रेस नेता को ऐसा लगता हो! सही है, धर्म सनातन है और इसे मानने वाले हम सब सनातनी। हिंदू भौगोलिक नाम है। जो क्षेत्र, एरिया की पहचान ज्यादा कराता है। दरअसल हमारे देश के बदलते नाम का रोचक इतिहास है।

महाराज भरत ने इस क्षेत्र का संपूर्ण विस्तार किया था, इसलिए उन्हीं के नाम पर देश का नाम भारत पड़ा। हालांकि इस पर एकमत नहीं है, लेकिन कहा जाता है कि मध्य काल में जब तुर्क और ईरानी यहां आए तो उन्होंने सिंधु घाटी से यहां प्रवेश किया था। चूंकि वे स का उच्चारण ह करते थे, इसलिए सिंधु को वे हिंदू कहने लगे। उन्होंने यहां के निवासियों को हिंदू कहा और जहां हिंदू रहते थे, वह हिंदुस्तान हो गया। इसलिए आपने सुना होगा कि संघ या संघ प्रमुख मोहन भागवत जब-तब कहते रहते हैं कि जो हिंदुस्तान में रहता है वह हिंदू है। इस मान से वे एकदम सही हैं, क्योंकि इस इलाके में जहां हमारा देश बसा हुआ है, वहां रहने वाला हर व्यक्ति हिंदू ही कहलाया। चूंकि यहां बहुतायत में सनातनी ही रहते थे, इसलिए हिंदू शब्द उनसे ही जुड़ गया और कालांतर में वह धर्म से भी जुड़ गया।

वैसे सनातन धर्म की पहचान ही यही है कि वह बहुत विस्तारित है और हर चीज को बहुत नम्रता तथा आसानी से स्वीकार करता है। इसीलिए मुण्डक उपनिषद् में कहा गया है कि सनातनियों का ईश्वर जगत बना भी सकता है और जगत बन भी सकता है। राम और कृष्ण की तरह अवतार भी ले सकता है।

यानी सनातनियों को जैसा ईश्वर सुलभ है वैसा विश्व के किसी भी दूसरे ईश्वरवादी को सुलभ नहीं है। उदाहरण अनुसार सनातनियों को तीनों तरह के ईश्वर सुलभ हैं- निर्गुण-निराकार भी, सगुण-निराकार भी और सगुण-साकार भी। खैर, बात सिंधु और हिंदू की चल रही है। इसी से ताल्लुक इंडस और इंडिया का भी है। सिंधु का दूसरा नाम इंडस भी था और लैटिन भाषा में इंडस को इंडिया कहा गया, इसलिए अंग्रेजों ने हिंदुस्तान को इंडिया कहना शुरू कर दिया। यही नहीं संविधान सभा में एक बार यह बहस भी हुई कि भारत और इंडिया दोनों नाम चलाए जाएं या नहीं। कई सदस्य इस मत के थे कि इंडिया नाम हटा देना चाहिए। देश का नाम केवल और केवल भारत ही रहने देना चाहिए। लेकिन सहमति नहीं बन पाई और दोनों नाम ही जारी रहे।

कर्नाटक के कांग्रेस अध्यक्ष को हिंदू शब्द में क्या बुराई दिखाई देती है, यह बात समझ से परे है। राजनीतिक रूप से बात की जाए तो कांग्रेस पार्टी के लोग ही कांग्रेस को लगातार नीचे ले जाने पर तुले हैं।

अब कर्नाटक के कांग्रेस अध्यक्ष को हिंदू शब्द में क्या बुराई दिखाई देती है, यह बात समझ से परे है। राजनीतिक रूप से बात की जाए तो कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस को लगातार नीचे ले जाने पर तुले हैं। वे दूसरी पार्टियों का विरोध करने के चक्कर में अपना और अपनी पार्टी का ही नुकसान करने लगते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन ही विकल्प

विगत अक्टूबर माह में भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की सर्वाधिक मासिक बिक्री देखी गई। इतना ही नहीं, तमाम इलेक्ट्रिक वाहनों का मासिक रजिस्ट्रेशन भी एक लाख के आंकड़े को पार कर गया। अक्टूबर 2021 के आंकड़ों से तुलना करें तो यह 190 प्रतिशत की बढ़त है। घनी आबादी वाले शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना एक महत्वपूर्ण बदलाव है। ये आने वाले कल के वाहन कहलाते हैं, क्योंकि वे इको-फ्रेंडली हैं और उनके संचालन की लागत भी कम है। देश में पहला इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर 1996 में स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड द्वारा बनाया गया था और उसका नाम था- विक्रम साफा। भारत की पहली जानी-मानी इलेक्ट्रिक कार रेवा थी, जिसे 2001 में लॉन्च किया गया। तब से अब तक इलेक्ट्रिक वाहनों ने लम्बी यात्रा तय की है। आज दुनिया के तमाम बड़े मैन्युफेक्चरर्स जैसे टेस्ला, मर्सिडीज बेन्ज, ऑडी, हुंडई, महिंद्रा, शेवरोले, बीएमडब्ल्यू, रेनॉ अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन बना रहे हैं।

भारत सरकार ने दिसम्बर 2015 में फेम 1 और 2 की शुरुआत की थी। फेम यानी फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफेक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स। फेम के द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी निर्माण को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। देश के लगभग 16 राज्यों ने स्वयं की इलेक्ट्रिक वाहन नीतियां अपना ली हैं।

वर्तमान में देश में लगभग 934 चार्जिंग स्टेशन संचालित हैं। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के द्वारा इनकी संख्या बढ़ाई जा रही है। इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण के लिए हितकारी होते हैं, क्योंकि वे जीवाश्म-ईंधनों से नहीं चलते और लगभग शून्य कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वे शोर भी नहीं करते और उनके निर्माण की लागत भी कम रहती है। इसका कारण यह है कि जीवाश्म-ईंधन से संचालित होने वाले इंजिनों की तुलना में उनके इंजिन में कम्पोनेंट्स की संख्या तुलनात्मक रूप से कम होती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों का सबसे जरूरी और महंगा घटक उनकी बैटरी ही होती है। इनमें लिथियम, कोबाल्ट, मैगनीज, निकल जैसे पदार्थ होते हैं, जो महंगे हैं। इनका उत्पादन करने वाली फैक्टरियां गीगाफैक्टरीज कहलाती हैं, क्योंकि बैटरी आउटपुट को गीगावॉट ऑवर्स में मापा जाता है।

इस शब्द का उपयोग सबसे पहले एलन मस्क ने वर्ष 2013 के आसपास किया था। वे इसके माध्यम से इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कम्पनी टेस्ला के द्वारा बनाए जा रहे विशालकाय बैटरी उत्पादन संयंत्र को परिभाषित करना चाहते थे। परम्परागत रूप से उत्पादन एक सीधी रेखा में चलने वाली प्रक्रिया रहा है।

कच्चे माल से फिनिश्ड उत्पाद बनाए जाते हैं, जो अंततः उपभोक्ता के हाथ तक पहुंचते हैं। किसी उत्पाद का जीवन पूर्ण होने के बाद उसे नष्ट कर दिया जाता है। कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फुटवियर और हाल के सालों में मास्क और पीपीई किट्स ऐसी वस्तुओं के उदाहरण हैं, जिन्हें उपयोग के बाद डम्प कर दिया जाता है। लेकिन इस तरह के डिस्पोजल से अकसर ऐसे कूड़े की संख्या में बढ़ोतरी होती है, जो जैविक रूप से संघटित नहीं होता और प्रदूषण का कारण बनता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग और निर्माण की सर्कुलर प्रक्रिया उत्साहवर्धक है। दूसरे बड़े उद्योग भी इससे प्रेरणा लेकर निर्माण में रीसाइकलिंग और रीयूज़ की प्रणाली को अपनाने पर विचार कर सकते हैं।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में निर्माण कार्यों में उपयोग की जाने वाली सामग्री का मात्र 9 प्रतिशत से भी कम कच्चा माल फिर से उपयोग किया जाता है। लेकिन गीगाफैक्टरीज उपयोग की जा चुकी बैटरियों से अपने लिए नई बैटरियां बनाकर एक सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ रही हैं। यह आर्थिक रूप से तर्कसंगत है और पर्यावरण के लिए भी बहुत अच्छा है, क्योंकि इससे प्रदूषण फैलाने वाला कोई अवशिष्ट बाकी नहीं रह जाता।

भारत में कुछ बड़े बिजनेस घराने बैटरियों के उत्पादन के लिए पहले ही गीगाफैक्टरियों की स्थापना की दिशा में प्रयासरत हो चुके हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग और निर्माण की सर्कुलर प्रक्रिया एक उत्साहवर्धक संकेत है। दूसरे बड़े उद्योग भी इससे प्रेरणा लेकर निर्माण में रीसाइकलिंग और रीयूज़ की प्रणाली को अपनाने पर विचार कर सकते हैं।

गुरु ठनठनलाल हुए अपडेट

डॉ. सुरेश कुमार

गुरु ठनठनलाल ने चेले ढुलमुलदास से कहा – सुनो चेला! अब हमारे अपडेट होने का समय आ गया है। कब तक अधनंगे कपड़ों में अपना नंगापन दिखाते फिरेंगे। खुद को हाई-फाई करना होगा। नहीं तो हमारे चेले-चपाटे दूर हो जायेंगे।

चेले ने कहा – गुरु जी पहले कौन से लाख-दो लाख शिष्य थे जो उनके दूर हो जाने की चिंता कर रहे हैं। पहले भी मैं था, अब भी मैं हूँ। और जब तक बर्फीला तूफान आकर मुझे आपसे दूर नहीं कर देता तब भी मैं ही रहूँगा।

गुरु जी – चेला! हम तुम्हारी गुरुभक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए। नहीं तो हमारे आसपास ऐसे भी चेले हैं जो गुरु जी की अंगुली पकड़ देश के प्रधान बन जाते हैं। बाद में गुरु जी केवल हाथ मलते रह जाते हैं। ऐसा मलना टू इन वन होता है। देखने वालों को ईश वंदना सा प्रतीत होता है और स्वयं को पछतावे का।

चेला – वह तो ठीक है गुरु जी! आप अपडेट कैसे होंगे? आपके पास तो किताबें भी नहीं हैं?

गुरु जी – चेला! किताबें पढ़ने के दिन लद गए हैं। दुनिया भर की धूल उन्हीं पर लदी पड़ी है। कमाल की बात तो यह है कि शीशे की बंद अलमारियों में धूल का बोझा उठाते हुए उन्होंने वीरता बहादुरी पुरस्कार के लिए मोबाइल पाठकों को आवेदन किया है। वैसे उनकी आकांक्षा न्यायोचित है। किताबें छोड़ो। बाजार से वीएफएक्स ग्राफिक्स के दो तीन सीडी उठा लाओ। एक ब्लेजर और स्टाइलिश चश्मा भी।

चेला – यह सब क्यों गुरुजी? इससे क्या होगा? आपके पास वेदों का ज्ञान भी नहीं है।

गुरु जी – चेला! यह पुराण-वुराण का शुद्ध ज्ञान जल्दी लोगों को हजम नहीं होता। इसके साइड इफेक्ट बहुत होते हैं। इसलिए मैंने ट्रकों के ज्ञान से मोटिवेशनल गुरु बनने का विचार किया है।

चेला – ट्रकों से?

गुरु जी – हाँ चेला ट्रकों से! मैंने अपने जीवन के कई बरस ट्रकों के पीछे लिखी लाइनों को पढ़ने में लगा दिया। इस पर ऐसे-ऐसे वाक्य लिखे मिले कि हृदय झूम उठा। जन्म से लेकर मृत्यु तक, प्यार से लेकर दुश्मनी तक, कीड़े-मकौड़ों से लेकर भगवान तक, नैतिकता से लेकर अनैतिकता तक के सभी मोटिवेशनल लाइनें मेरे मन-मस्तिष्क पर अंकित हैं। इसमें ऐसे-ऐसे पंच होते हैं कि सामने वाले के चारों खाने चित्त हो जाते हैं।

चेला – गुरु जी! यह सब तो ठीक है। फिर ये वीएफएक्स, ब्लेजर और स्टाइलिश चश्मा क्यों? आप चाहें तो ऐसे ही मोटिवेशन गुरु बन सकते हैं।

गुरु जी – चेला! तुम निरा मूरख हो निरा मूरख। वीएफएक्स ग्राफिक्स मेरे पीठ के पीछे अलग-अलग तरह की रंगों और किरणों को दिखाएगा। मैं बैठे बिठाए लोगों की आँखों में धूल झोंक सकूँगा। यह दुनिया रंग और किसी न किसी किरण की कमी की मारी है। मैं उनकी कमी को अपनी ताकत बनाऊँगा। ब्लेजर से बहुत पढ़ा लिखा दिखूँगा। चश्मे से मेरी धूर्तता भरी आँखों को छिपाने में लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर थोखा देने में बाहरी दिखावे का भीतरी दिखावे से बड़ा हाथ होता है।

चेला – वाह! गुरु जी वाह! क्या आइडिया निकाला है। मैं आपके नक्शे कदम पर चलकर मोटिवेशन गुरु न सही फेंकू चेला तो बन ही जाऊँगा। मैं भी लोगों की भावना वाली बहती गंगा में हाथ-पैर न सही अंगुलियाँ डुबोना चाहता हूँ। आप अपना आशीर्वाद मुझ पर बनाए रखिए।

विलुप्त होते नैतिक मूल्य

संजीव ठाकुर

विलुप्त होते नैतिक मूल्य, पुरुष समाज की ज्यादति सिर्फ स्त्रियों पर ही क्यों1

अब नैतिक मूल्यों का क्षरण धीरे धीरे तेज होता जा रहा है1 धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं1 भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादति और अत्याचार की शिकार होती रहे। प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही है1 शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45% आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय समाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है 1 भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है1 वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन सी हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए।

श्रीकृष्ण के प्रिय माह मार्गशीर्ष में बाल गोपाल का रोज करें अभिषेक

हिन्दी पंचांग का नवां महीना मार्गशीर्ष यानी अगहन शुरू हो गया है। ये महीना 8 दिसंबर तक रहेगा। श्रीमद् भागवत में श्रीकृष्ण ने मार्गशीर्ष महीने को खुद का ही स्वरूप बताया है। इस वजह से ये महीना श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित है। पूरे महीना श्रीकृष्ण और उनके अलग-अलग स्वरूपों की पूजा इस महीने में करनी चाहिए। श्रीकृष्ण का प्रिय महीना है। पुराणों में लिखा है कि अगहन मास में व्रत-उपवास और विशेष पूजन करने से श्रीकृष्ण की कृपा मिलती है।

अगहन मास में भगवान श्रीकृष्ण के पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में दर्शन और पूजन करना चाहिए। अगर मंदिरों में दर्शन करने नहीं जा पा रहे हैं तो घर पर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप यानी बाल गोपाल की विशेष पूजा रोज करें। बाल गोपाल को तुलसी के साथ ही भोग लगाना चाहिए। भगवान के सामने घी का दीपक जलाकर कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जाप करें।

बाल गोपाल की पूजा में जरूरी चीजें

भगवान की मूर्ति को स्नान के लिए बर्तन, तांबे का लोटा, कलश, दूध, वस्त्र, आभूषण, चावल, कुमकुम, दीपक, तेल, रुई, धूपबत्ती, फूल, अष्टगंध, तुलसी, तिल, जनेऊ, फल, मिठाई, नारियल, पंचामृत, सूखे मेवे, माखन-मिश्री, पान, दक्षिणा।

ऐसे कर सकते हैं बाल गोपाल की पूजा

अगहन मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश पूजन करें। गणेश जी को स्नान कराएं। वस्त्र अर्पित करें। फूल चढ़ाएं। धूप-दीप जलाएं। चावल चढ़ाएं।

गणेश जी के बाद श्रीकृष्ण की पूजा शुरू करें। बाल गोपाल को स्नान कराएं। स्नान पहले शुद्ध जल से फिर पंचामृत से और फिर शुद्ध जल से कराएं। इसके बाद वस्त्र अर्पित करें।

फूलों से श्रृंगार करें। हार-फूल, फल मिठाई, जनेऊ, नारियल, पंचामृत, सूखे मेवे, पान, दक्षिणा और अन्य पूजन सामग्री चढ़ाएं। तिलक करें। धूप-दीप जलाएं। तुलसी के पत्ते डालकर माखन-मिश्री का भोग लगाएं। कृं कृष्णाय नमः, ऊँ नमो भगवते गोविन्दाय, ऊँ नमो भगवते नन्दपुत्राय या ऊँ कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाएं। आरती करें। आरती के बाद परिक्रमा करें। अंत में पूजा में हुई अनजानी भूल के लिए भगवान से क्षमा याचना करें। इसके बाद प्रसाद बांटें और और खुद भी ग्रहण करें।

अगहन मास में भगवान श्रीकृष्ण के पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में दर्शन और पूजन करना चाहिए। अगर मंदिरों में दर्शन करने नहीं जा पा रहे हैं तो घर पर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप यानी बाल गोपाल की विशेष पूजा रोज करें। बाल गोपाल को तुलसी के साथ ही भोग लगाना चाहिए। भगवान के सामने घी का दीपक जलाकर कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जाप करें।

बाल गोपाल की पूजा में जरूरी चीजें

भगवान की मूर्ति को स्नान के लिए बर्तन, तांबे का लोटा, कलश, दूध, वस्त्र, आभूषण, चावल, कुमकुम, दीपक, तेल, रुई, धूपबत्ती, फूल, अष्टगंध, तुलसी, तिल, जनेऊ, फल, मिठाई, नारियल, पंचामृत, सूखे मेवे, माखन-मिश्री, पान, दक्षिणा।

ऐसे कर सकते हैं बाल गोपाल की पूजा

अगहन मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश पूजन करें। गणेश जी को स्नान कराएं। वस्त्र अर्पित करें। फूल चढ़ाएं। धूप-दीप जलाएं। चावल चढ़ाएं।

गणेश जी के बाद श्रीकृष्ण की पूजा शुरू करें। बाल गोपाल को स्नान कराएं। स्नान पहले शुद्ध जल से फिर पंचामृत से और फिर शुद्ध जल से कराएं। इसके बाद वस्त्र अर्पित करें।

फूलों से श्रृंगार करें। हार-फूल, फल मिठाई, जनेऊ, नारियल, पंचामृत, सूखे मेवे, पान, दक्षिणा और अन्य पूजन सामग्री चढ़ाएं। तिलक करें। धूप-दीप जलाएं। तुलसी के पत्ते डालकर माखन-मिश्री का भोग लगाएं। कृं कृष्णाय नमः, ऊँ नमो भगवते गोविन्दाय, ऊँ नमो भगवते नन्दपुत्राय या ऊँ कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाएं। आरती करें। आरती के बाद परिक्रमा करें। अंत में पूजा में हुई अनजानी भूल के लिए भगवान से क्षमा याचना करें। इसके बाद प्रसाद बांटें और और खुद भी ग्रहण करें।

मार्गशीर्ष के व्रत-त्योहार

हिंदू कैलेंडर के नए माह मार्गशीर्ष या अगहन का प्रारंभ आज 09 नवंबर से हुआ है. इस माह का महत्व भगवान श्रीकृष्ण की पूजा के वजह से और भी बढ़ जाता है. इस पूरे माह में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा और उनके मंत्रों का जाप करना अत्यंत ही कल्याणकारी और फलदाई माना जाता है. मार्गशीर्ष माह में गीता जयंती, मोक्षदा एकादशी, उत्पन्ना एकादशी, प्रदोष व्रत, मार्गशीर्ष चतुर्थी, मार्गशीर्ष अमावस्या जैसे महत्वपूर्ण व्रत और त्योहार आने वाले हैं. तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं कि ये व्रत और त्योहार कब हैं.

मार्गशीर्ष माह 2022 व्रत एवं त्योहार

09 नवंबर, दिन बुधवारः मार्गशीर्ष माह प्रारंभ, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा

11 नवंबर, दिन शुक्रवारः सौभाग्य सुंदरी व्रत

12 नवंबर, दिन शनिवारः गणाधिप संकष्टी चतुर्थी

16 नवंबर, दिन बुधवारः काल भैरव जयंती

20 नवंबर, दिन रविवारः उत्पन्ना एकादशी

21 नवंबर, दिन सोमवारः सोम प्रदोष व्रत

22 नवंबर, दिन मंगलवारः मार्गशीर्ष मासिक शिवरात्रि

23 नवंबर, दिन बुधवारः मार्गशीर्ष अमावस्या

27 नवंबर, दिन रविवारः मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी

28 नवंबर, दिन सोमवारः विवाह पंचमी

29 नवंबर, दिन मंगलवारः चंपा षष्ठी

03 दिसंबर, दिन शनिवारः मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती

05 दिसंबर, दिन सोमवारः सोम प्रदोष व्रत

08 दिसंबर, दिन गुरुवारः मार्गशीर्ष पूर्णिमा

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चरित्र से अपनाएं ये गुण

धैर्यवान- भगवान श्रीराम के विशेष गुणों में एक है सहनशीलता व धैर्य। आजकल लोगों में धैर्य नाम की चीज नहीं है। उन्हें हर चीज शीघ्र व अतिशीघ्र पाने की आदत होती है। फिर चाहे वह धन हो या सफलता। इसी तत्परता के कारण लोग आगे नहीं बढ़ पाते। रामजी ने कैकेयी की आज्ञा पाकर 14 वर्ष का वनवास बिताया, समुद्र पर सेतु तैयार करने के लिए तपस्या की, उन्होंने जब माता सीता का परित्याग किया तो राजा होते हुए भी संन्यासी की तरह जीवन व्यतीत किए। सहनशीलता की ऐसी पराकाष्ठा भगवान राम की तरह आज भी हर व्यक्ति में होनी चाहिए और इस गुण को जरूर अपनाना चाहिए।

दयालुता

दयालु व्यक्ति ही अपनी छवि को निखार पाता है। दयालु स्वभाव मानव और पशु सभी के प्रति होनी चाहिए। भगवान राम ने अपने इसी गुण के कारण सभी को छत्रछाया में लिया। भगवान राम ने स्वयं राजा होते हुए भी सुग्रीव, हनुमानजी, केवट, निषादराज, जाम्बवंत और विभीषण सभी को समय-समय पर नेतृत्व करने के अधिकार दिए।

नेतृत्व क्षमता

भगवान राम राजा और एक कुशल प्रबंधक होते हुए भी सभी को साथ लेकर चले। इसी नेतृत्व क्षमता के कारण समुद्र में पत्थरों से सेतु का निर्माण हो सका।

आदर्श भाई

आज भाई-भाई में लड़ाई-झगड़े घर-घर में होते हैं। परिवार में कलह-क्लेश की यह भी एक अहम वजह है। जिस घर में भाई-भाई के बीच मित्रता होती है, वहां पूरा परिवार खुशहाल जीवन व्यतीत करता है। इसके लिए आपको भगवान राम की तरह एक आदर्श भाई की भूमिका निभाने की जरूरत है। भगवान राम के लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के प्रति प्रेम, त्याग और समर्पण के कारण ही उन्हें आदर्श भाई कहा जाता है।

मित्रता का गुण

भगवान राम ने मित्रता का रिश्ता भी दिल से निभाया। केवट, सुग्रीव, निषादराज और विभीषण सभी उनके परम मित्र थे। मित्रता निभाने के लिए भगवान राम ने कई बार स्वयं भी संकट झेले।

सूर्य भगवान की ऐसी प्रतिमा कहीं देखी है!

कैसे बची 2000 साल पुरानी अनोखी मूर्ति? चौंकाती है कहानी

हर प्रसिद्ध मंदिर की अपनी खूबी और ऐतिहासिक धरोहर होती है। देश-विदेश में सूर्य मंदिरों की भी कमी नहीं है। लेकिन क्या आपने कहीं ऐसा मंदिर देखा है, जहां लाल चंदन की लकड़ी से बने भगवान सूर्य की वह प्रतिमा है जो चरण पादुकाएं भी पहने हुए है! और तो और प्रतिमा भी 2000 साल पुरानी और उसके तेज में किंचित मात्र की कमी नहीं आई... भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे सरहदी बाड़मेर में बालार्क मंदिर में आप ये विशेष दर्शन कर सकते हैं।

बाड़मेर शहर में पहाड़ी की तलहटी में बसे जोशियों के वास में 170 साल पहले बालार्क मंदिर की स्थापना हुई थी। इस मंदिर में भगवान सूर्य के जिस बाल्यकाल रूप बालार्क की मूर्ति की स्थापना की गई थी, वह 2000 साल पहले चन्द्रगुप्त मौर्य के काल की बनी बताई जाती है। यह मूर्ति पहले जालौर ज़िले के सत्यपुर में एक मंदिर में स्थापित थी, जहां मुगलकालीन आक्रमण के के दौरान छिपाकर बाड़मेर के बिशाला गांव के रेत के टीलों में छिपा दिया गया था।

बाजे के साथ बाड़मेर आई थीं प्रतिमाएं भगवान बालार्क मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट धनराज जोशी ने बताया अफगानी आक्रांताओं के डर के कारण सत्यपुर से दोनों मूर्तियां बाड़मेर लाई गई थीं। बाद में लंबे समय तक यह मूर्ति रेत में दबी रही और जब हालात सामान्य हुए तो भगवान बालार्क और उनकी धर्मपत्नी रन्ना देवी की मूर्तियों को बाड़मेर में गाजे-बाजे के साथ लाया गया। जोशियों के निचले वास में मंदिर की स्थापना हुई। बताते हैं 2000 साल पुरानी इस मूर्ति की चमक आज भी नये जैसी है।

मंदिर प्रमुख महेश कुमार का कहना है कि यह मंदिर लाखों लोगों के लिए आराधना और आस्था का केंद्र है। यहां साल भर श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है। यहां सुबह-शाम आरती होती है। वहीं, जोशी ने बताया चन्द्रगुप्त मौर्य काल में बनी लाल चंदन की प्रतिमा वाले भगवान बालार्क में लाखों लोगों की आस्था और विश्वास है। भगवान बालार्क के देश भर में अनुयायी हैं, जो समय-समय पर बाड़मेर आते हैं। बाड़मेर का यह मंदिर देश भर में सबसे अनूठा है।

मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है ये फूल, अर्पित करते ही बदल जाएगी किस्मत

हर व्यक्ति जीवन में सुख-समृद्धि और धन-वैभव पाने के लिए कड़ी मेहनत करता है। लेकिन कई बार व्यक्ति को उसकी मेहनत का पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता। ऐसे में ज्योतिष शास्त्र में कुछ उपायों के बारे में बताया गया है, जिन्हें करने से व्यक्ति को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। मां लक्ष्मी को उनका पसंदीदा फूल अर्पित करने से वे जल्द प्रसन्न हो जाती हैं।

टिकने लगेगा पैसा

अगर आपके पास धन का पर्याप्त आगमन है बावजूद इसके आपके पास पैसा नहीं रुक रहा है, तो हारसिंगार के 5 फूल लेकर उन्हें सुखा लें और पीले कपड़ें में बांधकर धन रखने वाले स्थान या तिजोरी में रख दें। आपको खुद ही चमत्कार दिखने लगेगा। इस उपाय से आपके पास धन भी आएगा और रुकेगा भी।

मनोकामना पूर्ति के लिए

अपने घर में सुख-समृद्धि पाने के लिए और हर मनोकामना पूर्ति के लिए घर में हारसिंगार का पौधा लगाना चाहिए। साथ ही, मां लक्ष्मी की पूजा करते समय उनकी पूजन में हारसिंगार के फूलों को जरूर शामिल करें।

रोगों से मुक्ति के लिए

अगर आपके परिवार में कोई जातक लंबे समय से बीमार है और इससे छुटकारा पाना चाहता है,तो घर के मंदिर के पास हारसिंगार का पौधा लगा लें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ने लगेगा। इससे घर के सदस्य स्वस्थ रहेंगे।

अच्छी नौकरी के लिए उपाय

अच्छी नौकरी पाना चाहते हैं लेकिन आपके मन की इच्छाएं पूरी नहीं हो रही हैं, तो हारसिंगार के फूलों का गुच्छा लेकर लाल रंग के कपड़े में बांध लें और इसे पोटली को मां लक्ष्मी के समक्ष रख लें। ऐसा करने से आपकी नौकरी संबंधी समस्या जल्द दूर हो जाएगी।

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए

अगर कोई जातक कर्ज से परेशान है, तो हारसिंगार की जड़ का ये उपाय आपको कर्ज से मुक्ति दिला सकता है। इसके लिए हारसिंगार के पौधे की जड़ को तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रखने से लाभ होता है। इसे आप अपने पर्स में भी रख सकते हैं। इस उपाय को करते ही व्यक्ति को कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी।

शादी के लिए करें ये उपाय

अगर किसी भी जातक के विवाह में किसी प्रकार की समस्या आ रही है या फिर बाधाएं आ रही हैं, तो इसके लिए हारसिंगार के फूलों के ये उपाय बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। हारसिंगार के 7 फूल लें और नारंगी कपड़े में बांधकर उसे मां लक्ष्मी के सामने रख दें। इस उपाय को करने से व्यक्ति को जल्द ही लाभ मिलेगा।

सोने की स्टाइल से जान सकते हैं किसी का व्यक्तित्व और भविष्य

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों और नक्षत्रों का विश्लेषण करके फलित किया जात है। ऐसे ही सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के शरीर पर मौजूद अंग और निशानों के आधार पर फलित किया जाता है। आपको बता दें कि सामुद्रिक शास्त्र अनुसार व्यक्ति के सोने की स्टाइल से उसके भविष्य और व्यक्तित्व के बारे में पता लगाया जा सकता है। क्योंकि आपने देखा होगा कि हर व्यक्ति के सोने की स्टाइल अलग- अलग होती है। आइए आज आपको बताते हैं कि सोने का तरीका आपके व्यवहार और भविष्य के बारे में कौन सी बातें बताता है।

सोते समय लेते हैं करवट

सामुद्रिक शास्त्र अनुसार यदि कोई व्यक्ति सोते समय करवट लेता है तो वह शनि और शुक्र प्रधान व्यक्ति है। ऐसे लोग हमेशा चीजों को अपने मन में रखते हैं। ये अपने कोई भी राज दूसरों के साथ शेयर नहीं करते हैं। साथ ही ये लोग महत्वाकांक्षी भी होते हैं। ये लोग जीवन में खूब तरक्की करते हैं। साथ ही इनको घूमने-फिरने का शौक होता है। ये लोग जरूरी चीजों पर ही धन खर्च करते हैं। साथ ही ये लोग धन जोड़ने में माहिर होते हैं।

फैलकर सोने की हो आदत

जो लोग पलंग पर फैलकर सोना पसंद करते हैं, वो मंगल या सूर्य से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों को भाग्य का साथ कम ही मिलता है। साथ ही इनको जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ता है। ये लोग आर्थिक रूप से भी कमजोर रहते हैं। साथ ही ये लोग थोड़े क्रोधी स्वभाव के भी होते हैं। ये लोग स्वतंत्र रहना पसंद करते हैं। ये लोग थोड़े आलसी भी होते हैं।

नींद भरपूर लेने की हो आदत

कुछ लोगों को भरपूर नींद लेने की आदत होती है। ऐसे लोगों को पर शुक्र ग्रह का प्रभाव होता है। इन लोगों को स्वतंत्रता पसंद होती है। साथ ही ये लोग अपने हिसाब से ही जीवन जीते हैं। वहीं ये लोग सरल और सहज होते हैं। ये लोग थोड़े लेजी होते हैं।

> अच्छे समय में घमंड न करें, क्योंकि जीवन हमेशा एक सा नहीं रहता है। मुश्किल समय में धैर्य न खोएं, जल्दबाजी करेंगे तो हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं।

दीपिका पादुकोण ने इंडस्ट्री में पूरे किए 15 साल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने फिल्म इंडस्ट्री में 15 साल पुरे कर लिए है। अपने शानदार करियर के दौरान दीपिका ने एक से बढ़कर एक फिल्मे दी है। इस बीच दीपिका को हाल ही में स्पॉट किया गया जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में दीपिका काफी कैजुअल और कंफर्टेबल लुक में दिखाई दे रही हैं। इस दौरान दीपिका ने पैपराजी को देख कर स्माइल भी किया। सोशल मीडिया पर उनके इस वीडियो पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

इन सुपरहिट फिल्मों से बनीं स्टार

बता दें, दीपिका पादुकोण ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ओम शांति ओम से की थी। इस फिल्म में वो शाहरुख खान के साथ लीड रोल में थी। इस फिल्म ने पर्दे पर तहलका मचा दिया था और वो पहली ही फिल्म से रातों-रात स्टार बन गई थी। इसके बाद उन्होंने 'ये जवानी हैं दीवानी', 'राम-लीला', 'बाजीराव-मस्तानी', 'पद्मावत' और पीकू जैसे कई सुपरहिट फिल्में की हैं। अब जल्द ही एक फिर शाहरुख खान के साथ फिल्म 'पठान' में नजर आएंगी। उनकी ये फिल्म 25 जनवरी को रिलीज होगी।

'इतना करो ना मुझे प्यार', सलमान खान ने किया बॉक्सर जरीन के साथ डांस

सलमान खान ने हाल ही में बॉक्सर निकहत ज़रीन के साथ अपने आइकॉनिक गाने 'साथिया तूने क्या किया' पर डांस किया. इस वीडियो को निकहत ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है. जिसमें वो सलमान के मशहूर गाने पर थिरकती हुईं नज़र आ रही हैं. इस वीडियो को शेयर कर बॉक्सर ने लिखा- सलमान के साथ डांस करके ऐसा लगा जैसे मेरा सपना सच हो गया. बता दें, वीडियो में सलमान खान ने काले रंग की पैंट और व्हाइट शर्ट पहनी थी. वहीं निकहत ने नीले रंग की एथलीजर वियर की है. वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'आखिरकार इंतजार खत्म हुआ. सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल होते है लोगों ने जमकर कमेंट करना शुरू कर दिया. एक फैन ने लिखा, "पता नहीं लेकिन मैं इस गाने पर भाई को नाचते हुए देखकर भावुक हो गया ..वहीं एक अन्य ने लिखा, "बहुत-बहुत बधाई. आखिरकार आप उनसे मिले....... बॉक्सर के साथ आप भी एक अच्छी इंसान हैं.. भगवान आपका भला करे"

बता दें, निकहत जरीन एक मुक्केबाज हैं जिन्होंने मई में आयोजित महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था. निखत के मेडल जीतने के बाद सलमान खान ने ट्विटर पर उन्हें विश किया. उन्होंने लिखा, "इस गोल्ड पर निकहत को बधाई..." यह देखकर निकहत ने ट्विटर पर जवाब दिया, "एक डाई हार्ड फैन गर्ल होने के नाते, यह मेरा पसंदीदा सपना है जो सच हो गया है. मुझे कभी विश्वास नहीं हो रहा था कि @BeingSalmanKhan इसके लिए ट्वीट करेंगे.

दो साल बाद वापसी को तैयार नाना पाटेकर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर नाना पाटेकर काफी समय से फिल्मों से दूर हैं। अब हाल ही में खबर आ रही है कि वो जल्द ही प्रकाश झा की अपकमिंग सीरीज लालु बत्ती में नजर आएंगे। नाना पाटेकर करीब 2 साल से फिल्मी दुनिया से अलग थलग हैं। अंतिम बार उन्हें 2020 में आई फिल्म इट्स माई लाइफ में देखा गया था। एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता के लगाए मीटू के आरोपों की वजह से उन्हें काफी समय तक फिल्मों से दूर रहना पड़ा था।

राजनीति के बाद फिर से प्रकाश झा के करेंगे काम

रिपोट्र्स की मानें तो खुद नाना पाटेकर ने ही इस बात को कन्फर्म किया है कि वो प्रकाश झा की वेब सीरीज लाल बत्ती में काम करने जा रहे हैं। नाना के साथ मिर्जापुर, बंदिश बैंडिट्स जैसी वेब सीरीज में नजर आईं एक्ट्रेस मेघना मलिक भी लाल बत्ती में मुख्य किरदार में नजर आएंगी। कहा जा रहा है कि मेघना इस सीरीज में नाना पाटेकर की वाइफ का किरदार निभाएंगी। ऐसा पहली बार नहीं है कि नाना पाटेकर डायरेक्टर प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं इससे पहले दोनों फिल्म राजनीति में भी साथ काम कर चुके हैं।

तनुश्री दत्ता ने लगाया था मीटू का आरोप

2018 में मीटू मूवमेंट के दौरान एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने नाना पाटेकर पर सेक्सुअली हैरैसमेंट का आरोप लगाया था। तनुश्री ने नाना पाटेकर पर 2008 में आई फिल्म हॉर्न ओके प्लीज के सेट पर उनके साथ दुर्व्यहार करने का आरोप लगाया था जिसकी वजह से नाना को काफी क्रिटिसिज्म का सामना करना पड़ा था। उन्हें इस घटना के बाद हाउसफुल 4 जैसी बड़ी फिल्मों से हाथ भी धोना पड़ा था।

रिया कपूर की द क्रू में करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू साथ आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू जल्द ही 'द क्रू' नाम की एक नई फिल्म में साथ नजर आने वाली हैं। हाल ही में फिल्म की प्रोड्यूसर रिया कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि इस फिल्म की शूटिंग फरवरी 2023 से शुरू होगी।

रिया ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'तीन साल के सपने देखने, लिखने, प्लान बनाने के बाद मैं एकता कपूर के साथ हमारे ड्रीम कास्ट को वोग इंडिया के नवंबर कवर पर आपके सामने पेश करती हूं, जो अब एक रियलिटी है। तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन स्टारर 'द क्रू' की शूटिंग फरवरी 2023 से शुरू होगी। राजेश कृष्णन इसे डायरेक्ट करेंगे। निधी मेहरा और मेहुल सूरी ने इसे लिखा है। 'द क्रू' की अनाउंसमेंट के बाद करीना कपूर ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए कहा, 'फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' में रिया कपूर के साथ काम करने में काफी मजा आया था। इस बार वो मेरे पास इस फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर आईं जो मुझ काफी पसंद आई। इस फिल्म की स्टोरी काफी अच्छी है और फिल्म कॉमेडी ड्रामा से भरपूर होगी। रिया कपूर ने फिल्म के लिए तब्बू और कृति सेनन को कास्ट किया है। मैं उनके साथ काम करने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। ये फिल्म 'वीरे द वेडिंग' का सीक्वल नहीं है।'

पापा के साथ चिल करते नजर आए इब्राहिम, यूजर्स बोले- जुड़वा लग रहे

सैफ अली खान अपने बच्चो के काफी अच्छी बॉन्डिंग रखते है। इसी बीच सैफ और इब्राहिम साथ में नजर आए जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में इब्राहिम और सैफ काफी रिलेक्स मोड में नजर आ रहे हैं। वीडियो में, सैफ नेवी ब्लू टी शर्ट और पैंट में बैठे हुए हैं, वहीं उनके बड़े बेटे इब्राहिम ब्लू शर्ट में उनके पास खड़े है। दोनों इस दौरान बातचीत करते हुए दिखाई दिए। बता दें, सैफ के बड़े बेटे इब्राहिम जल्दी ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। इस वीडियो के सामने आते ही फैंस उन्हें जुड़वा भाई कह रहे हैं। एक यूजर ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'हूबहू एक जैसे लग रह हैं', तो वहीं दूसरे ने लिखा,'जुड़वा भाई लग रहे हैं'। वर्कफ्रंट की बात करें तो सैफ जल्द ही आदिपुरुष में दिखाई देंगे। फिल्म 10 जून 2023 को आएगी। इसे ओम राउत निर्देशित कर रहे हैं। वही इब्राहिम करण जौहर की अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में असिस्टेंट डायरेक्टर हैं।

केआरके ने शाहरुख की फिल्म पर साधा निशाना

कमाल आर खान ने हाल ही में शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म जवान पर निशाना साधा है। केआरके ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर लिखते हुए कहा है कि शाहरुख की फिल्म जवान कोई ओरिजिनल नहीं बल्कि कॉपिड फिल्म है। केआरके ने उस खबर पर अपना रिएक्शन दिया है जहां कुछ दिन पहले ऐसी बातें निकल कर सामने आई थी कि जवान की कहानी तमिल फिल्म पेरारसु से चुराई गई है। केआरके का कहना है कि बॉलीवुड वाले ओरिजिनल फिल्में बना ही नहीं सकते,वे बस कॉपी करने में मास्टर हैं।

बॉलीवुड को कॉपीवुड कहा

केआरके ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर शाहरुख और उनकी फिल्म जवान को बैश करते हुए लिखा- मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि ये बॉलीवुड नहीं बल्कि कॉपीवुड है। वो ओरिजिनल फिल्में बना ही नहीं सकते, वे बस कॉपी करने में मास्टर हैं। शाहरुख की फिल्म जवान के खिलाफ लीगल केस दर्ज हो गया है। हालांकि कुछ दिनों पहले केआरके ने कहा था कि वो अब कभी शाहरुख खान और सलमान खान की फिल्मों के बारे में बात नहीं करेंगे लेकिन ऐसा लगता है कि उनकी और उनकी बातों को प्रेडिक्ट करना काफी मुश्किल है।

जवान के डायरेक्टर पर लगा है कहानी चुराने का आरोप

हाल ही में मणिकम नारायणन नाम के एक फिल्ममेकर ने जवान फिल्म के डायरेक्टर एटली कुमार के खिलाफ तमिल फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल में शिकायत दर्ज कराई थी। मणिकम नारायणन ने दावा किया है कि एटली कुमार ने 2006 में आई तमिल फिल्म पेरारसु की कहानी को चुराकर जवान फिल्म में यूज किया है। अब इसी खबर पर केआरके ने अपना रिएक्शन देते हुए कहा है कि बॉलीवुड वाले सिर्फ कॉपी करने में माहिर हैं क्योंकि ओरिजिनल फिल्में तो इनसे बनती ही नहीं हैं।

बोनी ने कसा अक्षय कुमार की फ्लॉप फिल्मों पर तंज

बोले- 25-30 दिन के काम पर पूरे पैसे चाहिए, फिल्म कहां अच्छी बनेगी?

फिल्ममेकर बोनी कपूर ने हाल ही में अक्षय कुमार की फ्लॉप फिल्मों और मोटी फीस को लेकर तंज कसा है। दरअसल हाल ही में उन्होंने द कपिल शर्मा शो में बिना किसी का नाम लिए कहा कि आजकल कुछ एक्टर्स ऐसे हैं, जो 25-30 दिन में फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेते हैं और फीस पूरी लेते हैं। लेकिन उनकी फिल्में हिट नहीं होती, बल्कि फ्लॉप होती हैं।

अब सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार के फैंस बोनी के इस बयान को खिलाड़ी कुमार से जोड़कर देख रहे हैं। क्योंकि इंडस्ट्री में अक्षय कुमार ही एकमात्र ऐसे एक्टर हैं, जो 30-40 में दिन में अपनी फिल्म की शूटिंग खत्म कर लेते हैं और उनकी ही एक साल में 4-5 फिल्में रिलीज होती हैं।

शुरुआत से ही उनके इन्टेन्शन सही नजर नहीं होते हैं

बोनी कहते हैं, 'शुरुआत से ही उनके इन्टेन्शन सही नहीं नजर आते हैं। मैं किसी एक्टर का यहां नाम नहीं ले रहा हूं, लेकिन कुछ एक्टर्स ऐसे हैं, जो नापतोलकर के काम करते हैं। वो बोलते हैं कि कितने दिन का काम है? उनका सेटअप होता है, जो बहुत आरामदायक होना चाहिए, जैसे उन्हें टाइम पर हीरोइन अवेलेबल होनी चाहिए, डायरेक्टर अवेलेबल होना चाहिए। ऐसे में पिक्चर कहां से अच्छी बनेगी?'

एक्टर सच्चाई के साथ काम नहीं कर रहे हैं, तो फिल्म फ्लॉप होनी तय है

बोनी आगे कहते हैं, 'अगर एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर सच्चाई के साथ काम नहीं कर रहे हैं, तो फिल्म फ्लॉप होनी तय है। ऐसे में फिल्म ऑडियंस को पसंद नहीं आएगी। जब तक सच्चाई नहीं आएगी, चाहे वो एक्टर्स हों, डायरेक्टर हों या फिर चाहे वो प्रोड्यूसर्स हों, पिक्चर न तो अच्छी बनेगी और न ही चलेगी।'

रश्मिका मंदाना हुईं नेगेटिव लोगों से परेशान : बोलीं- मैं लोगों के लिए पंचिंग बैग की तरह बन गई हूं

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपनी परेशानी फैंस के साथ शेयर की है। दरअसल रश्मिका लगातार हो रही ट्रोलिंग और नेगेटिविटी से काफी परेशान हैं और यही कारण है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने दिल की बात कही है। रश्मिका का कहना है कि वो नेगेटिव लोगों के लिए पंचिंग बैग की तरह बन गई हैं। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि ये बहुत निराश करने वाला होता है और इससे उनका दिल टूट जाता है।

रश्मिका कहती हैं, 'कुछ चीजें हैं, जो मुझे पिछले कुछ दिनों या हफ्तों या महीनों या शायद सालों से परेशान कर रही हैं और मुझे लगता है उसे बयां करना जरूरी है। मैं सिर्फ अपने बारे में बात करूंगी, जोकि मैंने कुछ सालों पहले किया था। मैंने जब से अपना करियर शुरू किया है, तब से ही मैं ट्रोलर्स और नेगेटिव लोगों के लिए पंचिंग बैग की तरह बन गई हूं।'

रश्मिका आगे कहती हैं, 'मैं ये बात जानती हूं कि जो जिंदगी मैंने चुनी है, उसकी एक कीमत है। मुझे ये भी समझ आता है कि मुझे अचानक ही हर इंसान प्यार नहीं कर सकता, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि अगर आप मुझे अप्रूव नहीं कर सकते, तो आप मुझ पर नेगेटिविटी फेकेंगे। सिर्फ मुझे पता है कि आप लोगों को खुश करने के लिए मैं दिन रात किस तरह का काम कर रही हूं।'

रश्मिका ने कहा, 'मुझे सिर्फ इस चीज की परवाह है कि जो भी मैं कर रही हूं, उससे आपको खुशी महसूस होनी चाहिए। मैं सच में ये कोशिश करती हूं कि मैं कुछ ऐसा करूं जिससे आपको और मुझे दोनों को गर्व हो। ये बहुत ही ज्यादा दिल तोड़ने वाला और मनोबल गिराने वाली बात है कि मुझे उन बेतुकी चीजों के लिए इंटरनेट पर लोग उल्टा सीधा कहते हैं, जोकि मैंने कही भी नहीं है।'

रश्मिका ने आगे कहा, 'मैंने इंटरव्यू में कुछ ऐसी चीजें कहीं जिन्हें घुमा फिरा कर मेरे ही खिलाफ दिखाया गया। इंटरनेट पर फैल रही ये मनगढ़त कहानियां मेरे और इंडस्ट्री के बाहर मेरे रिश्तों के लिए बेहद खराब हो सकती हैं। मैं कंस्ट्रक्टिव क्रिटिसिजम की सराहना करती हूं, क्योंकि वो मुझे इंप्रूव करने के लिए पुश करता है, लेकिन इस खराब नेगेटिविटी और हेट का क्या? मैंने इन चीजों को लम्बे समय तक इग्नोर किया है।'

रश्मिका ने बताया, 'पर ये दिन पर दिन खराब होती जा रही हैं। इस चीज को कहते हुए मैं किसी को नीचा नहीं दिखा रही हैं। लेकिन मैं एक इंसान के तौर पर मिल रही नफरत की वजह से चेंज नहीं होना चाहती हूं। मैं आप में से बाकी लोगों से प्राप्त होने वाले सभी प्यार की सरहना करती हूं और उसे एक्सेप्ट करती हूं। आपका निरंतर प्यार और सपोर्ट ही है, जिसने मुझे आगे बढ़ाया है और मुझे बाहर आ कर ये कहने का साहस दिया है।'

मैं सभी लोगों को प्यार करती हूं

रश्मिका ने आगे बताया, 'मैं अपने आस-पास के सभी लोगों को प्यार करती हूं, जिन लोगों के साथ मैंने अब तक काम किया है, जिनकी मैंने हमेशा तारीफ की है। मैं कड़ी मेहनत करना जारी रखूंगी और आपके लिए बेहतर करूंगी। क्योंकि जैसा मैंने कहा, आपको खुश रखना, मेरे खुद को खुश रखने के बराबर है। आप दयालु रहें। हम सब अपना बेस्ट देने की कोशिश करते हैं।'

किशोरावस्था में बच्चे जल्दी भटक जाते हैं किशोर ख़ुद को भटकने से कैसे बचा सकते हैं

किशोरावस्था बड़ी नाज़ुक होती है, क्योंकि यही समय होता है जब भविष्य बनाने की दिशा में कार्य किए जाते हैं और इसी उम्र में भटक जाने के आसार भी होते हैं। इसलिए उम्र के इस मोड़ पर समझदारी से काम लेना बहुत आवश्यक हो जाता है।

किशोर अवस्था उम्र का वह पड़ाव है, जहां से जीवन के अनगिनत रास्ते निकलते हैं। इसी उम्र में ऊर्जा और क्षमता भी भरपूर होती है। हालांकि, किशोरावस्था में कुछ शारीरिक व मानसिक बदलाव आते हैं जिससे थोड़ा भटकने की आशंका रहती है लेकिन इस उम्र का भटकाव भविष्य को अंधकार में डाल सकता है।

इसके साथ ही यही कॅरियर बनाने का समय भी होता है। इसलिए भटकाव को रोकने के लिए और कॅरियर पर फोकस करने के लिए कुछ ज़रूरी बातों का ध्यान रखना होगा। कुछ बातों का ख़्याल रखकर किशोर ख़ुद को भटकने से बचा सकते हैं और अपना भविष्य भी सुरक्षित कर सकते हैं।

अभी से करें तैयारी

आपको किस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना है, ये सिर्फ़ आप तय कर सकते हैं। सबसे पहले अपनी रुचि को ध्यान में रखते हुए ये पता करें कि आप किस क्षेत्र के लिए बने हैं। उसके बाद उसकी तैयारी अभी से ही शुरू कर दें। इससे आपके मन में अपने कॅरियर को लेकर जिज्ञासा बनी रहेगी और आप भटकाव से दूर रहेंगे। पढ़ाई करने के साथ ही जिस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं धीरे-धीरे उस बारे भी रिसर्च करें और सही दिशा में आगे बढ़ें।

पसंदीदा गतिविधियां करें

हर किसी के कोई न कोई शौक़ होते हैं जैसे खाना पकाना, खेलना, किताबें पढ़ना, पेंटिंग करना आदि। ये शौक़ मन को शांत रखते हैं और इस कारण दिमाग़ इधर-उधर की बातों में नहीं उलझता। इसके अलावा पसंदीदा गाने भी सुन सकते हैं या डांसिंग एक्सरसाइज़ कर सकते हैं। इससे मज़ा भी आएगा और शरीर भी स्वस्थ रहेगा। अगर पेट्स के साथ खेलना पसंद है तो घर में पालतू भी रख सकते हैं। इससे ऊब महसूस नहीं करेंगे और मन भी नकारात्मक बातों से दूर रहेगा।

लत से दूरी भली

आजकल बच्चों की एक समस्या सामान्य होती जा रही है, वो है मोबाइल फोन और इंटरनेट का हद से ज़्यादा उपयोग। ये एक ऐसा आकर्षण या लत बन गई है जिसका सीधा संबंध बच्चे के मानसिक विकास और कॅरियर से होता है। यदि बच्चों से मोबाइल छीन लिया जाए या इंटरनेट एक्सेस नहीं दिया जाए तो वे और ज़्यादा बौखला जाते हैं। ऐसे में बहुत ज़रूरी है कि बच्चों के फोन उपयोग करने के समय को निर्धारित किया जाए। फोन से जुड़ाव कम होगा तो पढ़ाई से बढ़ेगा।

दोस्ती लाएगी सकारात्मकता

जब भी आप तनावपूर्ण महसूस करें या मन कभी शांत न लगे तो अपने दोस्तों के बीच बैठें। उनके साथ मस्ती-मज़ाक, गपशप करें। ऐसा करने से आपको ख़ुशी और ताज़गी दोनों मिलेंगे। दोस्तों के साथ मिलकर पसंदीदा फिल्म देखें या रोज़ साथ मिलकर सुबह या शाम सैर पर जाएं। दोस्तों से कॅरियर पर भी बात करें। उनसे राय लें कि वे क्या करना चाहते हैं, किस दिशा में कॅरियर बनाना चाहते हैं। इससे आपको भी पता चलेगा कि कौन-सी फील्ड हैं जिनके बारे में आपको जानकारी नहीं थी या आप भी वैसा ही कुछ करना चाहते हैं।

ख़ुद के साथ समय बिताएं

दिमाग़ को शांत रखने के लिए घर से बाहर जाएं और ख़ुद के साथ समय बिताएं। अपने आसपास के पार्क में जाकर अलग-अलग तरह के फूलों को देखें। इसके अलावा आप ख़ुद भी अपने पसंदीदा पौधों को घर या अपने आसपास के पार्क में लगा सकते हैं। सुबह-सुबह जल्दी उठकर प्राकृतिक नज़ारे देखने से मन शांत और अच्छा महसूस करता है। ऐसा करने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। अगर बाहर नहीं जा पा रहे हैं तो सुबह बालकनी में बैठकर चिड़ियों की चहचहाहट सुनें, बहुत सुकून मिलेगा।

संगत पहचानना है अहम

भटकाव का सबसे बड़ा और पहला कारण संगत होती है। इस उम्र में मस्ती मज़ाक करना, दोस्तों के साथ घूमना-फिरना अच्छा है। लेकिन अगर संगत ग़लत हो तो भविष्य ख़तरे में पड़ सकता है, चूंकि किशोर इतने परिपक्व नहीं होते कि सही-ग़लत पहचान सकें। इसलिए माता-पिता बच्चे की संगत व दोस्तों की पूरी जानकारी रखें।

एटीएम के इस्तेमाल में इन सावधानियों को बरतकर धोखाधड़ी से बचा जा सकता है

एटीएम कार्ड का इस्तेमाल आज दुनियाभर में आम है। इसलिए जालसाज़ भी फिराक़ में रहते हैं कि कार्ड धारक एक ग़लती करे और वे उनके खाते से रक़म साफ़ कर दें। यहां बात सिर्फ़ फोन पर ओटीपी देने या अपना एकाउंट नंबर बताने की नहीं हो रही है बल्कि ऐसी ग़लतियों की हो रही है, जो लोग अनजाने में कर जाते हैं। अगर थोड़ी समझदारी बरती जाए तो धोखाधड़ी होने से बचा जा सकता है। जानिए कुछ ऐसी ही ग़लतियों के बारे में...

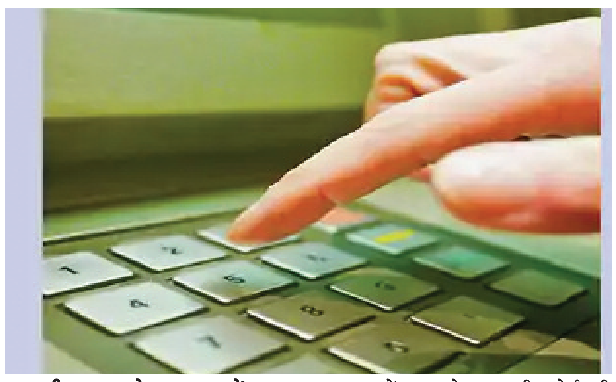

ग्रीन लाइट देखना न भूलें...

पै से निकालने के लिए एटीएम को कार्ड स्लॉट में डालना पड़ता है। ऐसा करते समय ध्यान दें कि एटीएम कार्ड डालते समय स्लॉट में लगी हरी बत्ती चालू हो। अगर स्लॉट में हरी बत्ती चालू है तो एटीएम सुरक्षित है यानी कि आप बिना शंका के उससे पैसे निकाल सकते हैं। अगर लाल लाइट ऑन हो या कोई बत्ती न जल रही हो तो एटीएम का इस्तेमाल न करें। इसके साथ ही एटीएम से पैसे निकालने यानी कि ट्रांज़ैक्शन पूरा होने के बाद क्लीयर का बटन अवश्य दवाएं।

पिन डालते समय सावधानी

ये बेहद सामान्य ग़लती है, जो सभी करते हैं। एटीएम कार्ड मशीन में डालने के बाद पिन डालना होता है। पिन डालते समय ध्यान रखें कि वहां कैमरा भी होता है, जिसका एक्सेस कई बार हैकर हैकिंग के ज़रिए प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए पिन डालते समय दूसरे हाथ से छुपाकर डालें या कीपैड पर हाथ की आड़ कर लें। इससे यदि हैकर के पास कैमरे का एक्सेस होगा भी तो वो आपका पिन नहीं जान पाएगा।

रसीद को हमेशा साथ रखें...

अ क्सर लोग एटीएम से रुपये निकालने के बाद मिलने वाली रसीद को वहीं फेंक देते हैं। ऐसा करने से आपके एकाउंट की जानकारी ग़लत हाथों में पड़ सकती है। अपनी रसीद या लेन-देन का रिकॉर्ड हमेशा अपने साथ रखें। इससे आपकी कोई भी व्यक्तिगत जानकारी ग़लत हाथों में जाने से बच जाएगी। अगर फेंकना है तो अच्छी तरह से फाड़कर फेंके। इस बात का भी ध्यान रखें कि कार्ड को कहीं भी स्वैप न करें बल्कि सिर्फ़ अधिकृत जगहों पर ही स्वैप करके ट्रांजेक्शन करें।

पिन बदलना ज़रूरी है...

लो ग एटीएम मिलने पर जो पिन नंबर चुनते हैं वही सालों-साल तक रखते हैं। पिन नंबर को कुछ महीनों के अंतराल में बदलना ज़रूरी है, ताकि फ्रॉड होने का ख़तरा न रहे। हां, इस बात का भी ख़्याल रखें कि पिन ऐसा चुनें जो आपके पर्स में मौजूद चीज़ों से मेल न खाता हो जैसे घर का नंबर, जन्म तिथि, टेलीफोन नंबर आदि। कई बार पर्स खोने पर अपराधी इन नंबरों से भी पिन का अंदाज़ा लगा लेते हैं।

व्यवहार और आदतों में बदलाव लाकर ख़ुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं

पति-पत्नी का रिश्ता बहुत मज़बूत होता है। इस रिश्ते में दो लोग प्रेम और आपसी समझ के साथ सारी ज़िंदगी ख़ुशी-ख़ुशी बिता देते हैं। पर बदलते समय के साथ ही इस रिश्ते में भी बदलाव आने लगता है। किसी आदत के मेल न खाने पर एक-दूसरे से नाराज़गी रखना या बात न करना पति-पत्नी के बीच आम बात हो गई है। पर आपने सोचा है कि ये छोटे-छोटे झगड़े आपके रिश्ते में किस तरह खटास ले आते हैं?

ये समस्या सिर्फ़ प्राची और नेहा की नहीं है बल्कि न जाने कितने दंपती एक-दूसरे की आदतों या व्यवहार के कारण परेशान रहते हैं। किस तरह की समस्याएं सामने आती हैं और कैसे बदलाव लाएं इस बारे में जानते हैं।

एक-दूसरे के समय का सम्मान

शादी के पहले जो आदतें या शौक़ होते हैं शादी के बाद साथी उन्हें बदलने का प्रयास करते हैं। उदाहरण स्वरूप यदि पति-पत्नी घूमने जाते हैं, तो पत्नी सोचती है कि पति सारा समय उसे दे, वहीं पति चाहता है कि वो अपना कुछ समय टीवी देखने में बिताए। ऐसी छोटी-छोटी बातें अक्सर झगड़े में बदल जाती हैं। इसलिए एक-दूसरे के समय और पसंद का सम्मान करें।

हर समय रोक-टोक न करें

पति-पत्नी के बीच अक्सर तकरार का कारण पसंद का न मिलना भी होता है। ख़रीदारी के दौरान पति-पत्नी की पसंद मेल न खाना आपसी अनबन का कारण बनता है। इसके अलावा शॉपिंग के दौरान ख़र्च अधिक होना या समय ज़्यादा लगना भी बड़े झगड़े का कारण बन जाता है।

टिप- अगर आप चाहते हैं कि रोक-टोक की आदतों से आपके बीच तनाव न आए तो शॉपिंग समय निकालकर जाएं। एक-दूसरे की पसंद का सम्मान करें और अपनी पसंद को साथी पर न थोपें। ख़र्चा कितना करना है या कितना बजट है, ये सब पहले ही तय कर लें। ज़रूरी नहीं है कि पति के लिए शॉपिंग करने आई हैं तो आप अपने लिए कुछ नहीं देख सकतीं। वहीं पुरुष भी पत्नी को शॉपिंग पर ले जाकर एक कोने में खड़े न हो जाएं, साथ में सामान पसंद करें और एक-दूसरे की पसंद को सराहें। आप अपने लिए भी कुछ ख़रीदारी कर लें। यदि आप साथी को सलाह देना भी चाहें तो उसका तरीक़ा सहज और विनम्र रखें।

झूठ बोलने की आदत

जिस रिश्ते में झूठ होता है, उस रिश्ते में विश्वास की कमी रहती है। और पति-पत्नी के रिश्ते की बुनियाद ही विश्वास होती है। कई बार पति-पत्नी एक-दूसरे से बातें छुपाने लगते हैं या फिर एक-दूसरे से झूठ बोलने लगते हैं। बात चाहे छोटी हो या बड़ी, झूठ बोलना या सच छुपाना वैवाहिक रिश्ते में झगड़े का बड़ा कारण बन जाता है। कई दफ़ा तो पति-पत्नी अपने साथी की बुराई अपने दोस्तों या रिश्तेदारों से करते हैं। ये आदत आपको साथी से दूर कर देती है।

टिप- यदि आपको अपने साथी की कोई बात अच्छी नहीं लगती तो उन्हें इस बारे में खुलकर बताएं और प्रेम से समझाएं, न कि दूसरों से बोलें। सीधे तौर पर बात करने से आपके बीच झिझक नहीं रहेगी और आपका खुलकर बात करना आपके साथी को भी पसंद आएगा। इसके अलावा झूठ बोलने या फिर बातें छुपाने की आदत भी रिश्ते को कमज़ोर करती है। जो भी बात हो साफ़ तौर पर कहें।

तंज़ कसने की आदत छोड़ें

रिश्ता तब ख़राब होता है जब व्यक्ति एक-दूसरे को हर बात पर ताने मारने लगें या तंज़ कसने लगें। खट्टी-मीठी नोक-झोंक हर रिश्ते के लिए ज़रूरी होती है लेकिन ताने कसने की आदत व्यक्ति को आहत करती है।

टिप- जो दंपती एक-दूसरे को दोस्त मानते हैं उनका शादीशुदा जीवन बहुत सरल हो जाता है। अगर आप किसी बात से परेशान हैं, तो उसे अपने साथी के साथ साझा करें, न कि तंज़ कसें जैसे, 'तुम नहीं समझ सकते/सकती' या 'तुम्हें समझ में नहीं आएगी मेरी परेशानी।' इस तरह के शब्द सामने वाले के मन में चुभते हैं और वो आपसे आपकी समस्या पूछने में भी झिझकने लगता है। इसके अलावा यदि आपके साथी में कोई कमी है, जैसे वो किसी कार्य को करने में समय लगाते हैं या उन्हें खाना पकाना नहीं आता। ऐसे में ताने मारने की अपेक्षा उनके साथ उनकी मदद करेंगे तो उन्हें ज़्यादा ख़ुशी होगी और उनका हौसला भी बढ़ेगा।

क्यों होती है लकवा की दिक्कत? इन योगासनों से इसमें मिल सकता है लाभ

देश में सर्दियों के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। सेहत के लिहाजे से इस मौसम में सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि सर्दियों में लकवा मारने के मामले अधिक देखे जाते रहे हैं। लकवा की स्थिति मांसपेशियों की कार्यक्षमता में होने वाली समस्या है, जिसके कारण प्रभावित हिस्से की संवेदना कम हो जाती है। लकवा की समस्या आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ अधिक देखी जाती रही है, हालांकि यह किसी भी आयु के लोगों को हो सकती है, इसलिए इससे विशेष बचाव करते रहने की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं लकवे की समस्या आंशिक या पूर्ण दोनो प्रकार की हो सकती है। लकवा होने के बाद शारीरिक कार्यों को फिर से सुचारू करने के लिए दवाइयों के साथ फिजियोथेरेपी अभ्यास की सिफारिश की जाती है। विशेषज्ञों ने पाया कि अगर रोगी को योग कराया जाए तो भी लकवा से तेजी से रिकवरी मिल सकती है।

इसके अलावा नियमित योग के अभ्यास की आदत मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखती है जिससे लकवा जैसी स्थितियों का जोखिम कम होता है। आइए जानते हैं कि लकवा क्यों होता है और इससे बचाव के लिए किन योगासनों का अभ्यास किया जाना चाहिए?

लकवा के कारण

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लकवा की समस्या मुख्यरूप से स्ट्रोक या रीढ़ की हड्डी- गर्दन में चोट के कारण होती है। कुछ प्रकार के तंत्रिका से संबंधित रोग जैसे कि एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस और ऑटोइम्यून रोग जैसे गुलियन बैरे सिंड्रोम के कारण भी लकवा हो सकती है। डॉक्टर कहते हैं जिन लोगों को हाई डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर की अक्सर दिक्कत बनी रहती है ऐसे लोगों को भी विशेष सावधानी बरतते रहना चाहिए, ये स्थितियां भी लकवा के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। शारीरिक सक्रियता को बनाए रखकर लकवा के खतरे को कम किया जा सकता है, योग इसमें अच्छा विकल्प माने जाते हैं।

मार्जरी आसन का अभ्यास

कैट पोज़ या मार्जरी आसन आपके रीढ़, कंधों और कूल्हों की मांसपेशियों को स्वस्थ रखने, मुद्रा में सुधार करने में लाभकारी माना जाता है। तंत्रिका की समस्या को कम करने में भी इस योग के नियमित अभ्यास के लाभ हैं। मार्जरी आसन का अभ्यास मांसपेशियों में रक्त संचार को ठीक रखने और लकवा के खतरे को कम करने में मददगार है। सभी उम्र के लोगों को इस योग का नियमित अभ्यास करना चाहिए।

प्राणायाम से मिलता है लाभ

लकवा के लिए जिन कारकों को जिम्मेदार माना जाता है उनमें रक्तचाप का बढ़ना और तंत्रिकाओं को होने वाली समस्या प्रमुख है। इन दोनों स्थितियों को कंट्रोल करने के लिए प्राणायाम का अभ्यास आपके लिए बेहतर योग विकल्प हो सकता है। प्राणायाम के माध्यम से मस्तिष्क को शांत रखने, तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इस योग के अभ्यास की आदत लकवा के जोखिमों को कम करने में आपके लिए सहायक हो सकती है। सभी उम्र के लोगों को दैनिक रूप से इस योग का अभ्यास करते रहना चाहिए।

टीडीएस और टीसीएस में अंतर

टीडीएस – पेमेंट देने वाला टैक्स काटकर पैसा देता है
टीसीएस- पेमेंट लेने वाला टैक्स जोड़कर पैसा मांगता है

एम एस अग्रवाल

टीडीएस

कुछ निर्धारित भुगतानों के मामलों में (जैसे ब्याज, दलाली, ब्रोकरेज, किराया आदि) भुगतानकर्ता द्वारा निर्धारित दर अनुसार स्त्रोत पर कर कटौती करना अपेक्षित है। भुगतानकर्ता को 'कटौतीकर्ता कहते है तथा जो शुद्ध भुगतान प्राप्त करता है उसे डिडक्टी कहा जाता है। यह आपकी इनकम के स्रोत से कटता है. टीडीएस इनकम टैक्स का ही एक हिस्सा होता है, जिसका भुगतान टैक्सपेयर पहले ही कर चुका होता है. इसका सेटलमेंट इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने के दौरान कर दिया जाता है. कुल मिलाकर यह एक ऐसी प्रक्रिया होती है जिसके जरिए सरकार टैक्स को तुरंत इकट्ठा करती है.

टीसीएस

टीडीएस विक्रेता द्वारा स्रोत पर संग्रहित किया गया कर है जिसमें वह कुछ निर्धारित सामान/ माल को बेचते समय क्रेता से कर संग्रह करता है। विक्रेता को 'संग्रहणकर्ता' कहते है तथा क्रेता को कलैक्टी कहते है । टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स होता है. इसका मतलब स्रोत पर एकत्रित टैक्स (इनकम से इकट्ठा किया गया टैक्स) होता है. टीसीएस का भुगतान सेलर, डीलर, वेंडर, दुकानदार की तरफ से किया जाता है. हालांकि, वह कोई भी सामान बेचते हुए खरीदार या ग्राहक से वो वसूलता है. वसूलने के बाद इसे जमा करने का काम सेलर या दुकानदार का ही होता है. इनकम टैक्स एक्ट की धारा 206C में इसे कंट्रोल किया जाता है.

टैन क्या है ?

टैक्स डिडक्शन अकाउंट नंबर आयकर विभाग द्वारा जारी किया गया 10 अंकों का एक अल्फा न्यूमेरिक है तथा स्रोत पर कर की कटौती / संग्रह करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक है। ट्रेसेस (www.टीडीएसcpc.gov.in) पोर्टल पर पंजीकरण करना आवश्यक है।

चालान पहचान संख्या (CIN) क्या है?

प्रत्येक आयकर चालान की पहचान सी आई एन (CIN) द्वारा होती है जिसमें बैंक का बीएसआर कोड, चालान सीरियल नम्बर व भुगतान की तिथि होती है।

ट्रेसेस

टीडीएस विवरण में उल्लेख करने से पूर्व ट्रेसेस से नए डिडक्टी का पैन तथा नाम की पुष्टि करें । अधूरी तथा गलत सूचना देने पर तुरंत संशोधित विवरण दाखिल करें। कर कटौती नहीं करने / कम कटौती करने या विलम्ब से कर कटौती करने पर प्रति माह या माह के भाग के लिए कटौती योग्य कर पर 1% की दर से ब्याज देय होगा और यदि कटौती करने के बाद कर का भुगतान करने में विलम्ब होता है तो प्रतिमाह या माह के भाग के लिए 1.5% की दर पर ब्याज उस समय तक देना होगा जब तक काटा गया कर सरकार के खाते में जमा नही हो जाता ।

संग्रह करने के पश्चात कर के भुगतान में विलम्ब के मामले में प्रतिमाह या माह के भाग के लिए 1% की दर से ब्याज उस समय तक देना होगा जब तक कर का भुगतान नहीं हो जाता।

कटौतीकर्ता की ओर से स्रोत पर काटे गए कर को केन्द्र सरकार के खाते में जमा करने में असफल रहने पर उसे न्यूनतम तीन माह का कठोर कारावास दिया जा सकता है, किन्तु जो बढ़कर सात वर्ष तक हो सकता है ।

टीडीएस/ टीसीएस का तिमाही विवरणी विलम्ब से फाईल करने पर निम्न जुर्माना देय होगा।

1. चूक के प्रत्येक दिन के लिए विलम्ब शुल्क 200/- रूपये, कुछ सीमाओं तक निर्धारित (धारा 234E)

2. न्यूनतम 10,000/- रूपये का जुर्माना (एक लाख तक बढ़ाया जा सकता है ।) (धारा 271H) टीडीएस/ टीसीएस विवरण को प्रोसेस करते समय हुई टीडीएस / टीसीएस चूकें, यदि की हो, तो उनका विवरण जानने के लिए TRACES वेबसाईट पर www.टीडीएसcpc.gov.in से जस्टिफिकेशन रिपोर्ट डाउनलोड करें।

विवरण प्रस्तुत करने में चूक / इसमें गलत सूचना दाखिल करने के क्या परिणाम होते है?

1 जुलाई 2012 से, निर्धारित समय के भीतर टीडीएस / टीसीएस विवरण दाखिल करने में विफलता के लिए कटौतीकर्ता / कलेक्टर को डिफाल्ट के दौरान धारा 234E के तहत शुल्क के रूप प्रत्येक दिन के लिए 200 /- रुपये की राशि भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा।

जुलाई 2012 से कटौतीकर्ता / संग्रहकर्ता द्वारा विवरण में गलत सूचना प्रस्तुत करने से उन पर जुर्माना लगाया जाएगा जो कम से कम 10,000 रूपये होगा, किंतु यह बढ़कर एक लाख रूपये तक हो सकता है ।

टीडीएस / टीसीएस विवरण जमा करने में निर्धारित तिथि से एक वर्ष से अधिक समय का विलम्ब होने पर कटौतीकर्ता पर अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा, जो कम से कम 10,000 रूपए होगा, किन्तु यह बढकर एक लाख रूपए तक हो सकता है ।

कटौतीकर्ता द्वारा टैन के लिए आवेदन करने में असफल रहने या गलत टैन लिखने पर 10,000 रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

यदि डिडक्टी ने अपना पैन नहीं दिया है तो कटौतीकर्ता / संग्रहकर्ता का क्या कर्तव्य है?

यदि डिडक्टी ने कटौतीकर्ता / संग्रहकर्ता को अपना पैन नहीं दिया या गलत पैन दिया है तो कटौतीकर्ता/ संग्रहकर्ता निम्नलिखित दरों से उच्चतर दर पर स्रोत पर कर की कटौती करेगाः

क) अधिनियम में निर्धारित दर : या

ख) प्रभावी दर अर्थात वित्त अधिनियम में उल्लिखित दर, या

ग) 20 प्रतिशत की दर पर

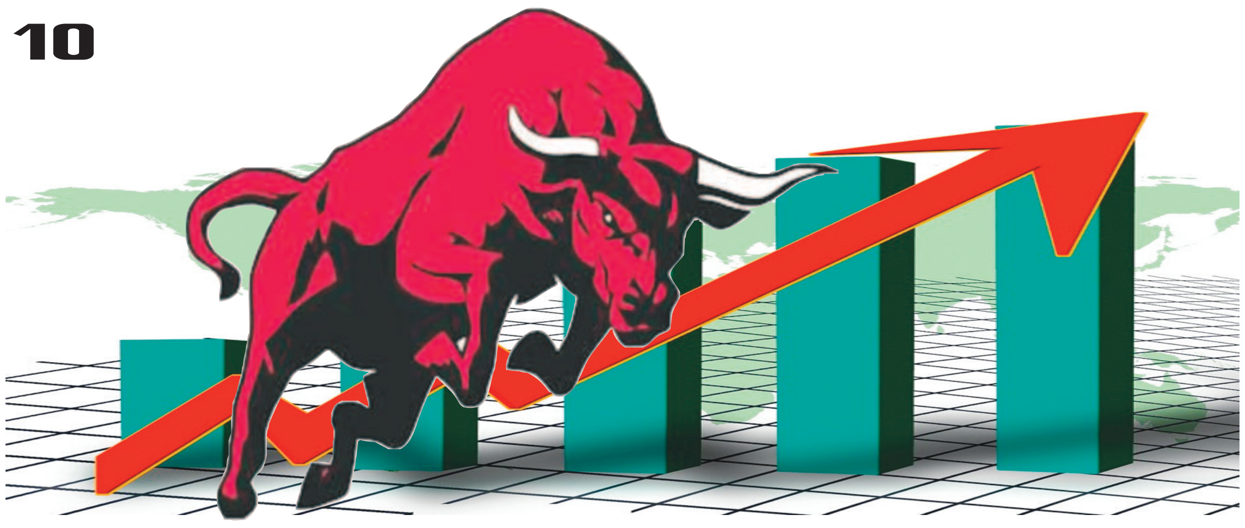

बैंक अकाउंट में गलती से आए 6 करोड़

किए खर्च, आप न करें ये गलती होगी 3 साल की जेल

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कई बार ऐसा होता है कि हम अपने पैसे किसी दूसरे अकाउंट में गलती से ट्रांसफर कर देते हैं, लेकिन क्या हो जब करोड़ों रुपए किसी अनजान शख्स के अकाउंट में ट्रांसफर हो जाएं और वह उस पैसे को उड़ा दे। ऐसा ही कुछ हुआ एक कपल के साथ।

ये है पूरा मामला

एक कपल ने नया घर खरीदा था। वो घर की पेमेंट कर रहे थे और गलत बैंक डिटेल डालने की वजह से पैसे किसी और के अकाउंट में ट्रांसफर हो गए। जिस व्यक्ति के अकाउंट में ये पैसे गए, उसका नाम है अब्देल घडिया। 24 साल का अब्देल ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रहता है और पेशे से एक रैपर है। उसने पुलिस को बताया कि जब वह सुबह सो कर उठा, तो अकाउंट में करोड़ों रुपए देखे। जिसके बाद अलग-अलग जगहों से करीब 5 करोड़ का गोल्ड खरीदा। 90 हजार रुपए की शॉपिंग की। बचे हुए पैसे एटीएम से निकाल लिए, महंगे कपड़े, मेकअप जैसे सामान खरीद लिए। जब इस बात का खुलासा हुआ, तब वो जेल गया। 2 नवंबर को अब्देल को सिडनी कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे बैंक फ्रॉड से जुड़े मामले में दोषी ठहराया गया। दिसंबर में उसकी सजा का ऐलान होगा।

ट्विटर की फ्री सर्विस खत्म हो सकती है

इस्तेमाल की सीमा तय होगी, सब्सक्रिप्शन पर फैसला जल्द

मस्क की नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर से नीचे पहुंची

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। टेस्ला के फाउंडर और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ 200 अरब डॉलर से नीचे गिर गई है। मस्क के ट्विटर अधिग्रहण के बाद निवेशकों ने टेस्ला के शेयरों को बेचना शुरू कर दिया है जिससे मस्क की नेटवर्थ गिरी है। निवेशकों को लगता है कि एलन मस्क अभी ट्विटर में ज्यादा व्यस्त हैं और टेस्ला पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

मस्क की नेटवर्थ 16 लाख करोड़ रुपए

फोर्ब्स के अनुसार, मस्क की नेटवर्थ अभी 197.4 बिलियन डॉलर (करीब 16 लाख करोड़ रुपए) है, जिसका एक बड़ा हिस्सा टेस्ला में उनकी लगभग 15% हिस्सेदारी से आता है। मस्क ने ट्विटर डील को पूरा करने के लिए टेस्ला के करीब 4 बिलियन डॉलर के स्टॉक बेचे हैं। टेस्ला के शेयर मंगलवार को 5.78 डॉलर या 2.93% गिरकर 191.30 डॉलर पर बंद हुए। बीते 6 महीने में ये स्टॉक 71.07 डॉलर या 27.09% गिर चुका है। इस साल की बात करें तो गिरावट 52% के करीब है।

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के इस्तेमाल के लिए सभी यूजर्स को फीस देनी पड़ सकती है। प्लेटफॉर्मर की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के नए बॉस एलन मस्क सब्सक्रिप्शन फीस चार्ज करने का प्लान कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में एक मीटिंग में मस्क ने कर्मचारियों के साथ इस विचार पर चर्चा की थी। मस्क का प्लान है कि यूजर्स को फ्री में लिमिटेड टाइम ही एक्सेस मिले। इसके बाद ट्वीट करने के लिए सब्सक्रिप्शन खरीदना होगा। हालांकि इसमें कितना समय लगेगा और क्या मस्क गंभीरता से इस पर काम कर रहे हैं ये अभी साफ नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी की टीम फिलहाल नए वेरिफिकेशन सब्सक्रिप्शन फीचर पर काम कर रही है।

सब्सक्रिप्शन मोड पर ले जाने की 3 वजहें

1. कंपनी को रोजाना 32 करोड़ का नुकसान हो रहा है। वो नए मॉडल से रेवेन्यू बढ़ाना चाहते हैं।
2. मस्क ने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा है। वो जल्द इसकी भरपाई करना चाहते हैं।
3. ट्विटर पर भारी कर्ज है। वो इसे खत्म करने के लिए एडवर्टाइजर्स पर निर्भर नहीं रहना चाहते। कॉस्ट कटिंग के लिए करीब आधे एम्प्लॉइज को भी निकाल दिया है। छंटनी के बाद मस्क ने कहा था, 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

मस्क ने हाल ही में कुछ देशों में 8 डॉलर में ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। अगर लोग इसे नहीं खरीदते हैं, तो वे अपना वेरिफाइड चेकमार्क खो देंगे। भारत को यह सब्सक्रिप्शन एक महीने के भीतर लॉन्च होगा। इसके लिए यहां करीब 200 रुपए देने पड़ सकते है।

मुकेश अंबानी ने जितना पूरे जीवन में कमाया, एलन मस्क एक ही वर्ष में गंवा बैठे

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। हाल ही में ट्विटर का टेकओवर करने वाले दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क दौलत गंवाने के मामले में भी नंबर वन पर ही हैं। फिलहाल यह यह स्थान उन्होंने मेटा सीईओ मार्क जकरबर्ग को पछाड़ कर हासिल कर ली है।

ट्विटर के नए मुखिया एलन मस्क की दौलत में इस वर्ष अब तक 90.8 अरब डॉलर यानी भारतीय रुपयों में करीब 14,67,800 करोड़ रुपये की कमी आई है। वहीं इस दौरान जकरबर्ग की संपत्ति 88.2 अरब डॉलर घटी है। भारत समेत एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी ने जितना पूरे जीवनकाल में कमाया है उससे अधिक एलन मस्क ने सिर्फ इस वर्ष गंवा दिया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक इस वर्ष मस्क की संपत्ति 90.8 अरब डॉलर कम हुई है। जबकि इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति ही 90 अरब डॉलर है।

बाजार में नहीं मिल रहा अमूल का मखखन!

जैम से काम चला रहे लोग, पूरी डिटेल

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सुबह के समय ज्यादातर लोग ब्रेड में मख्खन लगाकर खाना पसंद करते हैं। अमूल मख्खन लोगों को खाना खूब पसंद रहा है, लेकिन अभी लोगों को बाजार में अमूल का मख्खन नहीं मिल रहा है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, दिल्ली, अहमदाबाद और पंजाब सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ग्राहकों और दुकानदारों के साथ अमूल बटर को बाजार में कमी का सामना करना पड़ रहा है। अमूल बटर किराना ऐप पर भी उपलब्ध नहीं है। दिल्ली-एनसीआर के दुकानदारों के मुताबिक, पिछले दो सप्ताह से अमूल मख्खन की कमी बनी हुई है। इसकी वजह आपूर्ति में कमी है। इससे दुकानदारों की बिक्री पर भी असर पड़ रहा है। हालांकि अमूल के दूध की बिक्री पर असर नहीं पड़ा है। ये लोगों को आसानी से मिल पा रहा है।

अमूल मख्खन नहीं मिलने से परेशान लोग अब सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर मुंबई, दिल्ली, कश्मीर, अहमदाबाद, पंजाब और उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोग लिख रहे हैं कि उन्हें अमूल का मख्खन नहीं मिल पा रहा है। इतना ही नहीं अमूल बटर मिल्कबास्केट, बिगबास्केट और फ्लिपकार्ट किराना जैसे विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध नहीं है।

19 नवंबर को बैंक शाखाओं पर लटका रहेगा ताला

एआईबीईए ने किया है हड़ताल का एलान

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। देश में 19 नवंबर को बैंक उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, अखिल भारती बैंक कर्मचारी संघ ने 19 नवंबर को बैंकों में हड़ताल का एलान किया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से दाखिल की गई एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया गया है कि एआईबीईए ने भारतीय बैंक संघ को हड़ताल का नोटिस दिया है। हड़ताल के कारण बैंक शाखा बंद होने से लोगों को 19 नवंबर (शनिवार) को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। 19 नवंबर को महीने का तीसरा शनिवार है। बता दें कि हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को बैंक आम दिनों की तरह खुले रहते हैं। बीते सोमवार को एक नियामक फाइलिंग में बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, 'अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के महासचिव ने भारतीय बैंक संघ को हड़ताल का नोटिस दिया है, जिसमें बताया गया है कि उनके सदस्य अपनी मांगों को लेकर 19.11.2022 को हड़ताल पर जा सकते हैं।'

मेटा में सबसे बड़ी छंटनी

जुकरबर्ग ने कहा-कंपनी के गलत कदमों के लिए वो जिम्मेदार

ग्रोथ की उम्मीद में ज्यादा भर्ती की

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक (पहले फेसबुक) आज से छंटनी शुरू कर रहा है। चीफ एग्जीक्यूटिव मार्क जुकरबर्ग ने मंगलवार को एक मीटिंग में सैकड़ों एग्जीक्यूटिव्स को इसकी जानकारी दी। निकाले जाने वाले एम्पलॉइज की संख्या कुल संख्या का 10% हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2004 में अपनी स्थापना के बाद से कंपनी की यह सबसे बड़ी छंटनी होगी।

जुकरबर्ग ने ली गलत कदमों की जिम्मेदारी

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में लिखा- जुकरबर्ग मंगलवार की मीटिंग में निराश दिखाई दिए और कहा कि वह कंपनी के गलत कदमों के लिए जवाबदेह हैं। जुकरबर्ग ने कहा, कंपनी की ग्रोथ को लेकर उनके बहुत ज्यादा आशावादी होने के कारण ओवरस्टाफिंग हुई। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा एम्प्लॉई रिक्रूटिंग और बिजनेस टीम से निकाले जा रहे हैं।

एम्प्लॉइज को मिलेगी चार महीने सैलरी

कंपनी की छंटनी के प्लान की आंतरिक घोषणा भारतीय समय अनुसार बुधवार को शाम 04.30 बजे के आसपास हुई है। मेटा की ह्यूमन रिसोर्स हेड लोरी गोलर ने ग्रुप को बताया कि निकाले एम्प्लॉइज चार

महीने सैलरी दी जाएगी। इस मीटिंग से कुछ दिन पहले ही कंपनी के अधिकारियों ने एम्प्लॉइज को गैर-जरूरी यात्रा रद्द करने के लिए कहा था।

सितंबर 2022 के अंत तक मेटा में 87,314 कर्मचारी थे। मेटा वर्तमान में वॉटसऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक सहित दुनिया के कुछ सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का मालिक है। हालांकि, कंपनी मेटावर्स पर अपना खर्च बढ़ा रही है। मेटावर्स एक आभासी दुनिया है जहां यूजर अपने स्वयं के अवतार बना सकते हैं। लॉ एडॉप्टेशन रेट और महंगे आरएण्डडी के कारण कंपनी को लगातार घाटा हुआ है।

एचसीएल-रिलायंस साथ मिलकर बनाएंगी सेमीकंडक्टर

आईएसएमसी में दोनों खरीद सकती हैं 30-30 फीसदी हिस्सा

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में उतर सकती हैं। दोनों कंपनियां आईएसएमसी एनालॉग में 30-30 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बात कर रही हैं। केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है। इससे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में घरेलू कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ रही है।

आईएसएमसी एनालॉग में रिलायंस और एचसीएल 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर सकती हैं। इसके लिए दोनों कंपनियों की अलग-अलग बातचीत चल रही है। अगर यह सौदा होता है तो रिलायंस और एचसीएल आईएसएमसी एनालॉग में जगह पा सकती हैं। रिलायंस के इस सौदे का मकसद यह है कि वह सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का ज्यादातर हिस्सा देश में तैयार करना चाहती है।

अब धान की पराली से हाईवे बनवाएंगे नितिन गडकरी

हाइलाइट्स

> नितिन गडकरी का कहना है प्रदूषण की समस्या से निपटने को सभी को साथ आना होगा.

> पराली से बायो-बिटुमन बनाने की तकनीक पर काम किया जा रहा है.

> इससे खेतों में ही पराली से सड़क बनाने के काम आने वाला बिटुमन बनाया जा सकेगा.

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। धान की पराली जलाने से दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई स्थानों पर प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है. हरियाणा और पंजाब के खेतों में किसानों द्वारा पराली में आग लगाने से राष्ट्रीय राजधानी में तो सांस लेना भी दूभर हो गया. लेकिन, आने वाले सीजन में शायद इस समस्या से छुटकारा मिल जाए. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

2-3 महीनों में आ जाएगी तकनीक

नितिन गडकरी ने खुलासा किया है कि उनका मंत्रालय पराली से सड़क बनाने की टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है. इसमें पराली का इस्तेमाल बायो-बिटुमन बनाने के लिए किया जाएगा।

मनीकंट्रोलकी एक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश के आदिवासी जिले मंडला में 1,261 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क परियोजनाओं की आधारशिला के लिए आयोजित कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि यह टेक्नोलॉजी 2-3 महीनों में आ जाएगी. गडकरी ने कहा कि देश के किसान ऊर्जा पैदा करने में भी सक्षम हैं. हमारे किसान सिर्फ अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बन रहे हैं. वे सड़क बनाने के लिए बायो-बिटुमन और ईंधन बनाने के लिए एथेनॉल का उत्पादन भी कर सकते हैं।

क्या है बिटुमन?

बिटुमेन एक काले रंग का तरल पदार्थ होता है. कई जगह इसे तारकोल भी कहा जाता है. इसे कच्चे पैट्रोलियम से प्राप्त किया जाता है. यह प्राकृतिक रूप से भी मिलता है. इसका प्रयोग सड़क निर्माण, उड़ान पट्टी निर्माण इत्यादि में होता है. सड़कें बनाने में इसका खूब प्रयोग होता है. यह बजरी और पत्थरों को चिपकाकर रखता है।

पराली से ऐसे बनेगा बायो-बिटुमन नितिन गडकरी ने कहा कि पराली से बायो-बिटुमन खेत में ही बनाया जाएगा. इसे बनाने के लिए ट्रैक्टर के पीछे एक मशीन लगाई जाएगी. यह मशीन ही बायो-बिटुमन बनाएगी. बायो-बिटुमेन का इस्तेमाल सड़क बनाने में किया जा सकता है. उन्होने कहा कि नई तकनीक हम दो से तीन महीनों में लॉन्च कर देंगे.

प्रदूषण से निपटने को आना होगा साथ

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर गडकरी ने कहा कि इससे निपटना थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं. केंद्र सरकार, राज्य सरकार, नगर निगम और किसान मिलकर कोशिश करेंगे तो इससे छुटकारा पाया जा सकता है. हमें राजनीति को भूलाकर प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

फर्जी एक्सपीरियंस लेटर और फेक सीवी लगाकर नौकरी कर रहे लोग!

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। फर्जी दस्तावेज लगाकर नौकरी पाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। अभी बीते दिनों आईटी की दिग्गज कंपनी एक्सेंचर इंडिया ने जांच में पाया था कि फर्जी एक्सपीरियंस लेटर लगाकर बड़ी संख्या में लोग नौकरी कर रहे हैं। जांच में खुलासा होने पर एक्सेंचर ने भारत में ऐसे लोगों को नौकरी से बाहर निकाला है। कई कंपनियों में फर्जी सीवी लगाकर नौकरी हासिल करने के भी मामले सामने आ चुके हैं।

योग्य लोगों की कमी

रिपोर्ट के मुताबिक, आईटी सेक्टर में पिछले डेढ़ साल में बड़े पैमाने पर योग्य लोगों की कमी देखी जा रही है। नौकरी चाहने वालों द्वारा सिस्टम को चलाने के लिए काफी बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए हैं। इस दौरान कई लोगों ने नकली रिज्यूमे और अनुभव पत्रों का इस्तेमाल किया है। अब जैसे-जैसे कंपनियां ऐसे कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की जांच पूरी कर रही हैं,

कंपनियां दिखा रहीं बाहर का रास्ता

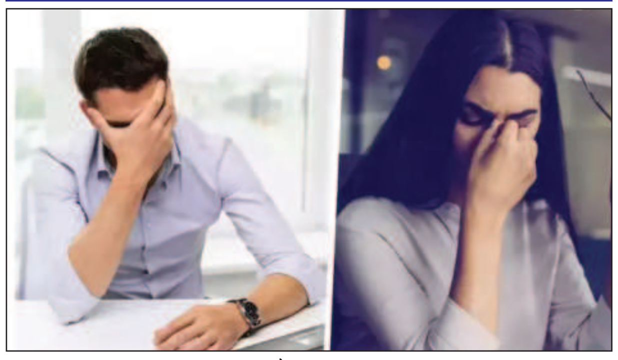

ये मामले सामने आ रहे हैं। कंपनियां इस तरह के लोगों को अब बाहर का रास्ता दिखा रही हैं।

इस आईटी कंपनी ने लोगों को जॉब से निकाला

आईटी की दिग्गज कंपनी एक्सेंचर इंडिया ने बीते दिनों ऐसे ही एक मामले का खुलासा किया है। एक्सेंचर इंडिया ने भारत में फर्जी एक्सपीरियंस लेटर लगाकर जॉब कर रहे लोगों को बाहर निकाला है। ये लोग काफी समय से फर्जी एक्सपीरियंस लेटर लगाकर नौकरी कर रहे थे। हालांकि आधिकारिक तौर पर कितने लोगों को नौकरी से निकाला गया है अभी कंपनी ने इसकी जानकारी नहीं दी है।

कंपनियों को योग्य कर्मचारियों की जरूरत

एक्सेंचर इंडिया के मुताबिक, योग्य कर्मचारियों की जरूरत है। ऐसे कर्मचारियों को जॉब पर रखने की प्रक्रिया जारी रहेगी। अभी भारत में कंपनी के 3 लाख से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉग्निजेंट इंडिया के प्रमुख राजेश नांबियार ने कहा कि कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की जांच जारी रखेंगे। कंपनियां कई कारणों से ऑनबोर्डिंग से पहले पृष्ठभूमि की जांच नहीं करती हैं।

ऐसा करने में उन सभी उम्मीदवारों की जांच करना शामिल होगा जिन्हें नौकरी की पेशकश की गई है, जिनमें वे भी शामिल हैं जो कंपनी में शामिल होने का इरादा नहीं रखते हैं। कंपनियां भी जल्दी से कर्मचारी की ज्वाइनिंग कराना चाहती हैं, जिससे उम्मीदवार किसी नए प्रस्ताव की तलाश न करने लगे।

आईटी कंपनियों ने जमकर की है हायरिंग

पिछले 18 महीनों में, आईटी फर्मों ने बड़ी संख्या में हायरिंग की है। इस दौरान कंपनियां ठीक से कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की जांच नहीं कर पाई थीं। अब कंपनियां सभी कर्मचारियों की जांच कर रही है। सभी के दस्तावेजों को चेक किया जा रहा है।

गिरावट में बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 151 अंक गिरकर 61,033 पर बंद, निफ्टी भी 45 अंक टूटा; रुपया हुआ मजबूत

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन, यानी बुधवार (9 नवंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 151 अंकों की गिरावट के साथ 61,033 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 45 अंक गिरकर 18,157 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं सिर्फ 8 शेयरों में बढ़त रही। हालांकि आज शेयर बाजार की शुरुआत अच्छी रही थी। सेंसेक्स 119 अंकों की बढ़त के साथ 61304 के स्तर पर खुला था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी निफ्टी 18288 के स्तर पर खुला था। स्पेशलिटी केमिकल बनाने वाली कंपनी आर्कियन केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग आज से खुल गया है। ये आईपीओ 11 नवंबर तक निवेश के लिए खुला रहेगा। आईपीओ के पहले दिन ग्रे मार्केट में शेयर का भाव 70 रुपए के प्रीमियम पर दिख रहा है।

सोने-चांदी के भाव में बंपर उछाल

72000 तक जा सकता है सिल्वर

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)। शादियों के सीजन में सोने-चांदी के रेट सरपट भाग रहे हैं। आज भी सोना-चांदी दोनों के भाव में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का औसत हाजिर भाव 51500 रुपये के पार पहुंच गया है और यह सोमवार के बंद भाव के मुकाबले 544 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर खुला। वहीं, चांदी आज 1144 रुपये प्रति किलो की छलांग लगाकर 61389 रुपये पर खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 4752 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से अब केवल 14619 रुपये ही सस्ती है। केडिया कमोडिटिज के अजय केडिया कहते हैं कि बहुत जल्द चांदी 62000 के स्तर को भी तोड़ सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उसे 72000 के स्तर तक भी पहुंच सकता है।

जीएसटी समेत 14 से 24 कैरेट सोने का ताजा भाव

आज सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का जीएसटी समेत औसत हाजिर भाव 53047 रुपये है। इसमें 99.99 पर्सेंट सोना होता है और इससे कोई जेवर नहीं बनता। आज यह 51502 रुपये पर खुला। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की औसत कीमत अब जीएसटी के साथ 52834 रुपये है। आज यह 51296 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। इसमें 95 पर्सेंट सोना होता है। इस पर अगर ज्वेलर का मुनाफा जोड़ लें तो यह 58111 रुपये पड़ेगा। ज्वेलरी मेकिंग चार्ज के साथ यह 60000 रुपये के पार पहुंच जाएगा।

पूर्व बसपा विधायक ने स्वीकारी 100 करोड़ की अघोषित आय

12 शहर, 35 ठिकाने और 85 घंटे चली आईटी की सर्च ; मायावती के करीबी हैं भुट्टो

आगरा, 9 नवंबर (एजेंसियां)। आगरा में पूर्व बसपा विधायक और बडे. मीट कारोबारी जुल्फिकार अहमद भुट्टो की एचएमए कंपनी पर इनकम टैक्स विभाग की जांच चार दिन चली। भुट्टो ने आईटी के सामने 100 करोड़ रुपए की अघोषित आय स्वीकारी हैं। आईटी ने मीट कारोबारी के 12 शहरों में 35 ठिकानों पर 35 टीमों ने लगातार 85 घंटे तक जांच की। आगरा में यह अब तक की सबसे बड़ी सरेंडर राशि है।

5 नवंबर को शुरू हुई थी सर्च

भुट्टो की एचएमए कंपनी और घर पर 5 नवंबर सुबह नौ बजे आटी विभाग की टीम ने सर्च शुरू की थी। 12 शहरों में ग्रुप के 35 ठिकानों पर एक साथ सर्च की गई थी। 5 नवंबर से सर्च लगातार जारी थी। सर्च में इनकम टैक्स की टीमों को कई वित्तीय अनियमितताएं मिली थीं।

ऐसे में माना जा रहा था कि आईटी को टैक्स चोरी में बड़ी कामयाबी मिलेगी। लगातार 85 घंटे चली कार्रवाई मंगलवार शाम को समाप्त हुई। आईटी के सूत्रों का कहना है कि एचएमए ग्रुप की ओर से 100 करोड़ रुपए की अघोषित आय स्वीकारी गई है। इनकम टैक्स विभाग अब इस पर टैक्स वसूलेगा।

दो हजार करोड़ का है टर्न ओवर

एचएमए ग्रुप फ्रोजन मीट के कारोबार में देश में तीसरे नंबर की कंपनी मानी जाती है। कंपनी का विश्व के 40 देशों में मीट का निर्यात है। ग्रुप का सालाना टर्नओवर करीब दो हजार करोड़ रुपए का है। जांच में सामने आया था कि इतना टर्नओवर होने के बाद भी ग्रुप का मुनाफा कम था।

कर्मचारी के खाते में करोड़ों का लेनदेन

IT की टीम को जांच में एक बड़ा मामला मिला था। पूर्व विधायक भुट्टो की कंपनी में काम करने वाले मंटोला निवासी इसरार के खाते में करोड़ों रुपए मिले थे। जबकि खाता संचालक की आर्थिक स्थिति चौंकाने वाली थी।

जांच टीम का मानना है कि इसरार की तरह और भी कई कर्मचारी हो सकते हैं, जिनके नाम पर बैंक अकाउंट खुलवाए गए हैं। इन खातों से भैंस सप्लाई के नाम पर करोड़ों का भुगतान होता है। इन खातों में जो भी धनराशि ट्रांसफर हुई है, उसे नगद में निकल लिया गया था।

बसपा सुप्रीमो का करीबी है भुट्टो

पूर्व विधायक जुल्फिकार अहमद भुट्टो ने 2007 में छावनी विधानसभा से बसपा के टिकट पर चुनाव जीता था। 2007 से 2012 तक प्रदेश में बसपा की सरकार रही। मायावती मुख्यमंत्री रहीं। बताया जाता है कि जुल्फिकार अहमद बसपा सुप्रीमो का काफी करीबी था।

उस समय बसपा के बडे. मुस्लिम नेता नसीमउद्दीन सिद्दीकी से भुट्टो की बहुत नजदीकी रही। भुट्टो के विधायक बनने के बाद उसका फ्रोजन मीट का कारोबार तेजी से बढ़ा।

आगरा में छलेसर पर स्लाटर हाउस के बाद अलीगढ़ में भी स्लाटर हाउस खोला था। बसपा के पांच साल के कार्यकाल में भुट्टो ने प्रदेश में कई जगह अपने काम को विस्तार दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई चैट

जांच के बीच में सोशल मीडिया पर पूर्व विधायक और उनके स्लाटर हाउस पर कश्मीरी गार्ड तैनात होने की बात भी सामने आई थी। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हुए। इसमें पूर्व विधायक के साथ उनके निजी गार्ड तैनात हैं, उनके कश्मीरी होने की बात कही गई।

इसके अलावा सोशल मीडिया पर मोबाइल के स्क्रीन शॉट वायरल हुए। ये स्क्रीन शॉट पूर्व विधायक के परिवार वालों के बताए गए। इसमें पाकिस्तान के किसी व्यक्ति से बात होने की बात कही गई है। हालांकि इनकी पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं हुई।

आजमगढ़ में किसानों के आंदोलन को धार देंगे टिकैत

जमीन अधिग्रहण के विरोध में 28 दिन से किसानों का चल रहा धरना-प्रदर्शन

आजमगढ़, 9 नवंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ में पिछले 28 दिनों से मंदुरी के जमुआ में चल रहे किसानों के धरने में शामिल होने किसान नेता राकेश टिकैत आ रहे हैं। जिले में एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के विरोध में मंदुरी के जमुआ में विगत 28 दिनों से महिलाओं और किसानों का धरना प्रदर्शन चल रहा है। धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों और महिलाओं का कहना है कि हम अपनी जान दे देंगे पर जमीन नहीं।

इस धरना प्रदर्शन के पक्ष में दो दिन पूर्व हरियाणा और उत्तराखंड के किसान नेता शामिल हुए थे। किसान नेताओं ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी भी दी थी। एक दिन पहले जनांदोलन की नेता मेघा पाटेकर ने भी किसानों के पक्ष में समर्थन करते हुए प्रदेश और केन्द्र पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार जनतंत्र को कुचलने का काम कर रही है।

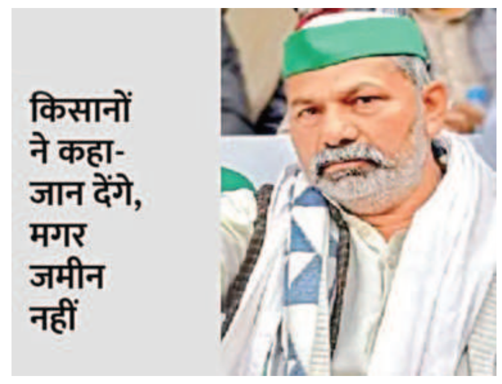

जान दे देंगे पर जमीन नहीं

जिला प्रशासन भले ही मंदुरी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण की तैयारियों में लगा हुआ है, पर जिले के किसान और धरना दे रही महिलाएं मानने को तैयार नहीं है। धरना दे रही महिलाओं ने एयरपोर्ट को शिफ्ट करने की मांग करते हुए कहा कि हम लोगों के साथ सरकार ज्यादती कर रही है। धरना दे रही महिलाओं का कहना है कि जिला प्रशासन ने 12 अक्टूबर की रात सर्वे के नाम पर महिलाओं के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। वहीं किसान रैली के संयोजक राजीव यादव का कहना है कि आजमगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की जरूरत नहीं है। एयरपोर्ट के नाम पर किसानों को उजाड़ा जाना यह कहां का न्याय है।

बाराबंकी में नाव पलटने से 30 डूबे, 3 की मौत

युवक बोला- मैंने 5 लोगों को पानी से बाहर निकाला, 3 घंटे लगातार किया रेस्क्यू

बाराबंकी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी में बड़ा हादसा हो गया है। यहां सुमली नदी नाव पलटने से 30 लोग डूब गए। जिसमें से 3 बच्चों की मौत हो गई है। जबकि 7 लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जबकि 20 लोग सुरक्षित बाहर निकाल आए। सभी लोग दंगल देखने जा रहे थे। हालांकि पुलिस और गोताखोर अभी भी रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। मौके पर डीएम-एसपी समेत पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए हैं।

दंगल देखने जा रहे थे

बताया जाता है कि नदी के उस पार मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बैराना मऊ मझारी गांव में दंगल चल रहा था। उसे देखने सभी लोग नाव में सवार होकर समुली नदी के उस पार जा रहे थे। तभी बीच में नाव पहुंचते ही बैलेंस बिगड़ गया और नाव पलट गई। देखते ही देखते लोग डूब गए। मृतकों में रितु (18 वर्ष) पुत्री जयकरण, प्रियंका (5 वर्ष) पुत्री रामप्रवेश, हिमांशु (8 वर्ष) पुत्र छोटू निवासी ग्राम सालपुर थाना मोहम्मदपुर खाला शामिल हैं।

तैर कर बाहर आए युवक ने बताया कैसे हुआ हादसा

हादसे में बचे राहुल ने बताया, नाव में 30 लोग सवार थे। ज्यादा दूर नहीं जाना था इसलिये कोई उतरने को तैयार नहीं हुआ। हम लोग नाव से आधी नदी पार कर चुके थे कि अचानक बैलेंस बिगड़ा और बमुश्किल 10 सेकेंड में नाव डूब गई। बच्चों समेत कई लोग डूब गए। किसी तरह एक बच्चे को बाहर पकड़कर ले आया। बाकी जो लोग तैरना जानते थे वे किसी न किसी को पकड़कर बाहर निकल आए। हम लोग 6 राउंड में 5 बच्चों को बाहर निकाल लाए थे।

नाव के अलावा नहीं था दूसरा रास्ता

दंगल देखने जाने के लिए ग्रामीणों के लिए नाव के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं था। बताया जा रहा नाव पर सिर्फ 3-4 पुरुष ही सवार थे। बाकी सभी बच्चे और महिलाएं थे। नदी के अंदर सिवार भी है जिसमें भी लोगों के फंसने की आशंका जाहिर की जा रही है। घटना स्थल से मोहम्मदपुर खाला थाना 8 किमी दूर है।

सीएम ने जताया दुख, तत्काल मदद के निर्देश

डूबे हुए सभी बच्चे एक ही गांव के निवासी थे। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. सुनील रावत मौके पर मौजूद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर घटना पर शोक जताया है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तत्काल मदद मुहैया कराए जाने के निर्देश दिए हैं। मौके पर राहत व बचाव कार्य जारी है।

डीएम बोले- 3 शव बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

डीएम ने बताया कि नदी से 3 बच्चों के शव बरामद कर लिये गए हैं। 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक ही हालत गंभीर है। गांव वालों ने बताया है कि अभी और लोग लापता हैं, इसलिये अभी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

मुलायम की सीट पर यादव बनाम ओबीसी की चुनावी लड़ाई

तेज प्रताप लड़ सकते हैं चुनाव, बीजेपी लगा सकती है शाक्य उम्मीदवार पर दांव

लखनऊ, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने पार्टी के कुछ अहम लोगों के साथ रणनीति तैयार की है। करीब 2 घंटे तक पार्टी के महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के आवास पर मैनपुरी और इटावा के नेताओं से चर्चा हुई। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले चुनाव में इस सीट पर यादव बनाम ओबीसी प्रत्याशी लड़ने वाले हैं। इस बैठक में पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव भी मौजूद रहे। बीजेपी के लिए ये चुनाव इसलिए भी अहम है, क्योंकि सपा के गढ़ यानी मैनपुरी में कभी कमल पर लड़ने वाले प्रत्याशी खाता तक नहीं खोल सके हैं।

मैनपुरी में करहल, किशनी, भोगांव और सदर विधानसभा सीट आती है। लोकसभा की पांचवीं विधानसभा सीट इटावा की जसवंतनगर है। यहां से शिवपाल सिंह यादव 6 बार के विधायक हैं। माना जा रहा है कि यहां से सपा को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है।

शिवपाल की नाराजगी से बिगड़ सकती है राजनीति

सूत्र बताते हैं कि सपा परिवार में रविवार को हुई बैठक में तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाने पर सहमति लगभग बन गई थी। लेकिन शिवपाल को साथ लाने पर बात नहीं बनी। इसी के बाद प्रसपा अध्यक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है।

गोरखपुर में मंगलवार को उन्होंने कहा,₹अखिलेश यादव चापलूसों से घिरे हैं।₹ साफ है कि मुलायम के न रहने के बाद अखिलेश व शिवपाल में नजदीकी की संभावनाएं भी अब इस तरह की बयानबाजी से धूमिल होती दिख रही हैं।

5 बाद मैनपुरी से चुनाव लड़े, सभी जीते

सपा के गठन के बाद से अब तक मैनपुरी लोकसभा सीट पर कुल नौ लोकसभा चुनाव हुए। प्रत्याशी कोई भी रहा हो, पर्दे के पीछे हमेशा नेताजी ही रहे। हर चुनाव में उनका जादू चला। उनके जादू के दम पर ही सपा कभी भी लोकसभा चुनाव नहीं हारी। हर चुनाव में पार्टी प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

नेताजी मुलायम सिंह यादव अपने जीवन में सात बार सांसद चुने गए। मैनपुरी से उन्होंने पांच लोकसभा चुनाव लड़े और हर चुनाव को जीता। मैनपुरी के मतदाताओं ने अपने नेता को पांच बार संसद पहुंचाया। धरतीपुत्र की धरती पर सपा प्रत्याशियों ने हर बार बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

बीजेपी की प्रत्याशी कोर कमेटी की बैठक में अगले 48 घंटे में होंगे तय

सीएम आवास पर आयोजित बैठक में भूपेंद्र चौधरी और धर्मपाल सिंह ने मुख्यमंत्री के साथ मैनपुरी और रामपुर उप चुनाव की तैयारी को लेकर बातचीत की। माना जा रहा है कि कोर कमेटी अगले 48 घंटे में प्रत्याशी का ऐलान कर देगी। चुनाव को लेकर फिल्ड सर्वे के अनुसार ही प्रत्याशी तय होंगे।

वहीं बीजेपी ने मैनपुरी लोक सभा सीट पर पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य, विधायक ममतेश शाक्य, राहुल राठौर, तृप्ति शाक्य, प्रेम सिंह शाक्य समेत कई नामों पर पार्टी में चर्चा चल रही है। फिलहाल बीजेपी में मुलायम खानदान की छोटी बहू अपर्णा यादव को मैनपुरी लोकसभा सीट उतारने का विचार चल रहा है।

रामपुर में फिर एक बार पसमांदा मुसलमान, शाक्य यादव वोट के बराबर

मैनपुरी में भाजपा के साथ संघ परिवार और वैचारिक संगठनों को भी सक्रिय कर दिया गया है। जबकि रामपुर में अल्पसंख्यक मोर्चा को सक्रिय किया है। लोक सभा में सपा से चुनाव मुकाबले के लिए भाजपा शाक्य समाज के उम्मीदवार पर दांव लगा सकती है। मैनपुरी में यादव और शाक्य मतदाताओं की संख्या बराबर है।

मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हो रहे चुनाव में यादव और मुस्लिम वोट एक तरफा सपा को जा सकता है। लिहाजा शाक्य समाज को टिकट देकर भाजपा शाक्य सहित अन्य जातियों को साधकर मुकाबले को मजबूत बनाना चाहती है। हालांकि मैनपुरी और रामपुर चुनाव पर केंद्रीय नेतृत्व की भी पूरी नजर है। दोनों सीटों पर प्रत्याशी चयन में केंद्रीय नेतृत्व भी फीडबैक ले रहा है। इसके अलावा रामपुर विस क्षेत्र में भाजपा ने मुस्लिम मतदाताओं को साधने के लिए 12 नवंबर को मुस्लिम लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन रखा है।

13 को होगा पसमांदा सम्मेलन

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बताया कि 13 नवंबर को बरेली में पसमांदा समाज का सम्मेलन आयोजन किया जा रहा है। वहीं रामपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी नॉन यादव ओबीसी यानी शाक्य या अन्य किसी ओबीसी जाति के उम्मीदवार को उतार सकती है। बीजेपी पार्टी सूत्रों की मानें तो पसमांदा मुसलमान को भी भाजपा अपना उम्मीदवार रामपुर विधानसभा सीट पर बना सकती है।

तेजस्वी यादव के जन्मदिन पर 425 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र

सीएम नीतीश ने मंच से दी बधाई, कहा – हमने ही आज की तारीख चुनी

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम तेजस्वी प्रसाद यादव के जन्मदिन पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने पटना के ज्ञान भवन में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन करवाया। इस समारोह में सीएम नीतीश कुमार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े पॉलिटेक्निक कालेज के 281 सहायक प्राध्यापक को और 144 प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया। कुल 425 पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। इस मौके पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, पंचायती राज विभाग के मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम और साइंस टेक्नोलॉजी मिनिस्टर सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे।

सीएम बोले - हमने तेजस्वी के जन्मदिन पर नियुक्ति पत्र बांटने का लिया निर्णय

कार्यक्रम में जब सीएम नीतीश कुमार का संबोधन शुरू हुआ, तो उन्होंने कहा कि पहले दोनों विभाग पंचायती राज और सूचना प्रावैधिकी विभाग से सूचना आई थी नियुक्ति पत्र वितरण के लिए। तो हमने उस समय कहा कि 9 तारीख को एक ही साथ दोनों विभाग का नियुक्ति पत्र वितरण करेंगे। उस दिन तेजस्वी यादव का जन्मदिन भी है। इसलिए हमने 9 तारीख को चुना।

उन्होंने आगे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को जन्मदिन की बधाई दी और हमेशा आगे बढने का दिया आशीर्वाद भी दिया। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग लगातार युवाओं के लिए काम कर रहे हैं। लोगों को नौकरी देने का आश्वासन भी हमने दिया है, जो कि हम जल्द से जल्द पूरा करेंगे। वहीं उन्होंने बीजेपी का नाम लिए बिना कहा कि हम सभी को आपसी भाईचारा और प्रेम भाव से रहना है। क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए कुछ लोग समाज में विवाद पैदा करने की कोशिश जरूर करेंगे।

इस मौके पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि मीडिया के कुछ लोगों ने मुझसे सवाल किया था कि बीजेपी की तरफ से आपको क्या गिफ्ट चाहिए। जिस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे अगर गिफ्ट ही देना है, तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे दीजिए।

पीके का महागठबंधन पर हमला जारी

बोले-लालू के अपराधियों से डर कर लोगों ने नीतीश को वोट दिया, अब अधिकारी लूट रहे हैं

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर लगातार चंपारण में पदयात्रा कर रहे हैं। बीच-बीच में कुछ ऐसे बयान देते हैं, जिससे वह सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों वह नीतीश कुमार और लालू यादव पर लगातार हमला करते रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने एक विवादित बयान देते हुए यह कहा कि लालू यादव के अपराधियों से डरकर लोगों ने नीतीश कुमार को वोट दिया अब नीतीश कुमार के अधिकारी लूट रहे हैं। इस बयान के बाद बिहार की राजनीति तेज हो गई है।

जदयू ने किया पलटवार

वहीं, जेडीयू ने पलटवार करते हुए कहा कि यह वही प्रशांत किशोर हैं जो नीतीश कुमार को विकास पुरुष कहते नहीं थकते थे। उनके एजेंडा का प्रचार देश में घूम घूम कर करते थे। वे अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए इस तरह का बयान दे रहे हैं।

गरीबी को लेकर उठाए सवाल

पश्चिमी चंपारण के बकौलिया टोला पंचायत में प्रशांत किशोर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नेताओं ने इस तरीके से जाति का अफीम आपके नसों में घुसा दिया है कि उसके ऊपर उठकर आप सोचते ही नहीं है। आपको सोचना होगा आप गरीब क्यों हैं? आपके बच्चों के तन पर कपड़ा नहीं है, गरीबी है, आपके पास पक्का मकान नहीं है। कोई भी विधायक सांसद एक या दो बार नहीं बल्कि लगातार ठगता जा रहा है।

जनता सिर्फ रोना रोते हैं

पीके ने यहां तक कहा कि पहले लालू राज में अपराधियों से त्रस्त होकर लोगों ने नीतीश कुमार को वोट दिया और अब नीतीश राज में अधिकारी लूट रहे हैं।

आगे उन्होंने कहा कि कोई दूसरे राज्य के व्यक्ति आकर वोट नहीं करता, हम खुद उन्हें वोट देते हैं और फिर अपनी समस्याओं का रोना रोते रहते हैं। लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले 25-30 सालों से कभी लालू कभी नीतीश को आप जिताते रहे हैं। लालू यादव के अपराधियों से डरकर आपने नीतीश को जिताया, अब नीतीश के अधिकारी आप को लूट रहे है।

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा : ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं में पारदर्शिता लाएं

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। होटल चाणक्या के सभा कक्ष में राज्यभर के सभी जिला के उप विकास आयुक्तों के साथ ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक की गई। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), इंदिरा आवास योजना, जीविका, मनरेगा, जल-जीवन-हरियाली मिशन, सामाजिक अंकेक्षण, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूरबन योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना आदि की विस्तृत समीक्षा की गयी एवं विस्तृत निर्देश दिए गए।

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं गांव के गरीबों से जुड़ी है, इसमें पारदर्शिता लाएं। काम में ढिलाई बरतने वाले कर्मियों के विरूद्ध ठोस कार्रवाई होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2020-21 तक के 1 लाख 96 हजार 333 अपूर्ण आवासों के साथ ही वित्तीय वर्ष 2021-22 में आवास प्लस के तहत अपूर्ण 3 लाख 45 हजार 510 आवास के लक्ष्य को भी पूर्ण करने एवं 31 दिसम्बर, 2022 तक हरेक हाल में राज्य भर में शत-प्रतिशत आवासों को पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

सभी उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया कि आवास योजना की गहनता से समीक्षा करें और स्वीकृति से प्रथम किश्त के गैप को कम करें। बैठक में विभाग के सचिव बाला मुरुगन डी, आयुक्त मनरेगा राहुल कुमार, संयुक्त सचिव अरविन्द मंडल, उप सचिव रवि कुमार एवं विभागीय पदाधिकारियों के अतिरिक्त सभी जिलों के उप विकास आयुक्तों ने भाग लिया।

गोपालगंज के बाद कुढ़नी में भी एआईएमआईएम इफेक्ट

कुढ़नी उपचुनाव में लड़ेगी एआईएमआईएम, आरजेडी की जगह जेडीयू उतारेगा उम्मीदवार

पटना, 9 नवंबर (एजेंसियां)। मोकामा और गोपालगंज विधानसभा उपचुनाव के परिणाम के बाद अब सभी सियासी दल कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव की तैयारी कर रहे हैं। दोनों जगहों के परिणाम को देखते हुए कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है।

दरअसल, इस उपचुनाव में बिहार की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां तो चुनाव लड़ेंगे ही साथ में वह सियासी पार्टियां भी कूदने को तैयार हैं जिनके थोड़े बहुत वोट हैं और ऐसे में महागठबंधन को बड़ा नुकसान हो सकता है।

क्योंकि इस चुनावी समर में बीजेपी अकेली ऐसी पार्टी है जो पूरे महागठबंधन के सातों दल के खिलाफ चुनाव लड़ रही है। इस उपचुनाव में एआईएमआईएम ने चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है वही, वीआईपी ने भी वहां चुनाव लड़ने का मन बनाया है। बता दें कि मुजफ्फरपुर के कुढ़नी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए 17 नवंबर तक किया जाएगा नामांकन। 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 21 नवंबर तक प्रत्याशी नामांकन वापस ले सकते हैं। फिर पांच दिसंबर को मतदान होगा। आठ दिसंबर को मतगणना होगी।

नाबालिग गर्लफ्रेंड से संबंध बनाने वाला प्रेमी बरी

हाईकोर्ट ने कहा- सहमति की उम्र पर फिर से हो विचार

एक्सक्लूसिव डेस्क, 9 नवंबर (एजेंसियां)। '16 साल की नाबालिग लड़कियों के प्यार करने और प्रेमी के साथ यौन संबंध बनाने से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। ऐसे में हमारा मानना है कि 'लॉ कमीशन' को सेक्स के लिए सहमति की उम्र पर एक बार फिर से विचार करना चाहिए। हमें सोचना होगा कि 16 साल और उससे ज्यादा उम्र की लड़कियों के साथ उनकी सहमति से संबंध बनाना क्या अब भी कोई अपराध है?' 5 नवंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट में 2 जजों की बेंच ने एक मामले में ये बातें कहीं। इस टिप्पणी के साथ ही नाबालिग लड़की से यौन संबंध बनाने वाले उसके प्रेमी को कोर्ट ने बरी कर दिया। नाबालिग लड़कियों को लेकर की गई हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के मायने क्या हैं?

साल 2017 की बात है। 17 साल की रिहाना (बदला हुआ नाम) अपने प्रेमी अजहर (बदला हुआ नाम) के साथ फरार हो गई थी। दोनों ने एक दूसरे से शादी रचाई और कुछ दिनों के बाद ही रिहाना गर्भवती हो गई। लड़की की मां और पिता ने लड़के के खिलाफ तीन धाराओं में केस दर्ज कराया जो इस तरह है...

1. आईपीसी की धारा 376(2)(j): इस मामले में केस दर्ज तब होता है जब नाबालिग के साथ यौन प्रताड़ना से उसके शरीर को नुकसान पहुंचता है।

2. पाक्सो अधिनियम की धारा 5(1): स्कूल या सामूहिक जगह पर किसी नाबालिग के साथ लैंगिक हमला करने पर इस धारा के तहत केस दर्ज किया जाता है।

3. पाक्सो अधिनियम की धारा 6: नाबालिग के यौन शोषण करने वालों के दोषी साबित होने पर इस धारा के तहत 10 साल या आजीवन जेल की सजा हो सकती है।

इस मामले में गवाह के मुकरने की वजह से निचली अदालत ने लड़के को बरी कर दिया था। इसके बाद निचली अदालत के फैसले को लड़की के घरवालों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अब 5 साल बाद 7 नवंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट में जस्टिस सूरज गोविंदराज और जस्टिस जी. बसवराज की पीठ ने भी नाबालिग लड़की से संबंध बनाने वाले उसके प्रेमी को बरी कर दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने कानून संबंधी विषयों पर सुझाव देने वाली सबसे बड़ी संस्था 'लॉ कमिशन' को सेक्स के लिए सहमति की उम्र पर फिर से विचार करने के लिए कहा है।

भारत में 18 साल से कम उम्र की लड़की को कानूनी तौर पर नाबालिग माना गया है। यही वजह है कि 18 से कम उम्र की लड़कियों की शादी कानूनी रूप से अपराध है।

इतना ही नहीं नाबालिग लड़कियों की सहमति से सेक्स करना भी पॉक्सो एक्ट 2012 के तहत अपराध माना गया है। साथ ही बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के मुताबिक 18 साल से कम उम्र में शादी कानूनी रूप से अपराध है। इतना ही नहीं जबरन इस तरह की शादी कराने वाले लोग भी अपराधी हैं। रिहाना और उसके प्रेमी अजहर के मामले में भी लड़की की उम्र 17 साल थी, जिसकी वजह से उसके माता-पिता ने पॉक्सो एक्ट के तहत लड़के के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

रिहाना नाबालिग थी। ऐसे में उसके साथ संबंध बनाने वाला प्रेमी पॉक्सो एक्ट के तहत अपराधी था। इसके बावजूद निचली अदालत और फिर हाईकोर्ट से उसे कैसे बरी कर दिया गया? इस सवाल का जवाब उन तीन बातों से मिलता है, जिसको आधार मानते हुए संभव है कि कोर्ट ने आरोपी लड़के को बरी किया....

पहली बातः आरोपी लड़के के वकील ने कहा कि रिहाना और उसके प्रेमी अजहर ने शादी मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत की है। इसके मुताबिक प्यूबर्टी ऐज यानी पीरियड्स शुरू होने के बाद 15 से 16 साल की उम्र में लड़की निकाह योग्य हो जाती है। दूसरी बातः लाइव लॉ के मुताबिक इस मामले में सभी गवाह मुकर गए। तीसरी बातः लड़की ने स्वेच्छा से प्रेमी के साथ भागकर मुस्लिम धर्म से जुड़े कानून के आधार पर शादी करने की बात कही।

सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट और संविधान विशेषज्ञ विराग गुप्ता का कहना है कि भारत में अलग-अलग धर्म के लड़के-लड़कियों की शादी के लिए मुख्यतः 3 तरह के कानून हैं...।

पहलाः हिन्दुओं के लिए हिन्दू विवाह कानून 1955 है। इस कानून के सेक्शन 2, (1) (बी) के तहत जैन, बौद्ध और सिख धर्म की भी शादियां होती हैं। इस कानून के सेक्शन 5 (iii) के मुताबिक शादी के लिए लड़की की न्यूनतम उम्र 18 साल और लड़कों की 21 साल होनी चाहिए। इसके अलावा सिखों की शादी आनंद कारज विवाह अधिनियम 2012 के तहत भी होती है। यानी लड़कियां 18 साल की उम्र में बालिग होती हैं।

दूसराः ईसाइयों की शादी के लिए के लिए क्रिश्चयन मैरिज एक्ट 1872 है। इस कानून के मुताबिक भी शादी के लिए लड़की की न्यूनतम उम्र 18 साल और लड़कों की 21 साल होनी चाहिए। साफ है कि इस कानून में भी लड़कियों के बालिग होने की उम्र 18 साल मानी गई है।

तीसराः स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 है। इसके तहत दो धर्मों या किसी भी धर्म के लोग अपनी शादी रजिस्टर करा सकते हैं। इस कानून के मुताबिक भी शादी के लिए लड़की की न्यूनतम उम्र 18 साल और लड़कों की 21 साल होनी चाहिए।

इसके अलावा मुस्लिम लड़के-लड़कियों की शादी उनके मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार होती है, जिसके बारे में संसद से कानून नहीं बना है। इसमें प्यूबर्टी 15 साल के बाद ही लड़कियों का बालिग मान लिया जाता है।

131 साल पहले 1891 में 11 साल की लड़की फूलमनि के साथ उसके पति ने जबरन संबंध बनाए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद भारत में पहली बार इसी साल सहमति से सेक्स के लिए 'एज ऑफ कंसेंट एक्ट- 1891' बना था। अंग्रेजी शासन ने लड़की के साथ सहमति से सेक्स की न्यूनतम उम्र 10 साल से बढ़ाकर 12 साल कर दी थी। जिसके खिलाफ लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक समेत कई स्वतंत्रता सेनानी विरोध में जुट गए। उनका तर्क था कि ये नया कानून हिंदू धर्म के परंपरा के खिलाफ है, क्योंकि शादी तो रजस्वला होने से पहले ही होनी चाहिए। नाबालिग लड़की से शादी करके संबंध बनाने का मामला पहले भी कोर्ट में पहुंचा है। आज ऐसे ही 2 मामलों के बारे में जानते हैं...

2012 में नाबालिग प्रेमिका से भागकर शादी करने का एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा था। इस मामले में हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि 18 साल से कम उम्र की लड़की या 21 साल से कम उम्र के पुरुष के साथ हुआ विवाह उनके नाबालिग रहने तक अवैध रहेगा। हालांकि, उनके नाबालिग होने तक कोई याचिका ना दायर करने पर यह वैध हो जाएगा। 20 सितंबर 2021 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में जस्टिस रितु बाहरी और जज जस्टिस अरुण मोंगा ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर नाबालिग लड़की से शादी की जाती है, तो यह शादी नाबालिग के 18 साल की उम्र तक अवैध रहेगी। लेकिन अगर लड़की द्वारा 18 साल तक कोई याचिका नहीं डाली गई, तो यह शादी वैध हो जाएगी। दरअसल, हाईकोर्ट ने लुधियाना कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ यह फैसला सुनाया था, जिसमें कपल ने फरवरी 2009 में शादी की थी। लुधियाना कोर्ट ने कपल की तलाक की अर्जी को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उनकी शादी वैध नहीं है, क्योंकि शादी के वक्त महिला नाबालिग थी।

क्या अंतरिक्ष में हो सकता है प्रजनन

बंदरों को स्पेस में भेजेगा चीन, पहले भी हुए ऐसे टेस्ट

बीजिंग , 9 नवंबर (एजेंसियां)। चीन की स्पेस एजेंसी बंदरों को अंतरिक्ष में भेजने जा रही है। इसका मकसद यह पता करना है कि अंतरिक्ष में प्रजनन संभव है या नहीं। फिलहाल एजेंसी ने तारीख का ऐलान नहीं किया है, लेकिन प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी जरूर दी है। 43 साल पहले सोवियत संघ ने भी ऐसा ही प्रयोग किया था। तब उन्होंने चूहों को अंतरिक्ष में भेजा था। चूहों पर सोवियत संघ के टेस्ट का नतीजा क्या रहा, चीन किस तरह से बंदरों पर प्रयोग करेगा

कैप्सूल में रहेंगे बंदर, वहीं होंगे सारे ट्रायल

चीन का तियांगोंग स्पेस स्टेशन हाल ही में बनकर तैयार हुआ है। अब वैज्ञानिक यहां कई एक्सपेरिमेंट करेंगे। इनमें अंतरिक्ष में प्रजनन पर रिसर्च काफी बड़ा प्रोजेक्ट है। इसे चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज लीड कर रही है। स्पेस स्टेशन में वेंटियन नाम का सबसे बड़ा कैप्सूल तैयार किया जाएगा, जिसके अंदर लाइफ साइंस से जुड़े प्रयोग होंगे। फिलहाल वैज्ञानिक उपकरणों पर काम कर रहे हैं।

रिसर्चर झांग लू ने बताया- चूहों और अफ्रीकी बंदरों पर कुछ स्टडीज कर यह पता लगाया जाएगा कि वे अंतरिक्ष में कैसे प्रजनन करते हैं और अपनी आबादी बढ़ाते हैं। इससे अंतरिक्ष के वातावरण में उनके बर्ताव और प्रजनन से जुड़े पहलुओं को समझने में मदद मिलेगी।

बंदर इंसान से मिलते-जुलते, इसलिए इन्हें चुना गया

इस प्रोजेक्ट के लिए बंदरों को खासतौर पर इसलिए चुना गया है क्योंकि इन्हें इंसानों का पूर्वज माना जाता है। मानव और बंदर की प्रजनन प्रक्रिया में भी कई समानताएं होती हैं। इंसान की तरह ये भी स्तनधारी जीव होते हैं। इसलिए बायोलॉजी के नजरिए से इन पर ट्रायल करना सबसे अनुकूल है।

खानपान, स्पर्म और अंडों की सेफ्टी बड़ी चुनौती

शिंघुआ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर केहकूई की ने कहा- अंतरिक्ष में जानवरों के साइज के साथ ही वैज्ञानिकों की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। एस्ट्रोनॉट्स के ऊपर बंदरों को खिलाने और उनका कचरा साफ करने की जिम्मेदारी होगी। पहले हुए एक्सपेरिमेंट में पता चला है कि स्पेस में जानवरों के सेक्स हॉर्मोन एकदम से घटते हैं। कुछ प्रजनन अंग खराब भी हो सकते हैं। लंबे समय तक स्पेस रेडिएशन में रहने से स्पर्म और अंडों की क्वालिटी खराब हो सकती है। ये बंदर भले ही पिंजरे में पले हों, लेकिन अंतरिक्ष में एक कैप्सूल में बंद रहने से इनका बर्ताव बदल सकता है। ये खाने से मना कर सकते हैं और बाल नोचने जैसे हरकतें भी कर सकते हैं। इनमें डर पैदा हो सकता है। स्पेस में इन्हें शांत करना भी मुश्किल होगा।

स्पेस में चूहे प्रेग्नेंट हुए, पर धरती पर जन्म नहीं दिया

स्पेस में स्तनधारी जानवरों में प्रजनन की दर अब तक जीरो रही है। 1979 में कोल्ड वॉर के दौरान सोवियत संघ ने 18 दिन के लिए चूहों को अंतरिक्ष में भेजा था। इसका मकसद भी प्रजनन पर रिसर्च करना था। वैज्ञानिकों ने पाया कि कुछ चूहों ने शारीरिक चुनौतियों का सामना कर संबंध बनाए। इनमें से कुछ में प्रेग्नेंसी के लक्षण भी दिखाई दिए, लेकिन पृथ्वी पर वापस लौटने के बाद एक ने भी बच्चे को जन्म नहीं दिया।

नासा ने स्पेस में मुर्गी के अंडे भेजे, वहीं जन्मे चूजे

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने अब तक अंतरिक्ष में अमीबा, काई, मधुमक्खियां, वर्म, मकड़ी, स्नेल, जेलीफिश, मेंढक, खरगोश, कछुए, मुर्गी के अंडे, चूहे आदि भेजे हैं। एक एक्सपेरिमेंट में धरती से मुर्गी के अंडे भेजने के बाद वैज्ञानिक ये देखना चाहते थे कि उनका क्या होता है। स्पेस की जीरो ग्रैविटी में भी अंडों से चूजे वैसे ही निकले जैसे पृथ्वी पर निकलते हैं। वहीं, जेलीफिश पर हुए प्रयोग में बच्चों ने जन्म तो लिया, लेकिन उन्हें जीने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

अब जानिए अंतरिक्ष में किए गए रोचक प्रयोगों के बारे में...

स्पेस में जाने वाली सबसे पहली जीव मधुमक्खी थी। अंतरिक्ष का एक जीव की बायोलॉजी पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह समझने के लिए इन्हें भेजा गया था। नासा आज भी मधुमक्खियों को कई प्रयोगों के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) भेजता है।

नासा ने 1942 में पहली बार एक बंदर को स्पेस में भेजा था। हालांकि फ्लाइट के दौरान घुटन से उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद 1948 में एक बंदर को भेजा गया, पर पृथ्वी पर लौटने के दौरान उसकी भी मौत हो गई। ऐसे कुल 5 बंदरों की जान गई थी। 1951 में एक बंदर और कुछ चूहों को स्पेस में भेजा गया, वे पृथ्वी पर लौटने में सक्सेसफुल भी हुए, लेकिन कुछ घंटों बाद उनकी भी मौत हो गई। 1957 में सोवियत संघ ने पहली बार लाइका नाम की फीमेल डॉग को अंतरिक्ष में भेजा था। हालांकि उसे पृथ्वी पर वापस लाने का कोई प्लान नहीं था। वैज्ञानिक मानते हैं कि स्पेस में कुछ घंटों बाद ही उसकी मौत हो गई होगी।

नासा ने 1961 में पहली बार एक चिम्पांजी को पृथ्वी से बाहर भेजा। मिशन से लौटने के बाद उसे कुछ नहीं हुआ। बस उसमें थोड़ी थकान और डिहाइड्रेशन पाया गया था। हैम नाम के इस चिम्पांजी ने ही नासा के पहले एस्ट्रोनॉट एलन बी शेपर्ड के लिए स्पेस में जाने का रास्ता खोला था।

1968 में सोवियत संघ ने कछुए, मील वर्म, वाइन फ्लाई जैसे कई जीव अंतरिक्ष में भेजे। इन सभी ने पहली बार चांद का एक चक्कर भी लगाया। पृथ्वी पर आने के बाद कछुओं का वजन 10% कम पाया गया था।

मनी लांड्रिंग के आरोपी अधिवक्ता राजीव कुमार को बड़ी राहत, हाईकोर्ट से मिली जमानत

मनी लांड्रिंग के आरोपी वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव कुमार को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद राजीव कुमार को जमानत की सुविधा प्रदान की। गौरतलब है कि एक जनहित याचिका को मैनेज करने के एवज में 50 लाख रुपये की रिश्वत लेते कोलकाता पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था। दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पीआईएल किंग के नाम से मशहूर राजीव कुमार पर आरोप है कि उन्होंने पीआईएल से नाम हटाने के एवज में कोलकाता के एक व्यवसायी से 1 करोड़ रुपये की रकम मांगी थी। इसी रकम की पहली किश्त के रूप में 50 लाख रुपये लेते हुए कोलकाता पुलिस ने उनको गिरफ्तार किया था।

ईडी कोर्ट ने जमानत देने से किया था इंकार

बता दें कि बीते 1 अक्टूबर को ईडी की विशेष अदालत ने राजीव कुमार को जमानत देने से इंकार कर दिया था। इसके बाद 11 अक्टूबर को राजीव कुमार ने अपने वकील के माध्यम से झारखंड हाईकोर्ट में जमानत की अर्जी लगाई थी। याचिका पर लंबी सुनवाई के बाद आखिरकार जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने उन्हें बड़ी राहत देते हुए जमानत दी।

31 जुलाई को गिरफ्तार हुए थे राजीव कुमार

गौरतलब है कि 31 जुलाई 2022 को कोलकाता पुलिस ने अधिवक्ता राजीव कुमार को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल ने हेयर स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस संबंध में बताया जाता है कि एक पीआईएल से अधिवक्ता अमित अग्रवाल का नाम हटाने के एवज में राजीव कुमार ने 10 करोड़ की रिश्वत मांगी थी लेकिन डील 1 करोड़ रुपये में फाइनल हुई। इसी रकम का आधा हिस्सा यानी 50 लाख रुपये लेने के लिए राजीव कोलकाता गए थे। वहां हैरिसन स्ट्रीट स्थित बिजनेस कॉम्प्लेक्स से उनको गिरफ्तार किया गया। ईडी ने बाद में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर लिया था।

छत्तीसगढ़ के कई शहरों में आईटी का छापा

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने छापा मारा है। रायगढ़, कोरबा और रायपुर में कोयला कारोबार से जुड़े कारोबारियों के घर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही 50 से ज्यादा अफसरों की टीम राजधानी पहुंची थी।

रायगढ़ में एनआर ग्रुप के मालिक संजय अग्रवाल के ठिकानों पर जांच जा रही है। 50 से ज्यादा गाड़ियों में आईटी की टीम पहुंची है। शहर के गजानंद नगर में कोयला कारोबारी राकेश शर्मा के घर भी कार्रवाई जारी है। रायपुर में लॉ विस्टा सोसायटी में रामगोपाल अग्रवाल सहित कई कोयला कारोबारियों के घर में आईटी टीम दस्तावेज खंगाल रही है।

एनआर इस्पात के मालिक संजय अग्रवाल ने पिछले दिनों राज्य सरकार से 5000 करोड़ रुपए का एमओयू साइन किया था। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 2 साल में अपने प्लांट का एक्सटेंशन 2,000 करोड़ रुपए की लागत से कराया था। इसके बाद से ही वह आईटी के रडार पर थे। ऐसा माना जा रहा है कि इन्हीं बड़े लेन-देन के इनपुट पर आईटी ने छापा मारा है। आयकर विभाग ने सत्तीगुड़ी चौक में एनआर ग्रुप के अकाउंटेंट के घर में भी दबिश दी। आयकर की कार्रवाई सुबह 5 बजे से चल रही है। कारोबारी संजय अग्रवाल के घर और फैक्ट्री पर एक दर्जन से ज्यादा आईटी के अफसर दस्तावेजों की जांच में जुटे हैं।

सुबह से फैक्ट्री में आईटी अधिकारियों की रेड से प्लांट में हड़कंप मचा है। घर में भी टीम दस्तावेज की जांच कर रही है। आयकर विभाग के अधिकारी ऑफिस के बहीखाते और कंप्यूटर हार्ड डिस्क की जांच कर रहे हैं।

> सत्तीगुड़ी चौक में एनआर ग्रुप के अकाउंटेंट के घर भी जांच।
>
> बहीखाते और कंप्यूटर हार्ड डिस्क की जांच जारी।
>
> सुबह से चल रही है जांच।

50 से ज्यादा गाड़ियों में पहुंची टीम

रायगढ़ शहर में एनआर ग्रुप के घर और ऑफिस में ITकी टीम कार्रवाई कर रही है। अधिकारी सुबह 5 बजे से सीआरपीएफ के जवानों के साथ रायगढ़ पहुंची। एनआर ग्रुप के बाहर बड़ी संख्या में आईटी की गाड़ियां मौजूद हैं। गाड़ियों की संख्या 50 से ज्यादा बताई जा रही है।

आयकर के छापे से ठीक एक माह पहले छत्तीसगढ़ के रायगढ़, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और महासमुंद जिले में ईडी ने छापा मारा था। इन शहरों में ईडी के अधिकारी देर रात पहुंच चुके थे और सुबह 5 बजे अलग-अलग ठिकानों पर छापा मारा गया। एक ही वक्त पर ईडी के अधिकारी 10 से ज्यादा जगहों पर अलग-अलग टीम बनाकर कार्रवाई की थी। जिन जगहों पर छापा मारा गया था, उनमें कारोबारी और सीए शामिल थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस छापे को डराने की कोशिश बताया था। उन्होंने कहा था कि, यह आखिरी नहीं है। चुनाव तक ये बार-बार आएंगे।

ईडी के अफसर सीआरपीएफ की टीम के साथ दबिश दी थी। अधिकारियों और कारोबारियों के घरों में दस्तावेजों को खंगाला गया। इन अधिकारियों और कारोबारियों को लेकर ईडी को करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन की सूचना मिली थी। इसी संबंध में जांच की गई थी।

ईडी के छापे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि, रमन सिंह ईडी के प्रवक्ता बने घूम रहे हैं। जांच करना है, तो पनामा घोटाले की क्यों नहीं हो रही है। उसमें रमन सिंह और उनके लड़के का साफ नाम है।

बताना चाहिए कि 10 साल में उनकी आय कैसे बढ़ गई। केंद्रीय एजेंसी गैर भाजपा राज्यों में ही भेजी जा रही है। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय-ईडी की छापेमारी के बाद पहली बड़ी कार्रवाई हुई थी। गुरुवार को आईएएस समीर विश्नोई के घर में 4 किलो सोना और 20 कैरेट हीरा मिला था। इसके साथ 47 लाख रुपए कैश मिले थे।

आरक्षण पर दिसंबर में विधानसभा का विशेष सत्र

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के फैसले से उपजी परिस्थितियों को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार आरक्षण पर नया विधेयक लाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आदिवासी आरक्षण के मुद्दे को लेकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का प्रस्ताव विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत को भेजा है। मुख्यमंत्री ने आगामी एक एवं दो दिसंबर को विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किए जाने का आग्रह किया है। छत्तीसगढ़ में सरकार ने 2012 आरक्षण के अनुपात में बदलाव किया था। इसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग का आरक्षण 20 से बढ़ाकर 32% कर दिया गया। वहीं अनुसूचित जाति का आरक्षण 16% से घटाकर 12% किया गया। इसको गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। बाद में कई और याचिकाएं दाखिल हुईं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 19 सितम्बर को इस पर फैसला सुनाते हुए राज्य के आरक्षण अधिनियमों की उस धारा को रद्द कर दिया, जिसमें आरक्षण का अनुपात बताया गया है। इसकी वजह से आरक्षण की व्यवस्था संकट में आ गई। भर्ती परीक्षाओं का परिणाम रोक दिया गया है। परीक्षाएं टाल दी गईं।

काउंसलिंग के लिए सरकार ने कामचलाऊ रोस्टर जारी कर 2012 से पहले की पुरानी व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की। इस बीच आदिवासी समाज के पांच लोग उच्चतम न्यायालय पहुंचे। राज्य सरकार ने भी इस फैसले के खिलाफ अपील की है। फिलहाल कोर्ट ने स्थगन देने से इन्कार कर दिया है। इस बीच मेडिकल काउंसलिंग के लिए बने आरक्षण रोस्टर को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। इसमें आरक्षण का अनुपात अनुसूचित जाति 16%, अनुसूचित जनजाति 20% और अन्य पिछड़ा वर्ग को 14% बताया गया है। आदिवासी समाज और भाजपा बुधवार को इसी मुद्दे को लेकर आंदोलन करने वाले हैं। सर्व आदिवासी समाज ने 15 नवम्बर को प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी की घोषणा की है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में आरक्षण की विधिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का दल शीघ्र वहां जाएगा।

होटल के कमरे में प्रेमी जोड़े ने दी जान

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मंगलवार को ही युवती अपने शादीशुदा बॉयफ्रेंड के साथ होटल में पहुंची थी। अब अगले दिन दोनों की फंदे पर लटकी हुई लाश मिली हैं। मामला स्मृति नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, कोहका निवासी तापशी बाइन (32) का अफरोज खान (35) का साथ पिछले कुछ समय से प्रेम प्रसंग था। जबकि अफरोज पहले से शादीशुदा था। इस बीच दोनों मगंलवार को ही शहर के क्रिश होटल में आए थे। दोनों ने होटल के तीसरी मंजिल में रूम लिया था। तब से दोनों कमरे में ही थे। इसके बाद अगले दिन बुधवार सुबह तक भी दोनों वापस नहीं निकले। उधर जब सुबह काफी देर तक दोनों ने होटल कर्मचारियों से संपर्क ही नहीं किया। तब एक कर्मचारी ने दरवाजा खटखटाया। इसके बावजूद किसी ने जवाब नहीं दिया। फिर होटल मैनेजमेंट ने किसी तरह से दरवाजा खोला तो दोनों कमरे के अंदर पंखे में अलग-अलग फंदे से लटके हुए थे।

रेप का आरोप लगाया, जेल भी गया था अफरोज

घटना के बाद पुलिस को भी इस बात की सूचना दी गई। तब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। परिजनों को इस बात की सूचना दी गई थी। दोनों के शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया गया है कि तापशी ने पहले ही अफरोज पर रेप का आरोप लगाया था।

सरदारशहर के रिजल्ट से पहले ही बीजेपी ने हार मानी !

पूनिया बोले-उपचुनाव तो कांग्रेस ही जीतती है; 5 दिसंबर को होगी वोटिंग

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस एमएलए भंवरलाल शर्मा के निधन के बाद सरदारशहर (चूरू) विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि इस सरकार के कार्यकाल में हुए पिछले उपचुनावों की तरह यहां भी सहानुभूति लहर ही देखने को मिलेगी।

वर्तमान कांग्रेस सरकार में 7 में से 6 चुनाव हारने को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने यह कहकर चर्चा छेड़ दी है कि कांग्रेस उपचुनाव जीतती है, जबकि मुख्य चुनाव बीजेपी जीतती है। उन्होंने विधानसभा उपचुनाव को 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले का सेमीफाइनल मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कि कि- एक उपचुनाव कभी भी सेमीफाइनल नहीं होता है।

सतीश पूनिया के इस बयान को पिछले उपचुनावों से जोड़कर देखा जाए तो उपचुनाव और मुख्य चुनावों के बीच रोचक संबंध देखने

'एक उपचुनाव कभी भी सेमीफाइनल नहीं होता'

को मिलता है। जिससे पता चलता है कि कांग्रेस आमतौर पर बीजेपी के मुकाबले उपचुनाव में ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करती है। मगर इसका मतलब ये नहीं कि कांग्रेस मुख्य चुनाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती।

कांग्रेस से अनिल शर्मा का नाम तय

सरदारशहर उपचुनाव में कांग्रेस सिम्पैथी फैक्टर को देखते हुए पूर्व विधायक भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट दे सकती है। वहीं, दूसरी ओर बीजेपी से पूर्व विधायक अशोक पींचा, जिला प्रमुख हरलाल सहारण, शिवचंद सोहू और सत्यनारायण साहू दावेदारी कर रहे हैं। सरदारशहर में जाट वर्सेज ब्राह्मण फैक्टर काम करता है। कांग्रेस ब्राह्मण को टिकट दे रही है। ऐसे में भाजपा जाट चेहरे पर दांव लगा सकती है। इसके चलते शिवचंद और हरलाल सहारण की दावेदारी मजबूत है।

9 उपचुनाव कांग्रेस जीती

साल 2013 से 2018 के बीच 6 उपचुनाव हुए। इनमें से 4 कांग्रेस ने जीते। उसके बाद साल 2018 में कांग्रेस ने 100 सीटें जीतीं और सत्ता में वापसी की। वहीं, 2013 से अब तक 13 सीटों पर उपचुनाव हुए हैं। इनमें से सिर्फ 3 सीटों पर बीजेपी चुनाव जीत सकी। जबकि कांग्रेस ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की।

लोकसभा उपचुनाव में भी कांग्रेस को जीत

विधानसभा के साथ-साथ लोकसभा में भी उपचुनाव से कांग्रेस का यह रोचक संयोग देखने को मिलता है। 2014 लोकसभा चुनाव में राजस्थान की सभी 25 सीटें बीजेपी ने जीती। मगर 2018 में अजमेर और अलवर दो सीटों पर उपचुनाव हुए और दोनों सीटें कांग्रेस ने जीत ली। मगर इसके ठीक एक साल बाद हुए 2019 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर बीजेपी गठबंधन ने पूरी 25 सीटें जीती।

गहलोत ने कहा राहुल दमदार नेता

लेकिन विपक्षी प्रधानमंत्री चेहरे पर कह दी बड़ी बात

शिमला, 9 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी में वो पूरा दमखम है कि वह अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकें, लेकिन चेहरे का फैसला तमाम विपक्षी पार्टियां मिलकर करेंगी। गहलोत ने यह भी कहा कि राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनावों में प्रचार करें या नहीं करें, लेकिन वह जिन मुद्दों को लेकर भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं वो आम जनता से जुड़े है और उनका संदेश घर-घर तक पहुंच रहा है।

पूर्ण बहुमत का दावा

गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने कहा कि आम आदमी पार्टी लोगों को भ्रमित कर रही है, लेकिन गुजरात में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। गहलोत ने कहा, दोनों राज्यों में सरकार विरोधी लहर है। कांग्रेस तेज गति से आगे बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को मतदान होने वाला है, मुझे विश्वास है कि कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

उनका कहना था, गुजरात में अभी चुनाव की घोषणा हुई है। हमारी वहां पांच यात्राएं निकली हैं, जो 175 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी हैं। मुझे उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। गुजरात में आम आदमी पार्टी के असर से जुड़े सवाल पर राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा, आम आदमी पार्टी सिर्फ लोगों को भ्रमित कर रही है। मीडिया को उसने कैप्चर कर रखा है। इसके अलावा कुछ नहीं है।

12 नवंबर को है मतदान

बता दें कि हिमाचल प्रदेश की सभी 68 सीटों पर 12 नवंबर को मतदान होगा। गुजरात की कुल 182 विधानसभा सीटों में से पहले चरण में 89 सीटों पर एक दिसंबर को चुनाव होगा तथा शेष 93 सीटों पर पांच दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों राज्यों में आठ दिसंबर को मतगणना होगी।

राहुल के हिमाचल चुनाव प्रचार क्या बोले गहलोत

इन विधानसभा चुनावों में राहुल गांधी के प्रचार नहीं करने से संबंधित सवाल पर गहलोत ने कहा, राहुल गांधी कई राज्यों में नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि उनकी यात्रा का एक रूट बना हुआ है। बिना किसी कारण इसे मुद्दा बनाने का प्रयास हो रहा है, लेकिन वो मुद्दा नहीं बनेगा। राहुल गांधी का जो उद्देश्य है, वो कामयाब हो रहा है।

गहलोत ने बताया भारत जोड़ो यात्रा का मकसद

गहलोत के अनुसार, महंगाई और बेरोजगारी समाप्त हो, और देश में भाईचारा हो, यही राहुल गांधी की यात्रा का मकसद है। उनका संदेश घर-घर पहुंच रहा है। साथ ही, उन्होंने कहा, गुजरात में प्रचार के लिए राहुल गांधी की की मांग बहुत है, लेकिन वह एक लंबी यात्रा पर निकले हैं। वह जाएं या न जाएं, लेकिन वो जिन मुद्दों को लेकर चल रहे हैं, वही जनता के मुद्दे हैं।

अब जनता समझ चुकी है- गहलोत

यह पूछे जाने पर कि इस यात्रा के बाद राहुल गांधी अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दे सकते हैं तो गहलोत का कहना था, चुनौती देने का दमखम उनमें हैं। यह शुरू से है। सोशल मीडिया का दुरूपयोग कर उनकी छवि को खराब किया गया। लेकिन अब जनता समझ चुकी है। विपक्षी चेहरे के बारे में फिर से पूछे जाने पर उन्होंने कि तमाम राजनीतिक दल तय करेंगे। देश चाहता है कि विपक्ष एकजुट हो।

नेवी के जवान से 80 हजार रुपये की ठगी

मामला दर्ज, ठग बोला- मेरे पिता का एक्सीडेंट हो गया है

चूरू, 9 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू जिले में नेवी के जवान से फ्रॉड कॉल कर 80 हजार रुपये की ठगी करने का मामला दुधवाखारा थाना में दर्ज हुआ है। झारिया गांव निवासी जयपाल सहारण ने चूरू के गांव रामसरा और श्योपुरा के दो युवकों पर ठगी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने नेवी जवान की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया है। पीड़ित जयपाल सहारण ने बताया कि उसके पास कॉल आया कि आपका दोस्त मनजीत बोल रहा हूं। मेरे पिताजी का एक्सीडेंट हो गया है और वह जयपुर में अस्पताल में भर्ती है। मुझे 10 हजार रुपये की जरूरत है। इस पर मैंने उसके बताए नंबर पर 10 हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद भी एक बार 20 हजार और एक बार 50 हजार रुपये भेजे। इसके बाद मुझे ठगी का पता चला तो मैंने अपने स्तर पर छानबीन शुरू की। इस दौरान सामने आया कि मोबाइल नंबर रामसरा के युवक लोकेश और श्योपुरा गांव के देवी जाट के हैं। इस पर दोनों युवकों से बात कर रुपये लौटाने के लिए कहा, लेकिन आरोपी लौटाने से इनकार कर रहे हैं।

पायलट कैंप के मंत्री मुरारी लाल बोले-नमक हराम मत हो जाना, एक साल बचा है

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पायलट कैंप के माने जाने वाले मंत्री मुरारी लाल मीना ने विवादित बयान दिया है।

कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीना ने शिक्षकों के एक कार्यक्रम में राज्य सरकार की ओर से पुरानी पेंशन योजना लागू करने के निर्णय का लाभ बताते हुए कहा कि आप सभी को सरकार के फैसलों का ध्यान रखना है। नमक हराम मत हो जाना, एक साल ही बचा है।

आरपीएससी शिक्षक फोरम की ओर से आयोजित अनाथ बालिका संचालन कार्यक्रम में मुरारी लाल ने पुरानी पेंशन योजना को लेकर कहा कि यह वरदान है। 30-35 हजार पेंशन मिलती है तो संतोष मिलता है। क्योंकि बुढ़ापे में यह जरूर साथ रहेगी। एक सवाल ने जवाब में पायलट कैंप के माने जाने वाले मंत्री मुरारी लाल ने कहा कि

एसीआर मंत्री भरे तो ठीक रहता है। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास की मांग करते हुए मंत्री मुरारी लाल ने कहा कि एसीआर विभाग के मंत्री भरे तो ठीक रहता है। क्योंकि कई बार मंत्री और विभाग के सचिव में विवाद रहता है। अगर मंत्री एसीआर भरता है तो सिस्टम ठीक रहता है। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के मंत्रियों के कांस्टेबल का तबादला नहीं करने का अधिकार नहीं होने पर मुरारी लाल ने कहा कि गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास है। तबादला करने का अधिकार उन्ही का है।

स्कूलों में तालाबंदी पर हुए सख्त

स्कूल में तालाबंदी को लेकर मंत्री मुरारी लाल ने कठोर रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि उन्हें सब पता है कि स्कूलों में कौन काम करते हैं। कौन लापरवाही करते है। उन्होंने कहा कि बच्चे तालाबंदी नहीं करते हैं। शिक्षक बच्चों से जबरन तालाबंदी करवाते है। संविदाकर्मियों को नियमित करने की मांग पर मंत्री मुरारी लाल ने कहा कि उन्हें संविदा शब्द अटपटा लगता है। संविदा की नौकरी धीमे जहर की तरह है। ऐसी उनकी सोच है।

राजस्थान में भूकंप के झटके

जयपुर समेत 8 जिलों में धरती हिली

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। राजधानी जयपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। दहशत में लोग घरों से बाहर निकले। रिएक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता हुई। मौसम विभाग के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे रहा।बता दें, देश के कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। जयपुर, भरतपुर, अलवर, सीकर, दौसा समेत प्रदेश के 8 से ज्यादा जिलों में लोग दहशत में आ गए।

इन जिलों में रात करीब 1:57 बजे भूकंप के झटके लगे। किसी तरह के जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। देर रात लोग भूकंप के झटकों से घबरा गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। राजधानी जयपुर में लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.3 रिकॉर्ड की गई। इसका केंद्र हिमालय की गोद में बसे नेपाल के दोती जिले में जमीन से तकरीबन 10 किलोमीटर नीचे था।

पहले भी आया था भूकंप

बता दें, इससे पहले अक्टूबर महीने में भी राजस्थान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ में आया था।

इसका केंद्र पाकिस्तान की सीमा के बिल्कुल नजदीक था और जमीन के 10 किलोमीटर नीचे। यहां रात करीब 12.27 मिनट पर झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 रिकॉर्ड की गई। एक महीने से कम अंतराल के बाद राजस्थान में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए है। हालांकि, राहत की बात यह थी कि किसी प्रकार के जान माल का नुकसान नहीं हुआ है।

अर्द्धनग्न हो पूल में उतरे कांग्रेसी पार्षद

लगाए सोनिया और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। नगर निगम जयपुर के कांग्रेसी पार्षदों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कांग्रेस के पार्षद अर्द्धनग्न होकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं। 23 सैकेंड के इस वीडियो में कुल 11 व्यक्ति नजर आ रहे हैं।

ये सभी एक स्विमिंग पूल में नहाते हुए अठखेलियां कर रहे हैं। इनमें से 10 व्यक्ति अर्द्धनग्न हैं जबकि एक व्यक्ति ने टीशर्ट पहन रखी है। पूल में नहाते हुए ये कांग्रेसी पार्षद कांग्रेस जिन्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। साथ ही सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत और मल्लिकार्जुन खड़गे जिन्दाबाद के नारे भी लगा रहे हैं। नंगे बदन नेताओं के नारे लगाने पर लोग इन पार्षदों पर तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं।

कौन हैं ये कांग्रेसी पार्षद, अर्द्धनग्न होकर क्यों लगा रहे हैं नारे

दरअसल जयपुर में ग्रेटर नगर निगम महापौर के चुनाव होने हैं। 10 नवम्बर को मतदान है। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस ने अपने अपने पार्षदों की बाड़ेबंदी कर रखी है। कांग्रेस के पार्षदों को फाइव स्टार होटल में ठहराया गया है। यहां उनके मौज मस्ती की व्यवस्थाएं हैं। यह वीडियो भी बाड़ेबंदी के तहत होटल में बंद कांग्रेसी पार्षदों का है जो होटल के स्विमिंग पूल में मस्ती कर रहे हैं।

मस्ती करने के दौरान ही इन्हें सूझा कि क्यों ना पार्टी के नेताओं के नारे लगाते हुए वीडियो बनाया जाए। फिर इन पार्षदों ने पार्टी के साथ कांग्रेस के नेताओं के नाम लेकर नारे लगाए। अर्द्धनग्न अवस्था में नारे लगाने पर इनके वायरल वीडियो पर लोग तरह तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। इस वीडियो को केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी अपने ट्वीटर पेज पर पोस्ट करते हुए कमेंट किया है।

दिल्ली से जयपुर के लिए निकली महिला हुई गायब

घर से भागकर शादी की थी, अब 2 महीने से ढूंढ रहा पति

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक युवक ने पत्नी के किडनैप होने का मामला दर्ज करवाया है। पति पिछले दो महीने तक पत्नी को ढूंढ रहा है। जो दिल्ली गई थी। वापस लौटते वक्त गायब हो गई। पीड़ित दिल्ली और थाने के चक्कर काटता रहा। लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। आखिर पीड़ित ने कोर्ट के जरिए मंगलवार को मानसरोवर थाने में केस दर्ज करवाया। पीड़ित का कहना है कि वो पत्नी से बहुत प्यार करता है। अभी भी तलाश कर रहा है। पति पुनीत राजोरिया (24) ने रिपोर्ट में बताया कि 5 सितम्बर से पत्नी संजू कुमार जाटव (24) का कोई सुराग नहीं लगा है।

जयपुर में 300 करोड़ की जमीन खाली करवाने पहुंची टीम-टंकी पर चढ़ा युवक

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर जेडीए की एन्फोर्समेंट विंग ने आज विश्वकर्मा औद्योगिक एरिया (वीकेआई) में बड़ी कार्रवाई की। 300 करोड़ रुपए कीमत की 10 बीघा सरकारी जमीन को खाली करवाई गई। इस दौरान 3 थानों, रिजर्व पुलिस लाइन और जेडीए की इन्फोर्समेंट विंग समेत पुलिस के करीब 200 अधिकारी और जवान मौजूद रहे। बड़ी संख्या में अलसुबह पहुंचे इस फोर्स को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। एक-एक करके लोग अपने-अपने गोदाम, ऑफिस खाली करने लगे। इधर इस कार्रवाई के विरोध में एक व्यक्ति पानी की टंकी पर चढ़ गया। थोड़ी देर

बाद मधुमक्खियों ने हमला किया तो ये नीचे उतर गया। जो मधुमक्खियों के काटने से घायल हो गया। जिसे पुलिस इलाज के लिए कावंटिया हॉस्पिटल लेकर गई। वहीं, इस जमीन पर बना एक निजी स्कूल भी आज खाली करवा गया। बच्चों को वापस घर भेज दिया गया।

जेडीए की कार्रवाई के विरोध में टंकी के टॉप हिस्से पर चढ़ा व्यक्ति छोटूराम मीणा, जो बाद में खुद ही मधुमक्खी के हमले के बाद उतर गया। उसके बाद दो अन्य व्यक्ति भी टंकी पर चढ़े, लेकिन वे लोग बीच सीढ़ियों पर ही रुक गए और वापस लौट आए।

जेडीए की कार्रवाई के विरोध में टंकी के टॉप हिस्से पर चढ़ा व्यक्ति छोटूराम मीणा, जो बाद में खुद ही मधुमक्खी के हमले के बाद उतर गया। उसके बाद दो अन्य व्यक्ति भी टंकी पर चढ़े, लेकिन वे लोग बीच सीढ़ियों पर ही रुक गए और वापस लौट आए।

मंत्री, सांसद और विधायकों की परेशानी सुनेंगे आईएएस

तीन दिन के लिए जिलों में जाने के आदेश दिए, गहलोत को रिपोर्ट देंगे

जयपुर, 9 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डेढ़ महीने से जारी राजनीतिक अस्थिरता के माहौल, ब्यूरोक्रेट्स पर राजनेताओं के जुबानी हमलों के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर ब्यूरोक्रेसी को कसना शुरू कर दिया है। गहलोत ने हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे पर जाने से पहले प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी सचिवों (आईएएस अफसर) को तीन दिन के लिए जिलों में रवाना होने के आदेश दिए थे।

अब सभी प्रभारी सचिव बुधवार शाम को जिलों के लिए रवाना होंगे। 10, 11 व 12 नवंबर तक जिलों में रहकर प्रशासनिक मशीनरी को दुरुस्त करेंगे। वे जिले के सांसदों, मंत्रियों, विधायकों से भी मिलेंगे। उनकी समस्याओं-शिकायतों की रिपोर्ट भी मुख्यमंत्री को पेश करेंगे।

मुख्यमंत्री 13 व 14 नवंबर को सचिवालय में उनसे व्यक्तिगत (एक-एक सचिव से अलग-अलग) मुलाकात करेंगे। प्रभारी सचिवों का यह विशेष दौरा करीब 5 महीने बाद हो रहा है। यूं उन्हें महीने में एक बार जाना होता है, लेकिन राजस्थान में लगातार चल रहे राजनीतिक उठा-पटक के माहौल का असर सूबे की नौकरशाही पर भी पड़ा है। गहलोत अब चुनावी साल की तैयारी में जुटे हैं, ऐसे में वे जिलों का सटीक फीडबैक चाहते हैं। यह फीडबैक जब राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ताओं से मिलता है, तो वो एक बायस्ड एप्रोच होती है। ऐसे में गहलोत ने जिलों के राजनीतिक-प्रशासनिक तापमान को मापने के लिए ब्यूरोक्रेसी के थर्मामीटर का उपयोग करना बेहतर समझा है। गहलोत व मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने सभी प्रभारी सचिवों को केवल ऑफिस में मीटिंग लेकर दौरों को करने की रस्म अदायगी से बचने की सलाह भी दी है। सचिवों को कहा गया है कि वे मीटिंग तो करें, लेकिन साथ ही जिलों में फील्ड में जाकर भी विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं को देखें और स्थानीय लोगों से सरकार व प्रशासन का फीडबैक भी लें। केवल कलेक्टरों द्वारा दिखाए जाने वाले पावर पॉइंट प्रजेन्टेशन, रिपोर्ट, वीडियो, फोटो आदि पर ही निर्भर ना रहें। गहलोत प्रभारी सचिवों से चाहते हैं कि वे असली और जमीनी हकीकत सामने लाएं।

प्रभारी सचिव का मतलब क्या ? क्या काम होता है जिम्मे ?

राज्य के प्रशासनिक तंत्र और नौकरशाही में जिलों के प्रभारी सचिव बहुत महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। वे जिलों में सरकारी योजनाओं और स्थानीय प्रशासन के विषय में सरकार और राजनीतिक नेतृत्व (मुख्यमंत्री) के लिए आंख-कान होते हैं। वे जिले के ग्रामीण क्षेत्र से लेकर जिला मुख्यालय तक के प्रशासनिक ढांचे के बारे में राजधानी में स्थित सचिवालय तक को अपडेट करने का काम करते हैं। राजस्थान में एक उप चुनाव महीने भर में होना है। कांग्रेस पार्टी की सरकार है। ऐसे में पार्टी व सरकार इन दिनों राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियां कर रही है। पार्टी के 92 विधायकों के इस्तीफे भी विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन हैं। अगले एक वर्ष में चुनाव होने हैं। ऐसे में जिलों में चल रही फ्लैगशिप योजनाओं का फीडबैक इस समय लेना बहुत जरूरी है।

प्रभारी सचिवों की रहेगी इन फ्लैगशिप योजनाओं पर खास नजर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी सरकार को हर हाल में रीपीट करना चाहते हैं। इसके लिए वे कई बार कह चुके हैं कि उनकी सरकार की मुख्य ताकत उनकी फ्लैगशिप योजनाएं हैं।

सुरक्षित पेयजल के लिए एहतियाती कदम उठाएं : जिलाधीश

आसिफाबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि लोगों को बिना किसी परेशानी के पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए जल्द कदम उठाए जाएं। बुधवार को जिले के केरामेरी मंडल के जोडेघाट में कुमरमभीम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद सरकारी विकास कल्याण योजनाओं के प्रदर्शन की जांच की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण उपाय करने का निर्देश दिया कि लोगों को पीने के पानी के लिए कोई समस्या न हो और चूंकि यह एक पर्यटन क्षेत्र है, इसलिए वे यह सुनिश्चित करने के उपाय करें कि पर्यटकों को किसी भी तरह का सामना न करना पड़े। असुविधाजनक। भूजल विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वे इस पर गौर करें और तीन बोरहोल की खुदाई के लिए उपयुक्त योजना तैयार करें।

तेलंगाना के लिए हरिताहरम कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, पौधों की खेती और संरक्षण के पहलुओं पर एक निरीक्षण किया गया था। सरकार द्वारा शुरू की गई दो शयनकक्ष गृह योजना के तहत जोडेघाट क्षेत्र में 30 मकान स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 11 मकान छत स्तर तक पूरे हो चुके हैं और अधिकारियों को निर्माण पूरा करने के लिए उचित कदम उठाने की सलाह दी गई है। शेष घरों में शीघ्र उन्होंने कहा कि जोड़ाघाट उपनगर के पास शिवगुड़ा गांव में कोल्लम को प्री-फैब्रिकेशन के तहत 13 घरों को मंजूरी दी गई है और एक घर पायलट प्रोजेक्ट के तहत पूरा कर लिया गया है और बाकी को जल्दी पूरा करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। बाद में उन्होंने जोडेघाट स्थित आश्रम विद्यालयों का दौरा किया और विद्यालय के परिवेश, छात्रों, शिक्षकों की उपस्थिति तालिका और लंच स्टॉक रजिस्टर का निरीक्षण किया। अधिकारियों को रसोई, चावल, सब्जियों आदि का निरीक्षण करने और छात्रों को मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और स्कूल के आसपास और कक्षाओं को साफ रखने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बाद में छात्रों के साथ लंच किया।

पेंशन मिलने से तेलंगाना के दिव्यांग हुए खुश

राज्य सरकार का जताया आभार

हैदराबाद , 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार दिव्यांग व्यक्तियों को उनके दैनिक जीवन में मदद करने के लिए प्रत्येक को 3,000 रुपये की पेंशन दे रही है। लोग इस योजना के लिए खुश होने के साथ सरकार का आभार जता रहे हैं। लाभार्थी जगन की मां शारदा ने पेंशन स्वीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे के हाथ-पैर ठीक नहीं हैं। मैंने विधायक से अनुरोध किया और उन्होंने पेंशन को मंजूरी दे दी। हमें अब 3,000 रुपये पेंशन मिल रही है। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री केसीआर को धन्यवाद देती हूं।

वहीं एक अन्य लाभार्थी सुधा ने कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के हस्तक्षेप के बाद पेंशन मिली। उन्होंने कहा कि मेरा भतीजा चल या बोल नहीं सकता। हमारे विधायक के हस्तक्षेप के बाद, हमें सरकार से 3,000 रुपये की पेंशन मिल रही है।

मैं इसके लिए तेलंगाना सरकार को धन्यवाद देती हूं। सितंबर की शुरुआत में, अपने कल्याणकारी उपायों और सामाजिक सुरक्षा रणनीति के एक हिस्से के रूप में, तेलंगाना सरकार ने सभी गरीबों के लिए सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'आसरा' पेंशन की शुरुआत की। यह वृद्ध लोगों, विधवाओं, दिव्यांगों और बीड़ी श्रमिकों के लिए पेंशन की एक कल्याणकारी योजना है।

आसिफ नगर के तहसीलदार डी सुनील कुमार ने बताया कि आसिफ नगर मंडल क्षेत्राधिकार में 10 हजार नई आसरा पेंशन स्वीकृत की गई है। हमने विधायकों की उपस्थिति में एक बैठक में स्वीकृत पेंशन वितरित की है। शेष कार्ड एमआरओ कार्यालय में सुबह वितरित किए जाते हैं। आसिफ नगर मंडल में कुल पेंशनभोगी 35,000 हैं जिनमें नए पेंशनभोगी 10,000 है और पुराने पेंशनभोगी 25,000 हैं। तेलंगाना सरकार द्वारा स्वीकृत विंडो पेंशन सम्मानित लोगों को दी गई है। एक लाभार्थी, नजमुनिसा ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का आभार व्यक्त किया क्योंकि उन्हें विधवा पेंशन कार्ड मिला और कार्ड के माध्यम से 2,100 रुपये प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि मुझे 14 साल से कार्ड नहीं मिला। अब मेरा कार्ड बन गया है और मैं बहुत खुश हूं।

एसबीआई इंटर सर्कल टेबल टेनिस टूर्नामेंट शुरू

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक हैदराबाद सर्किल स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, कॉरपोरेट सेंटर मुंबई के तत्वावधान में 9 से 12 नवंबर तक कोटला विजया भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम यूसुफगुडा में अखिल भारतीय एसबीआई इंटर सर्कल टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। भारत भर के 16 सर्किल मेगा एसबीआई स्पोर्ट्स इवेंट में भाग ले रहे हैं और 160 खिलाड़ी पुरुष और महिला वर्ग के व्यक्तिगत एकल और युगल में टीम चैंपियनशिप में भाग लेंगे। देश में एसबीआई के शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी इस आयोजन में भाग लेंगे। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि देबाशीष मित्रा (हैदराबाद सर्किल के जीएम, एनडब्ल्यू-2) के साथ के. फणेंद्र नाथ जीएम सीसीजीआरओ, शेखर जीएम सीएडी सम्मानित अतिथियों के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर सैमडेन शेरिंग लामा, महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम), कॉर्पोरेट केंद्र सौम्य दत्ता महासचिव, एआईबीओसी और एएसबीओएफ महासचिव एनसीबीई और एआईएसबी आईएसएफ ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

तेरापंथ भवन में साध्वी त्रिशला कुमारी जी का मंगल भावना कार्यक्रम

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वी श्री त्रिशलाकुमारी जी आदि ठाणा 5 का मंगल भावना समारोह तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी सिकंदराबाद में मनाया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनीता गिडीया, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष श्रपंकज संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष वीरेंद्र गौशल अणुव्रत समिति के अध्यक्ष प्रकाश भंडारी, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष महेंद्र भंडारी एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष बाबूलाल बैद ने साध्वीश्री जी के प्रति आगामी विहार की एवं स्वास्थ्य स्वस्थ रहे ऐसी सभी ने मंगल भावना भायी।

मंगलाचरण महिला मंडल द्वारा किया गया। प्रेमसुख बैंगनी, संपत नौलखा कन्या मंडल से मोक्षा, समण संस्कृति संकाय से श्रीमती संगीता गोलछा, ज्ञानशाला परिवार से श्रीमती सीमा दस्सानी, श्रीमती चांद बैद, श्रीमती संतोष बाई पींचा, श्रीमती निशा पींचा, अरिहंत गुजरानी, मोहित बैद, सुनीता बंबोली, सुरेश सुराना, लक्ष्मीपत डूंगरवाल, रौनक नाहटा, प्रकाश दफ्तरी आदि ने भी साध्वीश्रीजी के प्रति आगामी बिहार की मंगल कामनाएं की।

संघी समिति की नई कार्यकारिणी का गठन

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संघी समिति की सभा बशीरबाग स्थित फतेह मैदान क्लब में आयोजित की गई। सभा में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के पद पर सुबोध संघी, उपाध्यक्ष राजन संघी, सचिव के रूप में पंकज संघी, सह सचिव अवधेश नारायण संघी, कोषाध्यक्ष पवन संघी को नियुक्त किया गया। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया और सभी संघी परिवारों से इस समिति से जुड़ने की अपील की तथा संघी समिति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आश्वासन दिया और इस नई कार्यकारिणी सदस्यों को बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद और साथ सदा मिलता रहे, ऐसी आशा प्रकट की। सभा में संघी समिति एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट का चेयरमैन भूपेंद्र संघी, मैनेजिंग ट्रस्टी प्रताप नारायण संघी तथा ट्रस्टीस में अनिल संघी, निर्मला संघी, किशन संघी तथा संजय संघी रहेंगे. अवसर पर सुबोध संघी,प्रताप नारायण संघी, पंकज संघी,भूपेंद्र संघी,अनिल संघी, पवन संघी तथा निर्मला संघी आदि उपस्थित थे।

राजा सिंह को ज़मानत मिलने से न्याय पालिका पर भरोसा बढा : पंकज अग्रवाल

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा विधायक टी. राजा सिंह को बड़ी राहत दे दी। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद टी. राजा सिंह को रैलियां और प्रेस मीट न करने की शर्तों के साथ रिहा करने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद को लेकर टिप्पणी करने के बाद टी. राजा सिंह के खिलाफ कई शिकायतें दी गई थी। डबीरपुरा, भवानी नगर, रेनबाजार, मिरचौक पुलिस स्टेशनों में भारी संख्या में लोग शिकायत दर्ज कराने व विरोध प्रदर्शन के बाद विधायक टी. राजा सिंह को पीडी के अंतर्गत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। लगभग 2 महीने के कानूनी लड़ाई के आज तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा आज विधायक टी. राजा सिंह को बड़ी राहत देते हुए पीडी ऐक्ट को हटाते हुए उन्हें जमानत दे दी है, जिससे हिन्दू समाज में एक खुशी की लहर छा गयी है। तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा आज राजा सिंह पर लगे पी.डी. ऐक्ट को हटाकर देश की जनता में फ़िर से एक बार फिर से कानून तथा कानून व्यवस्था पर भरोसा बड़ा दिया है।

झुंझुनूं प्रगति संघ का दिवाली मिलन 13 को

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। झुंझुनूं प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का इस वर्ष का दिवाली मिलन समारोह रविवार 13 नवंबर को संपन्न होगा। संघ के मानद मंत्री राजकुमार पसारी के द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बंजारा हिल्स स्थित प्लाटिनम बैंकवेट में सांय 6 बजे अल्पाहार से प्रारंभ होने वाले उक्त कार्यक्रम में इनामों से युक्त विभिन्न वर्गों के लिए मनोरंजक कार्यक्रम के साथ ही इनाम के रूप में भरपूर चांदी से युक्त महातमबोला का आयोजन होगा। बच्चों के साथ ही महिला और युवा वर्ग को संघ में सक्रिय करने के उद्धेश्य से आकर्षक उपहारों का भी प्रावधान रखा गया है। मंचीय कार्यक्रम के अंतर्गत संघ के वरिष्ट सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों और नियमित रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया जायेगा। संघ के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष उमेश गुप्ता, उपस्थिति मंत्री तरुण तुलस्यान, कोषाध्यक्ष शंकर लाल तुलस्यान ने संघ के सदस्यों से सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आह्वान किया हैं।

आदर्श फोरम के प्रतिनिधिमंडल ने दी रजक समाज की समस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के रजक समाज के जुडा आदर्श फोरम के एक प्रतिनिधिमंडल ने अशोक सिंह अंगूवाले (जीएसटी के उपायुक्त) की अगुवाई में नईदिल्ली से नगर पधारे समाज के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्रा (आईआरएस, अतिरिक्त आयुक्त, आयकर विभाग) से मुलाकात की तथा समाजबंधुओं की समस्याओं के बारे में चर्चा की। अशोक सिंह अंगूवाले ने उपस्थित हीरालाल जियालालवाले, सीए विजय सिंह भवानीवाले, सीए विक्रम सिंह भवानीवाले, डॉ. सुरेन्द्र सिंह घस्सुवाले, संजय सिंह अल्लारखीवाले, आदर्श रजक विद्या समिति (मगरिया) के अध्यक्ष भरत सिंह माखनवाले, गिरधारी अशोक सिंह चिन्नामुन्नावाले, नितिन सिंह चिन्नामुन्नावाले, तेलुगु धोबी समाज के अंजनेयुलु, संपत, परमेश आदि का डॉ. सुभाष चंद्रा से परिचय करवाया। परिचय पश्चात हीरालाल, अशोक सिंह, भरत सिंह ने शॉल, मोतियों की माला पहनाई तथा हैदराबाद रजक समाज की ओर से सम्मानित किया। डॉक्टर सुभाष चंद्रा ने सभी से मिलकर हर्ष का अनुभव किया एवं अभिभूत हुए। श्री चंद्रा ने उपस्थितों से यहां की गतिविधियों की जानकारी ली। अशोक सिंह अंगुवाले ने विस्तार से यहां समय समय पर आदर्श फोरम द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रमों जैसे हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम रजक शिक्षा अभियान एवं सम्मान समारोह, आधार सुविधा केंद्र, 250 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ सभी को, रक्तदान शिविर, मेगा मेडिकल कैंप, कोरोना काल में समाज बंधुओं में राशन वितरण आदि का ब्योरा दिया। जानकारी प्राप्त कर डॉक्टर सुभाष चंद्रा जी बहुत ही खुश हुए और रजक समाज के प्रतिनिधिमंडल को और भी कई कार्यक्रम आयोजित करने की प्रेरणा दी। अशोक सिंह ने आदर्श फोरम के सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया।

'संगत-पंगत' द्वारा दशहरा-दिपावली मिलन उत्सव आयोजित

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कायस्थ समाज से जुड़ी संस्था संगत-पंगत' द्वारा दशहरा-दिपावली मिलन उत्सव का आयोजन नगर के रूबी गार्डन में किया गया, जिसमें लेखक वरिष्ठ संपादक, पूर्व सांसद, समाजसेवी, एसआईएस के संस्थापक आर.के. सिन्हा, भोपाल के सांसद और मध्यप्रदेश भाजपा प्रवक्ता आलोक संजर, भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री की पुत्रवधू नीरा शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन भगवान चित्रगुप्त की वंदना से प्रारंभ हुआ। बालिका चंद्रकला श्रीवास्तव के आकर्षक भाव-भंगिमाओं से युक्त नृत्य द्वारा गणेश-वंदना की गई। उसके पश्चात विभिन्न स्तरों पर अपनी अद्भुत योग्यता द्वारा समाज एवं राष्ट्र में पहचान बनाने वाली शख्सियतों को सम्मानित किया गया।

साक्षरता में सबसे आगे माने जाने वाले कायस्थ-समाज के कई युवाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, जिन्हें 'मेरिट स्टूडेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया, 'विद्या रत्न अवार्ड' के अंतर्गत लेखिका रुचि रंजन को उनकी अनोखी शैली वाली पुस्तक 'ड्रैबल' के लिए, विला मेरी की प्रधानाध्यापिका रेवती माथुर तथा अन्य रचनाकारों को, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को 'खेल रत्न अवार्ड' जैसे- आशीर्वाद सक्सेना, सपन राज माथुर, अथर्व श्रीवास्तव, आरोही माथुर, अनमोल माथुर, तन्मय ओंकार को सम्मानित किया गया।

जनता के हित में पारदर्शी और भ्रष्टाचार से मुक्त हो बैंकों का कार्य : सुरेशचंद्र तेली

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के सिलसिले में नेकलेस रोड पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा वाक् का आयोजन किया। क्षेत्र महाप्रबंधक सुरेशचंद्र तेली ने गुब्बारें छोड़कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सभी सरकारी संस्थाएं और बैंक के कार्य जनता के हित में पारदर्शी और भ्रष्टाचार से मुक्त होने चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बैंक के स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। सुश्री सीएच जननी, क्षेत्र प्रमुख, सिकंदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने सभी का स्वागत किया।

विधायक राजा सिंह को उच्च न्यायालय में जमानत मिलने पर गौलीगुड़ा उस्मानशाही में जश्न मनाते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता वेंकटेश यादव, एनआर लक्ष्मण राव, दसारी शेखर, अरुणसिंह, आशीष, शक्तिसिंह, और अन्य।

डॉ. दिलीप धींग को आचार्य हस्ती सेवा सम्मान

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आचार्य हस्ती फाउंडेशन, हैदराबाद की ओर से वर्ष 2022 का आचार्य हस्ती सेवा सम्मान जैन दर्शन के विद्वान साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग को दिया जाएगा। फाउंडेशन की कार्यकारिणी सभा में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। अध्यक्ष सीए निर्मलकुमार सिंघवी ने बताया कि कवि डॉ. धींग की मौलिक, सुदीर्घ और उत्कृष्ट श्रुत सेवाओं के लिए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया जाएगा। महामंत्री श्रीपाल देशलहरा ने बताया कि आचार्य हस्ती जन्म शताब्दी वर्ष में स्थापित फाउंडेशन के अंतर्गत डॉ. धींग को यह 11वां सम्मान मिलेगा।

आचार्य आनंदऋषि साहित्य निधि के कार्यदर्शी सुरेश गुगलिया ने बताया कि डॉ. धींग आचार्य हस्ती नामित चार प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले एकमात्र विद्वान हैं। इससे पूर्व डॉ. धींग आचार्य हस्ती स्मृति सम्मान (जोधपुर), आचार्य हस्ती अहिंसा अवार्ड (जलगांव) तथा आचार्य हस्ती करुणा वक्ता अवार्ड (चेन्नई) से सम्मानित हो चुके हैं। सहमंत्री कल्पना सुराणा ने बताया कि इसके अलावा डॉ. धींग को अब तक अणुव्रत लेखक पुरस्कार, कुंदकुंद ज्ञानपीठ पुरस्कार, जीतो सेवा अवार्ड, आचार्य नानेश शताब्दी सम्मान, सेवारत्न, साहित्य-मनीषी और पाँच बार जिनवाणी लेखक पुरस्कार सहित कई सम्मान मिल चुके हैं

देव दीपावली व अन्नकूट महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीनगर कालेनी स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी देवस्थानम में मुसद्दीलाल बजरंगलाल शर्मा परिवार द्वारा देव दीपावली व अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया।

गैरतलब है कि इस प्रकार का कार्यक्रम पहले भी आयोजित किया गया था। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाप्रसाद का आयोजन किया गया है, जिसमें सैकडों भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध डॉक्टर एके पुरोहित, रामदेव नागला, हरीनारायण व्यास, सुरेश शर्मा, विनोद मुद्गल, महेश अवस्थी, हरिश्चंद्र बोरा, संदीप जायलवाल व अन्य की विशेष उपस्थिति रही।

विधायक राजा सिंह से मुलाकात कर सम्मान करते हुए समाजसेवी गोविंद राठी, विमल डालिया, यादगिरी व अन्य।

विश्वमंगल गौशाला मेडचल में सामूहिक सत्यनारायण पूजा तथा दीपज्योति उत्सव मनाया गया। इसमें भाग लेते हुए दुर्गा रेड्डी, टीवी सुरेश, नारायण राम सुथार, मोतीराम सीरवी, गोगा राम, पेमाराम, भोलाराम, धर्माराम, वीसवाराम के अलावा काफी गो भक्त। शांतिलाल सुथार ने धन्यवाद प्रकट किया।

छात्रावास निर्माण तथा अन्य मांगों को लेकर निजाम कॉलेज में प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थी। गौरतलब है कि विद्यार्थियों की मांग पर विशेष ध्यान देने के लिए मंत्री केटीआर ने भी शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी को आग्रह किया है।

13 साल बाद वर्ल्ड कप फाइनल में पाकिस्तान

न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, बाबर-रिजवान ने 105 रन की ओपनिंग साझेदारी की

सिडनी, 9 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल में 153 का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हरा दिया। PAK की टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट खोकर मैच जीत लिया।

पाकिस्तान 13 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है। पाकिस्तानी टीम 2007 में खेले गए पहले टी-20 वर्ल्ड कप में फाइनल पहुंची थी पर जीती नहीं। आखिरी बार वह 2009 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में फाइनल में पहुंची थी और खिताब भी जीता था।

आज खेले गए सेमीफाइनल में ओपनर बाबर आजम (53 रन) और मोहम्मद रिजवान (57 रन) ने ताबड़तोड़ बैटिंग की। दोनों ने 105 रन की ओपनिंग साझेदारी की। पूरे टूर्नामेंट में दोनों की

ओपनिंग पर सवाल उठ रहे थे। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 2 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी गलती, बाबर का कैच छोड़ा

न्यूजीलैंड को पहले ओवर में की गई गलती भारी पड़ी। जब बोल्ट की दूसरी गेंद पर न्यूजीलैंड के विकेट कीपर डेवोन कॉन्वे ने बाबर का कैच छोड़ दिया। तब बाबर आजम का खाता भी नहीं खुला था।

PAK के शादाब की डायरेक्ट हिट से लड़खड़ाया न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड जब बल्लेबाजी कर रहा था, तब उसने पावर प्ले की आखिरी गेंद पर यानी छठे ओवर की आखिरी गेंद पर विकेट खो दिया। विकेट था विस्फोटक डेवोन कॉन्वे का। शादाब ने डायरेक्ट हिट पर उन्हें रनआउट कर दिया। पावर प्ले में 2 विकेट खोने के बाद न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी धीमी हो गई। अगर एक रन के लालच में कॉन्वे अपना विकेट नहीं देते तो फाइनल स्कोर में 20-30 रन और बढ़ सकते थे और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।

सेमीफाइनल जैसे बड़े मुकाबले में कप्तान विलियमसन ने 46 रनों की पारी खेली। उन्होंने डेरिल मिचेल के साथ 50 गेंदों पर 68 रन की साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। डेरिल मिचेल ने 53 रन की पारी खेली। उन्होंने जिमी नीशम के साथ 22 गेंदों पर 32 रनों की साझेदारी की।

मिचेल की बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड का स्कोर 153 पहुंचा, लेकिन यह काफी नहीं रहा। शाहीन शाह अफरीदी ने 2 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर फिन एलन और कप्तान केन विलियमसन के विकेट अहम मौकों पर झटके। सबसे अहम बात 4 ओवर में उन्होंने केवल 24 रन दिए यानी 6 की इकोनॉमी रही।

कोहली टॉप-10 से बाहर, सूर्या नंबर-1 पर कायम

टी-20 रैंकिंग...बॉलिंग में हसरंगा टॉप पर

खेल डेस्क, 9 नवंबर (एजेंसियां)। टॉप फॉर्म पर चल रहे विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-11 से बाहर हो गए हैं। जबकि सूर्यकुमार यादव नंबर-1 पोजिशन पर कायम हैं। वहीं, श्रीलंकाई के वानिंदु हसरंगा दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं।

बुधवार को जारी आईसीसी रैंकिंग में स्टार पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 653 अंक के साथ 11वें नंबर पर हैं। जबकि सूर्यकुमार यादव सबसे ज्यादा 869 अंक लेकर इस लिस्ट के टॉप पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा 704 अंक लेकर नंबर-1 पर आ गए हैं।

वर्ल्ड कप में तीन अर्धशतक जमा चुके हैं कोहली

विराट इस रैंकिंग में टॉप-10 से तब बाहर हुए, जब वो टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार शानदार खेल रहे हैं। सुपर-12 में खेले गए

साउथ अफ्रीका के खिलाफ फ्लॉप रहना वजह

भारत के 5 मैचों से 3 में कोहली ने अर्धशतक लगाए। संभवतः साउथ अफ्रीका के खिलाफ उनकी जो परफॉरमेंस रही, उसी के चलते वो टॉप-10 से बाहर हुए हैं।

प्लेयर ऑफ द मंथ रहे थे विराट

हाल ही में ICC ने विराट कोहली को अक्टूबर के लिए 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना था। कोहली टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 5 मैचों में 138.98 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं।

वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया था। इस मैच में कोहली ने 82 रन की नाबाद पारी खेली थी। उन्होंने 31 रन पर 4 विकेट खो चुकी टीम इंडिया को संभाला। हार्दिक पंड्या के साथ 113 रन की पार्टनरशिप की। आखिरी ओवर में जब 16 रन चाहिए थे, तब कोहली ने ही नो बॉल पर सिक्स लगाकर टीम को जीत का रास्ता दिखाया। पूरी स्टोरी यहां देखें...

सूर्या नंबर 1 पर काबिज

आईसीसी की टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में 869 पॉइंट्स के साथ सूर्यकुमार यादव नंबर 1 पर बने हुए हैं। उनके 360 डिग्री शॉट्स के चर्चे हर तरफ हैं। सूर्या ने टी-20 वर्ल्ड कप के 5 मैचों में 225 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 193.96 रहा। भारत को टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचाने में विराट के साथ सूर्या का भी हाथ रहा है। 5 मैचों में से 3 मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाए थे।

वानिंदु गेंदबाजी में सबसे आगे

टी-20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग में 704 पॉइंट्स के साथ वानिंदु हसरंगा नंबर 1 पर हैं। हालांकि, उनके अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रीलंका टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है।

फीफा वर्ल्ड कप 2022 अनुसूची: 32 टीम, एक खिताब कहां और कब देखेंगे मुकाबले

खेल डेस्क, 9 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल के कुछ दिन बाद ही फुटबॉल वर्ल्ड कप का आगाज होगा. कतर में 32 टीमें मैदान पर उतरेंगी.

पूरी दुनिया इस समय टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में डूबी हुई है, जिसका फाइनल 13 नवंबर को खेला जाएगा. क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल के कुछ दिन बाद ही फुटबॉल वर्ल्ड कप का आगाज होगा. कतर में 20 नवंबर को फुटबॉल वर्ल्ड कप का आगाज होगा. स्पेन, जर्मनी, ब्राजील को खिताब का मजबूत दावेदार माना जा रहा है, मगर कई टीमें उलटफेर करने के लिए तैयार है. मौजूदा चैंपियन फ्रांस पर भी नजर रहेगी.

वहीं पिछली बार की रनरअप क्रोएशिया एक भी फिर उलटफेर करने को तैयार है. सभी टीमों को 8 ग्रुप में बांटा गया है. टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान कतर और इक्वाडोर के बीच खेला जाएगा. टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा.

फीफा वर्ल्ड कप 2022 के ग्रुप

ग्रुप-एः इक्वाडोर, नेदरलैंड्स, सेनेगल, कतर

ग्रुप-बीः इंग्लैंड, वेल्स, यूएसए, ईरान

ग्रुप-सीः पोलैंड, अर्जेंटीना, सऊदी अरब, मैक्सिको

ग्रुप-डीः फ्रांस, ट्यूनिशिया, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क

ग्रुप-ईः कोस्टा रिका, जर्मनी, स्पेन, जापान

ग्रुप-एफः क्रोएशिया, मोरक्को, बेल्जियम, कनाडा

ग्रुप-जीः सर्बिया, ब्राजील, कैमरून, स्विट्जरलैंड

ग्रुप-एचः उरुग्वे, कोरिया रिपब्लिक, पुर्तगाल घाना

फीफा वर्ल्ड कप 2022 शेड्यूल

नवंबर 20 – कतर बनाम इक्वाडोर, रात 9.30 बजे, अल बेयट स्टेडियम नवंबर 21 – सेनेगल बनाम नेदरलैंड्स , रात 9:30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम नवंबर 25 – कतर बनाम सेनेगल, शाम 6:30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम नवंबर 25 – नेदरलैंड्स बनाम इक्वाडोर, 9:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम नवंबर 29 – इक्वाडोर बनाम सेनेगल, रात 8:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम नवंबर 29 – नेदरलैंड्स बनाम कतर, रात 8.30 बजे, अल बेयट स्टेडियम

ग्रुप बी नवंबर 21 – इंग्लैंड बनाम ईरान, शाम 6:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम नवंबर 22 – यूएसए बनाम वेल्स, रात 12:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम नवंबर 25 – वेल्स बनाम ईरान, सुबह 3:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम नवंबर 26 – इंग्लैंड बनाम यूएसए, रात 12:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम नवंबर 30 – ईरान बनाम यूएसए, रात 12:30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम नवंबर 30 – वेल्स बनाम इंग्लैंड, रात 12:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम

ग्रुप सी नवंबर 22 – अर्जेंटीना बनाम सऊदी अरब, दोपहर 3:30 बजे, लुसैल स्टेडियम नवंबर 22 – मेक्सिको बनाम पोलैंड, सुबह 9:30 बजे, स्टेडियम 974 नवंबर 26 – पोलैंड बनाम सऊदी अरब, शाम 6.30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम नवंबर 27 – अर्जेंटीना बनाम मेक्सिको, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम दिसंबर 1 – पोलैंड बनाम अर्जेंटीना, रात 12:30 बजे, स्टेडियम 974 दिसंबर 1 – सऊदी अरब बनाम मेक्सिको, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम

ग्रुप डी नवंबर 22 – डेनमार्क बनाम ट्यूनीशिया, शाम 6:30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम नवंबर 23 – फ्रांस बनाम ऑस्ट्रेलिया, रात 12:30 बजे, अल जानौब स्टेडियम नवंबर 26 – ट्यूनीशिया बनाम ऑस्ट्रेलिया, दोपहर 3:30 बजे, अल जानूब स्टेडियम नवंबर 26 – फ्रांस बनाम डेनमार्क, रात 9:30 बजे, स्टेडियम 974 नवंबर 30 – ऑस्ट्रेलिया बनाम डेनमार्क, रात 8:30 बजे, अल जानूब स्टेडियम नवंबर 30 – ट्यूनीशिया बनाम फ्रांस, रात 8:30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम

ग्रुप ई नवंबर 23 – जर्मनी बनाम जापान, शाम 6:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम नवंबर 23 – स्पेन बनाम कोस्टारिका, रात 9.30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम नवंबर 27 – जापान बनाम कोस्टारिका, सुबह 3:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम नवंबर 28 – स्पेन बनाम जर्मनी, रात 12:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम दिसंबर 2 – कोस्टारिका बनाम जर्मनी, रात 12:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम दिसंबर 2 – जापान बनाम स्पेन, रात 12:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम

ग्रुप एफ नवंबर 23 – मोरक्को बनाम क्रोएशिया, दोपहर 3:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम नवंबर 24 – बेल्जियम बनाम कनाडा, रात 12:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम नवंबर 27 – बेल्जियम बनाम मोरक्को, शाम 6:30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम नवंबर 27 – क्रोएशिया बनाम कनाडा, रात 9:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम दिसंबर 1 – क्रोएशिया बनाम बेल्जियम, रात 8:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम

ग्रुप जी नवंबर 24 – स्विट्ज़रलैंड बनाम कैमरून, सुबह 3:30 बजे, अल जनौब स्टेडियम नवंबर 25 – ब्राजील बनाम सर्बिया, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम नवंबर 28 – ब्राजील बनाम स्विट्जरलैंड, शाम 6:30 बजे, स्टेडियम 974 नवंबर 28 – कैमरून बनाम सर्बिया, दोपहर 3.30 बजे, अल जानौब स्टेडियम दिसंबर 3 – कैमरून बनाम ब्राजील, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम दिसंबर 3 – सर्बिया बनाम स्विट्जरलैंड, रात 12:30 बजे, स्टेडियम 974

ग्रुप एच नवंबर 24 – उरुग्वे बनाम दक्षिण कोरिया, शाम 6.30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम नवंबर 24 – पुर्तगाल बनाम घाना, रात 9:30 बजे, स्टेडियम 974 नवंबर 28 – दक्षिण कोरिया बनाम घाना, शाम 6:30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम नवंबर 29 – पुर्तगाल बनाम उरुग्वे, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम दिसंबर 2 – घाना बनाम उरुग्वे, रात 8.30 बजे, अल जनौब स्टेडियम दिसंबर 2 – दक्षिण कोरिया बनाम पुर्तगाल, रात 8.30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम

टॉप 16

दिसंबर 3 – 1ए बनाम 2बी, रात 8.30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम

दिसंबर 4 – 1सी बनाम 2डी, रात 12:30 बजे, अल रेयान स्टेडियम दिसंबर 4 – 1डी बनाम 2सी, सुबह 8:30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम

दिसंबर 5 – 1बी बनाम 2ए, रात 12:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम दिसंबर 5 – 1ई बनाम 2एफ, सुबह 8:30 बजे, अल जनौब स्टेडियम

दिसंबर 6 – 1जी बनाम 2एच, रात 12:30 बजे, स्टेडियम 974 दिसंबर 6 – 1एफ बनाम 2ई, रात 8:30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम

दिसंबर 7 – 1एच बनाम 2जी, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम

क्वार्टर फाइनल

दिसंबर 9, सुबह 8:30 बजे, एजुकेशन सिटी स्टेडियम दिसंबर 10, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम दिसंबर 10, सुबह 8:30 बजे, अल थुमामा स्टेडियम दिसंबर 11, रात 12:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम

सेमीफाइनल

दिसंबर 14, रात 12:30 बजे, अल बेयट स्टेडियम दिसंबर 15, रात 12:30 बजे, लुसैल स्टेडियम

तीसरे पायदान का मैच

दिसंबर 17, सुबह 8:30 बजे, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम

फाइनल

दिसंबर 18, सुबह 8:30 बजे, लुसैल स्टेडियम

भारत में कहां देखें फीफा वर्ल्ड कप 2022 के मुकाबले

भारत में फीफा वर्ल्ड कप 2022 का ब्रॉडकास्ट स्पोर्ट्स 18 चैनल पर देख सकते हैं.

भारत में फीफा वर्ल्ड कप 2022 की लाइव स्ट्रीमिंग कहां देख सकते हैं?

2023 महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी भारत को

खेल डेस्क, 9 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने कभी भी पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप का आयोजन नहीं किया है, लेकिन यह तीसरी बार होगा जब देश में महिलाओं की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 2006 और 2018 में नई दिल्ली में ही टूर्नामेंट का आयोजन हो चुका है।

भारत को 2023 महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बताया है कि नई दिल्ली में इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा।

यह मेजबानी तब मिली है जब दो साल पहले पुरुषों के इवेंट की मेजबानी की जिम्मेदारी भारत से छीन ली गई थी। तब भारत को ग्लोबल गवर्निंग बॉडी को अपेक्षित शुल्क का भुगतान नहीं करने के लिए मेजबानी से हटा दिया गया था।

भारत ने कभी भी पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप का आयोजन नहीं किया है, लेकिन यह तीसरी बार होगा जब देश में महिलाओं की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 2006 और 2018 में नई दिल्ली में ही टूर्नामेंट का आयोजन हो चुका है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कलिता न कहा- हमें महिला विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का अधिकार मिला है और हम मार्च के अंत और अप्रैल के पहले सप्ताह में इस आयोजन की मेजबानी करना चाहते हैं।

इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव भारत की अपनी पहली यात्रा पर हैं और यात्रा के दौरान मार्की इवेंट की तारीखों को अंतिम रूप दिया जाएगा। हेमंत ने कहा- आयोजन की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। हम आईबीए अध्यक्ष के साथ बैठेंगे और उनकी यात्रा के दौरान एक समझौते पर पहुंचेंगे। टूर्नामेंट जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने की संभावना है।

भारत के लिए इस टूर्नामेंट की मेजबानी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बीएफआई ने मेजबान शुल्क का भुगतान करने में विफल रहने के बाद 2021 के आयोजन की मेजबानी का अधिकार सर्बिया को खो दिया था। जिससे अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (तब एआईबीए) को समझौता रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तुर्की में महिलाओं के आयोजन के पिछले संस्करण में भारत ने तीन पदकों के साथ वापसी की थी, जिसमें निकहत जरीन का फ्लाईवेट वर्ग में स्वर्ण शामिल था।

क्रेमलेव ने हाल ही में घोषणा की थी कि अगले साल मई में ताशकंद में होने वाली पुरुष विश्व चैंपियनशिप में पुरस्कार राशि पिछले संस्करण से दोगुनी हो जाएगी।

एमएस धोनी का टेनिस टूर्नामेंट में दमदार आगाज

जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

खेल डेस्क, 9 नवंबर (एजेंसियां)। रांची में आयोजित जेएससीएटेनिस टूर्नामेंट में धोनी ने पहला मैच खेला. ये पहले दौर का मुकाबला रहा, जिसमें धोनी ने टनाटन जीत दर्ज की. एमएस धोनी की बनाई टीम इंडिया तो इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में डी20 वर्ल्ड कप जीतने के मिशन पर है. पर खुद धोनी कहां हैं? तो इसका जवाब है अपने होम टाउन रांची. धोनी रांची में हैं और एक टेनिस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं. धोनी के फैंस के लिए अच्छी बात ये है कि उन्होंने क्रिकेट की ही तरह यहां भी अपनी गाड़ी जीत के साथ ही आगे बढ़ाई है. टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रांची में चल रही जेएससीए टेनिस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं.

ये तो सब जानते हैं कि क्रिकेट के अलावा जो धोनी के पसंदीदा खेलों में शामिल है, उनमें एक टेनिस भी है. गाहे बेगाहे टेनिस का रैकेट थामे अभ्यास करते उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आ ही जाती हैं. लेकिन इस बार धोनी की टेनिस से जुड़ी खबर उनके प्रैक्टिस की नहीं बल्कि टूर्नामेंट में मुकाबला जीतने से संबंधित है.

जेएससीए टेनिस टूर्नामेंट में धोनी ने पहले दौर का मैच जीता

रांची में आयोजित जेएससीए टेनिस टूर्नामेंट में धोनी ने पहला मैच 8 नवंबर को खेला. ये पहले दौर का मुकाबला रहा, जिसमें धोनी ने टनाटन जीत दर्ज की. बता दें कि धोनी ने इस टेनिस प्रतियोगिता के सिंगल्स नहीं बल्कि डबल्स इवेंट में हिस्सा लिया है. डबल्स इवेंट में धोनी के जोड़ीदार सुमित कुमार बजाज बने.

दूसरे दौर में पहुंचे धोनी

बहरहाल, धोनी और सुमित की जोड़ी ने जेएससीए टेनिस टूर्नामेंट के डबल्स इवेंट में पहले दौर का अपना मैच जीत लिया है. और, अब उनकी निगाह दूसरे दौर का मुकाबला जीतने पर जम गई है. धोनी और सुमित को दूसरे दौर का मुकाबला 9 नवंबर को खेलना है.

टीम मैनेजमेंट की मुश्किल: सेमी में कार्तिक-पंत में से किसे खिलाएं

दिनेश के 4 मैच में 14 रन, ऋषभ भी 4 इनिंग्स में फ्लॉप रहे

एडिलेड, 9 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया 10 नवंबर को टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी, लेकिन, टॉप-4 के इस मुकाबले से पहले टीम मैनेजमेंट के सामने एक बड़ा सवाल उठ रहा है और इसे आप मुश्किल भी कह सकते हैं। उसे टीम कॉम्बिनेशन पर एक बार फिर मशक्कत करनी होगी। यह मुश्किल विकेटकीपर बैटर को लेकर है।

देखना यह होगा कि कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ का थिंक टैंक किसे मौका देता है। वजह यह है कि पिछले चार मैच में यह दोनों ही उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। ग्रुप स्टेज के शुरुआती चार मैच में विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक रहे, लेकिन बल्ले के साथ वो महज 14 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत की पिछली चार इनिंग्स को देखा जाए तो उन्होंने भी कुछ खास नहीं किया। इस समय कार्तिक बनाम पंत चर्चा हो रही है, क्योंकि रोहित ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में पंत को आजमाया। हालांकि, वे भी कुछ खास नहीं कर सके। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को एक बार फिर सोचना होगा कि पंत को सेमीफाइनल की प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाए या नहीं। मैच से पहले कप्तान ने कहा- बीच में लेफ्टी बल्लेबाज की जरूरत थी। कार्तिक बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाते हैं। कई अहम मौकों पर टीम को जिताया है। विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले चार मुकाबलों में चार कैच पकड़े हैं।ऋषभ पंत का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। वे तेज और बाउंसी पिचों पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसका उन्हें फायदा मिल सकता है। पंत दबाव में नहीं आते हैं और टीम को किसी भी परिस्थिति से उबारने की क्षमता रखते हैं। विकेट के पीछे से गेम चलाते हैं, गेंदबाजों से बातचीत करते रहते हैं।

आमतौर पर पंत को गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट होते देखा गया है। कई बार वे अहम मौकों पर विकेट फेंकते नजर आए और इसी वजह से उनकी आलोचना भी हुई। पिछले चार मुकाबलों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उनके नाम ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर महज 23 टी-20 रन दर्ज हैं।

टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि चर्चा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा- पंत मैच विनर खिलाड़ी हैं। वे फिनिशर की भूमिका बखूबी निभा सकते हैं। कार्तिक अच्छे टीम मैन हैं।

सूर्या अपने मां का आशीर्वाद लेकर खेलते हैं मैच

बांह पर उनका टैटू

मुंबई, 9 नवंबर (एजेंसियां)। सूर्या अपने माता-पिता को भगवान समझते हैं। उन्होंने दाहिने हाथ पर मां और पिता का टैटू बनवा रखा है। क्रिकेट का नया मिस्टर 360 डिग्री, किसी और ही प्लेनेट से आया है, इसके लिए कुछ भी इम्पॉसिबल नहीं। ये वो जुमले तब सुनाई देते हैं, जब सूर्यकुमार यादव क्रीज पर बल्लेबाजी कर रहे होते हैं। 200 का स्ट्राइक रेट सूर्या की आक्रामकता बताता है और चारों दिशाओं में खेले गए उनके शॉट्स लोगों को हैरान कर देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में सूर्या ने 5 मैच में 75 के एवरेज से 225 रन बनाए हैं। 3 फिफ्टी लगा चुके हैं।

वर्ल्ड क्रिकेट में चमक रहे सूर्या के लिए माता-पिता, उनके भगवान हैं। सूर्या के पिता अशोक कुमार यादव चौंकाने वाली बात पता लगी। दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज को कभी रिश्तेदार ताना मारते थे। मां-बाप से कहते थे- क्रिकेट में डालकर जिंदगी बर्बाद कर रहे हो।

अशोक यादव ने सूर्या के कैरेक्टर, उनकी ताकत, उनकी स्ट्रगल के साथ-साथ उनके गुस्से की दिलचस्प कहानी भी बताई।

आगे बढ़ने से पहले हमारे पोल में हिस्सा ले सकते हैं...

आईपीएल टूर्नामेंट दुबई में चल रहा था। सूर्यकुमार बेहतरीन फॉर्म में थे। ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और चौतरफा लगाए गए शॉट्स की हर जगह तारीफ हो रही थी। बातें शुरू हो गई थीं कि अब तो सूर्या टीम इंडिया में चुन लिए जाएंगे।

अधिकारियों के लिए विकास में योगदान का उत्कृष्ट अवसर : सोमेश कुमार

वर्ष 2020 बैच के आईएएस अधिकारियों ने मुख्य सचिव से मुलाकात की

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कैडर के लिए आवंटित सात आईएएस अधिकारियों को विभिन्न जिलों में अतिरिक्त कलेक्टर, स्थानीय निकाय के रूप में नियुक्ति का आदेश मिला हैं।

अपने-अपने जिलों में कार्यभार ग्रहण करने से पहले आईएएस अधिकारियों ने आज तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव सोमेश कुमार से उनके कक्ष में मुलाकात की। उनके साथ डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव बेनहूर महेश दत्त एक्का भी थे।

इस अवसर पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि उनकी नौकरियां उन्हें तेलंगाना राज्य के विकास पथ और समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से इसके कमजोर वर्गों के लिए कई लाभकारी परिणामों में योगदान करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने अधिकारियों से विकास और कल्याण के क्षेत्र में सरकार के नवोन्मेषी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने और मुख्यमंत्री केसीआर के दृष्टिकोण को पूरी तरह से प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों की सभी योजनाओं को उनके संबंधित जिलों में अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और उनके पोषित लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त किया जाए।

पिछले लगभग डेढ़ वर्षों के दौरान, आईएएस अधिकारियों ने 52-सप्ताह का उन्मुखीकरण और व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा किया है, जिसका संचालन और समन्वय डॉ एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ तेलंगाना द्वारा किया गया है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में चरण- II प्रशिक्षण लिया गया है और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में सहायक सचिवों के रूप में प्रशिक्षण पूरा किया। इस अवसर पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार, संदीप कुमार सुल्तानिया, वी शेषाद्री और राहुल बोज्जा आदि उपस्थित रहे।

साल में चार बार मतदाता के रूप में करा सकते हैं पंजीकरण : विकास राज

आंध्र महिला सभा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज ने कहा कि 18 वर्ष से ऊपर के योग्य लोग एक वर्ष में चार बार मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। स्वीप कार्यक्रम के तहत सीईओ विकास राज ने बुधवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में आंध्र महिला सभा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों के साथ आयोजित बैठक में मतदाता पंजीकरण एवं आधार कार्ड लिंकेज जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर बोलते हुए, सीईओ ने कहा कि पहले, 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र मतदाताओं को वर्ष में केवल एक बार मतदाता के रूप में पंजीकरण करने का अवसर मिलता था। जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन के मद्देनजर अब से साल में चार बार पंजीकरण कराने का विकल्प है। सीईओ ने कहा कि 18 साल की उम्र पार करने वालों को 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को मतदान के लिए पंजीकरण कराना होगा। जो लोग 01 जनवरी, 2023 तक पात्र हैं, उन्हें विशेष सारांश संशोधन के भाग के रूप में मतदाता पंजीकरण का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के अवसर पर प्रत्येक मतदान केंद्र पर सूची तैयार की जा रही है और सूची में किसी भी तरह के दावे व आपत्ति आठ दिसंबर तक प्राप्त की जा सकेगी। सीईओ ने कहा कि अंतिम मसौदा सूची 5 जनवरी को जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्र मतदाता पंजीकरण में सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि वोटर रजिस्ट्रेशन पर फोकस होना चाहिए, इसी तरह वोटर लिस्ट के आधार लिंक के साथ फोन नंबर भी डाला जाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार ने कहा कि कॉलेज में पात्र लोगों के लिए मतदाता पंजीकरण के लिए यहां एक विशेष काउंटर स्थापित किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि छात्रावास में कम से कम छह माह तक रहने वाले कॉलेज के वार्डन व प्राचार्य के प्रमाण पत्र के आधार पर मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतदान पंजीकरण और चुनावों में मतदान के हर अधिकार के प्रयोग से लोकतंत्र का अस्तित्व और प्रगति संभव है। आयुक्त ने कहा कि हैदराबाद जिले के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी जीएचएन ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए पात्रता की तिथि तक 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग एप लाइन के माध्यम से निकटतम बूथ स्तर के अधिकारी या www.nvsp.in या वोटर अप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. झांसी रानी ने कहा कि मतदान के अधिकार से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

सीईओ विकास राज ने कॉलेज के राजदूतों की जागरूकता के लिए डिज़ाइन किए गए दीवार पोस्टर का अनावरण किया। संयुक्त सीईओ रवि किरण, जीएचएमसी चुनाव अतिरिक्त आयुक्त पंकजा, अंबर पाटे ईआरओ उपायुक्त वेणु गोपाल और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आईटी व ईडी ने तेलंगाना में ग्रेनाइट कंपनियों की तलाशी ली

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने बुधवार को तेलंगाना के मंत्री गंगुला कमलाकर सहित ग्रेनाइट फर्मों के मालिकों के कार्यालयों और आवासों पर संयुक्त रूप से तलाशी ली। नागरिक आपूर्ति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री तथा अन्य ग्रेनाइट व्यवसायियों के आवास और अन्य परिसरों में हैदराबाद और करीमनगर में लगभग 20 स्थानों पर एक साथ तलाशी चल रही है।

आईटी और ईडी अधिकारियों की टीमों ने एक साथ तलाशी ली। वे कथित तौर पर हैदराबाद के पंजागुट्टा, हैदरगुडा, सोमाजीगुडा और अन्य क्षेत्रों में ग्रेनाइट उद्योगों के कार्यालयों में रिकॉर्ड और लेनदेन की जाँच कर रहे थे। करीमनगर शहर में मंत्री के घर और मनकममोटा और कमान इलाकों में उनके रिश्तेदारों के स्वामित्व वाले ग्रेनाइट उद्योगों के कार्यालयों पर भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मंत्री या उनके परिवार के सदस्य मौजूद नहीं थे। माना जा रहा है कि ग्रेनाइट कारोबारियों के खिलाफ टैक्स चोरी और फेमा उल्लंघन के आरोपों के बाद आईटी और ईडी के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की है। ईडी ने इससे पहले आठ उद्योगों को नोटिस जारी किया था। माना जाता है कि केंद्रीय एजेंसियां निर्यात से संबंधित रिकॉर्ड और ग्रेनाइट खदानों के कथित अवैध उत्खनन की जांच कर रही हैं।

राजमंड्री के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी, नौ ट्रेनें रद्द

विजयवाड़ा, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में राजमंड्री रेलवे स्टेशन के पास बुधवार तड़के एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे नौ ट्रेनें रद्द कर दी गईं। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल के अधिकारियों के अनुसार राजमंड्री यार्ड में मुख्य लाइन पर तड़के करीब तीन बजे मालगाड़ी पटरी से उतर गई। घटना के बाद, रेलवे अधिकारी एक ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही की अनुमति दे रहे थे। इसके चलते नौ ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। दो अन्य ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया और एक ट्रेन के समय में बदलाव किया गया।

विजयवाड़ा-विशाखापत्तनम, विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा, गुंटूर-विशाखापत्तनम, विशाखापत्तनम-गुंटूर, विशाखापत्तनम-विजयवाड़ा, विजयवाड़ा-विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा-गुंटूर, गुंटूर-विजयवाड़ा और काकीनाडा पोर्ट-विजयवाड़ा को रद्द कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने काकीनाडा शहर और विजयवाड़ा के बीच काकीनाडा पोर्ट-विजयवाड़ा ट्रेन को आंशिक रूप से रद्द करने की भी घोषणा की। विजयवाड़ा-राजमुंदरी ट्रेन को ताडेपल्लीगुडेम और राजमुंदरी के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। विजयवाड़ा-लिंगमपल्ली ट्रेन के समय में दो घंटे का बदलाव किया गया है।

अय्यना पतरुडु के खिलाफ सीआईडी जांच को हाईकोर्ट ने दी हरी झंडी

विजयवाड़ा, 9 नवंबर (स्वतंत्र वाताज्ञ)। टीडीपी के वरिष्ठ नेता अय्यना पत्ररुडू पर सीआईडी ने जल संसाधन विभाग की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, पूर्व मंत्री अय्यना पतरुडु ने अपने खिलाफ लाए गए भूमि अतिक्रमण के आरोपों को खारिज करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने आज याचिका पर सुनवाई की। अय्याना के वकील के अनुसार, "मेरे मुवक्किल को जानबूझकर धारा 467 प्रतिवादी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, और कहा कि धारा 467 इस स्थिति में असंवैधानिक है। दूसरी ओर, सीआईडी के वकील ने तर्क दिया कि कार्यकारी अभियंता को धमकी दी जाती है और धमकाया जाता है यदि वह अय्याना के खिलाफ शिकायत दर्ज करता है इसलिए, धारा 467 लागू है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले में धारा 467 लागू नहीं होती है। दूसरी ओर, एचसी ने कहा कि धारा 41 ए के तहत नोटिस जारी किए जा सकते हैं और सीआरपीसी के प्रावधानों के अनुसार सीआईडी जांच की जा सकती है।

कृष्णा जल विवाद : बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल की सुनवाई फिर से शुरू

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच कृष्णा जल विवाद की जांच कर रहे बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल की सुनवाई बुधवार को फिर से शुरू हुई। तेलंगाना सिंचाई अधिकारियों के अनुसार, अब तक, तेलंगाना द्वारा कृषि, इंजीनियरिंग पहलुओं और संचालन प्रोटोकॉल पर आंध्र प्रदेश के तीन विशेषज्ञ गवाहों की जिरह और आंध्र प्रदेश द्वारा इंजीनियरिंग पहलुओं और कृषि पर तेलंगाना राज्य के दो विशेषज्ञ गवाहों की जिरह समाप्त हो गई है। तेलंगाना राज्य की ओर से ऑपरेशन प्रोटोकॉल पर विशेषज्ञ गवाह चेतन पंडित से आंध्र प्रदेश के एक वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा जिरह अगले तीन दिनों तक की जाएगी। यह उनकी जिरह का दूसरा सत्र है।

आंध्र सरकार ने अपनी याचिका में शिकायत की है कि तेलंगाना आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के तहत गठित शीर्ष परिषद में लिए गए निर्णयों, कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड और केंद्र के निर्देशों का पालन करने से इंकार कर रहा है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया कि वह केंद्र को श्रीशैलम, नागार्जुनसागर और पुलीचिंताला के सामान्य जलाशयों का नियंत्रण लेने का निर्देश दे और बाध्यकारी पुरस्कार और नियमों के अनुसार इसे संचालित करे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तेलंगाना सरकार गरीबों की शिक्षा के लिए प्रयासरत : इंद्रकरन रेड्डी

आदिलाबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक रूप से गरीब समुदायों के छात्रों के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। वह बुधवार को बोथ मंडल केंद्र में तेलंगाना राज्य समाज कल्याण आवासीय विद्यालयों (टीएसडब्ल्यूआर) (बालिका) की चार दिवसीय आठवीं राज्य स्तरीय एथलेटिक चैंपियनशिप का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए हर जिले में आवासीय स्कूल और कॉलेज बनाए हैं कि गरीब छात्र उच्च शिक्षा जारी रखें। यह स्कूलों और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पाठ्येतर गतिविधियों को प्रदान करने को सर्वोपरि महत्व दे रहा था। उन्होंने कहा कि यह खेल में छात्रों को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दे रहा था, उन्होंने कहा कि सामाजिक कल्याण आवासीय शिक्षण संस्थानों के छात्र न केवल शिक्षा में उत्कृष्ट थे, बल्कि खेल में चमक रहे थे और सरकारी नौकरी भी हासिल कर रहे थे।

राज्य भर के टीएसडब्ल्यूआर स्कूलों से संबंधित कुल 1,176 लड़कियां, उनके कोच और शारीरिक शिक्षा शिक्षक चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। बोथ विधायक राठौड़ बापू राव, क्षेत्रीय समन्वय अधिकारी के स्वरूपा, बोथ टीएसडब्ल्यूआरएस प्रिंसिपल स्वर्णलता और कई अन्य उपस्थित थे।

मंत्री ने निर्मल में अंबेडकर भवन का उद्घाटन किया

निर्मल, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने बुधवार को यहां बुधवारपेट में माला समुदाय के सदस्यों के लिए डॉ बीआर अंबेडकर भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि जल्द ही 12 लाख रुपये की धनराशि मंजूर कर भवन का विकास किया जाएगा। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि गजुलापेट क्षेत्र में एक श्मशान बनाया जाएगा, इसके अलावा एक परिसर की दीवार और भगवान शिव के एक मंदिर और क्षेत्र में स्थित एक ध्वज स्तंभ का निर्माण किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा लागू तेलंगाना दलित बंधु योजना से निर्मल विधानसभा क्षेत्र के 500 पात्र दलित लाभान्वित होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्ग कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित हैं।

एमएलसी कविता ने हारिका की चिकित्सा शिक्षा के लिए दी आर्थिक मदद

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने हारिका की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। हरिका ने यूट्यूब वीडियो के माध्यम से सीखते हुए एमबीबीएस सीट हासिल की है। कविता ने अपनी तरफ से फीस की पहली किस्त सौंपी। बुधवार को, उसने अपने ट्विटर हैंडल पर अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा कीं। निजामाबाद जिले के नांदेवगुडा गांव में एक बीड़ी कार्यकर्ता की बेटी हरिका ने नीट एंट्रेंस पास किया और यूट्यूब वीडियो से पढ़ाई कर एमबीबीएस की सीट हासिल की। एक बच्चे के रूप में अपने पिता को खोने के बाद, हरिका ने इस साल की एनईईटी परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 40 हजार वें स्थान हासिल किया और राज्य स्तर पर उसकी रैंक 700 थी। पूर्व सांसद कविता ने हरिका और उनकी मां अनुराधा से मुलाकात की और उन्हें पूरा समर्थन देने का वादा किया। अपने वादे के तहत, कविता ने मेडिकल कॉलेज के लिए हरिका की फीस की पहली किस्त का चेक सौंपा। एमएलसी कविता ने लिखा, "सपने देखने की हिम्मत करें और तब तक काम करना बंद न करें जब तक कि आप उन्हें हासिल नहीं कर लेते। यह हरिका की कहानी है, जिसने यूट्यूब वीडियो के माध्यम से एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण की और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैं उनसे और उनकी मां से मिली और उनके सपनों के प्रति अपना समर्थन बढ़ाया। उनकी फीस की पहली किस्त सौंपकर। उन्होंने आगे कहा, "एक अकेली मां की बेटी, जो एक बीड़ी कार्यकर्ता है, निजामाबाद की हरिका हर उस व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा है जो अपने सपनों को जीने का विकल्प चुनता है। हरिका और उसकी मां, एक बीड़ी कार्यकर्ता से मिलना और उसके अविश्वसनीय का हिस्सा बनना यात्रा वास्तव में एक आशीर्वाद है,"।

जिले में 161 केंद्रों से होगी दो लाख टन धान की खरीद

हनमकोंडा, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में आधिकारिक मशीनरी वर्षाकालीन फसल से 3.18 लाख टन की अपेक्षित उपज के मुकाबले दो लाख टन धान की खरीद के लिए तैयार है। नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने कहा कि जिले में कुल 161 धान खरीद केंद्र (पीपीसी) स्थापित करने का निर्णय लिया गया था, जिनमें से 23 कमलापुर और एल्कथुरि मंडल में पहले ही शुरू हो चुके हैं। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां (पीएसीएस) और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) किसानों के लाभ के लिए इन केंद्रों की स्थापना करने जा रहे हैं।

क्रय केन्द्रों के प्रबंधकों का प्रशिक्षण पहले ही पूरा कर लिया गया है और खरीद के लिए 16 लाख बारदान उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

अन्य 10 लाख बोरी खुलते ही खरीद केंद्रों पर भेज दी जाएगी। सामान्य किस्म के धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,040 रुपये प्रति क्विंटल है जबकि 'ए' ग्रेड किस्म के लिए 2,060 रुपये प्रति क्विंटल है। सरकार ने खरीद की प्रक्रिया पूरी होने के दो दिनों के भीतर किसानों के बैंक खातों में राशि जमा करना सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रबंध किए हैं। इस बीच धान को खरीद केंद्रों से गोदामों तक ले जाने के लिए लॉरी ट्रांसपोर्ट के टेंडर भी पूरे हो चुके हैं। नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता मानकों का पालन करने का सुझाव दे रहे हैं। "किसानों को कटाई के बाद धान को सुखाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नमी की मात्रा 17 प्रतिशत से कम रहे, अपशिष्ट, 'टार', मिट्टी और पत्थर कुल धान के एक प्रतिशत से अधिक न हो और क्षतिग्रस्त, फीका पड़ा हुआ, अंकुरित हो, कीट-प्रवण धान पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

एल्कतुर्ती मंडल के दमेरा गांव के किसान वेंकट रेड्डी ने कहा कि एक सप्ताह में धान की कटाई को गति मिलेगी। जिले में वनकलम सीजन के दौरान 59,539 एकड़ में धान की खेती की गई है।

भारत के सबसे प्रदूषित शहरों में हैदराबाद व विशाखापट्टणम शामिल

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड (सीपीसीबी) ने देश भर के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची जारी की और चौंकाने वाली बात यह है कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के हैदराबाद और विशाखापत्तनम सूची में हैं। सूची के अनुसार, बिहार का कठियार भारत के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में सबसे ऊपर है। ऐसा कहा जाता है कि हैदराबाद में सनतनगर क्षेत्र सबसे अधिक प्रदूषित है और चिड़ियाघर पार्क क्षेत्र और एचसीयू की स्थिति ठीक नहीं है। हैदराबाद में दिवाली त्योहार के बाद और सर्दियों के कारण हवा की गुणवत्ता कम हो रही है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि दिल्ली जैसी स्थिति को रोकने के लिए प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपाय किए जाने चाहिए।

पीएम के दौरे पर कई संगठन उठा रहे हैं सवाल

तेलंगाना में प्रवेश से पहले लोगों से किए वादों को पूरा करने की मांग

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की फैक्ट्री को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 नवंबर को तेलंगाना की प्रस्तावित यात्रा एक बड़े मुद्दे में बदल रही है, जिसमें कई संगठन उनकी यात्रा के वास्तविक उद्देश्य पर सवाल उठा रहे हैं। वे उनसे तेलंगाना के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने और तेलंगाना में प्रवेश करने से पहले राज्य से संबंधित लंबित बिलों को भी पूरा करने की मांग कर रहे हैं। मार्च 2021 में आरएफसीएल फैक्ट्री को अपना वाणिज्यिक संचालन शुरू हुए लगभग 20 महीने हो चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे 12 नवंबर को राष्ट्र को समर्पित करने का फैसला किया, जिससे विभिन्न संगठनों में संदेह पैदा हो गया।

प्रधानमंत्री के दौरे का विरोध करते हुए इन संगठनों ने इसे बाधित करने का फैसला किया है और "मोदी गो बैक" अभियान का आह्वान किया है। भाकपा ने प्रधानमंत्री की यात्रा का विरोध किया है और इसे बाधित करने की कसम खाई है, क्योंकि भाजपा सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। पार्टी के राज्य सचिव कूनमनेनी संबाशिव राव ने कहा कि मोदी की तेलंगाना यात्रा कुछ दुर्भावनापूर्ण इरादों के साथ नियोजित प्रतीत होती है।

इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए और यात्रा में बाधा डालने का वचन देते हुए, छात्र संगठनों ने भी प्रस्तावित यात्रा पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। बढ़ती बेरोजगारी ने छात्रों को मुश्किल में डाल दिया है क्योंकि उन्होंने प्रधानमंत्री से प्रति वर्ष दो करोड़ रोजगार देने के अपने वादे को पूरा करने की मांग की है।

तेलंगाना यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने बीजेपी पर राजभवन का दुरुपयोग करके राज्यों को नियंत्रित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और राज्य विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना यूनिवर्सिटी कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड बिल को मंजूरी नहीं देने के लिए राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को प्रभावित करने के लिए पार्टी को दोषी ठहराया। उन्होंने केंद्र से विधेयक को मंजूरी नहीं देने और विश्वविद्यालयों में छात्रों को नौकरी के अवसर से वंचित करने के लिए राज्यपाल को वापस बुलाने की मांग की।

दसवीं के पांच छात्र लापता

तिरुपति, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति के नेहरू नगर में बुधवार तड़के पढ़ने के बाद तीन लड़कियों और दो लड़कों सहित दसवीं के पांच छात्रों के लापता होने के बाद तनाव बढ़ गया। सूत्रों के मुताबिक, मेहता, गुनाश्री, मौनाश्री और दो अन्य छात्र बुधवार सुबह पढ़ाई के लिए गए थे, लेकिन अपने घर नहीं लौटे। घबराए अभिभावकों ने आसपास के इलाकों और स्टडी ऑवर सेंटर की तलाशी ली, लेकिन छात्र नहीं मिले। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि वे स्कूल नहीं गए थे। आनन-फानन में वे थाने पहुंचे और गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश के लिए तीन विशेष टीमों को तैनात किया है।

पिस्टल के साथ युवक ने किया हंगामा, गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट में बिग बाजार के पास आधी रात को एक युवक ने हंगामा किया सूत्रों के अनुसार, आरोपी की पहचान साई कुमार के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर पैदल चलने वालों और मोटर चालकों को पिस्टल दिखाकर धमकाया। सूचना मिलने के बाद पंजागुट्टा पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। पता चला है कि पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल और छह राउंड जिंदा कारतूस बरामद किया है। बताया जाता है कि वह पास के बिग बाजार इलाके में घूमता था और स्थानीय लोगों से उसकी बहस होती थी। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

आईटी अधिकारियों ने निजी अस्पतालों में छापेमारी की

खम्मम, 9 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर (आईटी) के अधिकारियों ने बुधवार को खम्मम शहर के तीन निजी अस्पतालों में छापेमारी की है। यह छापेमारी शहर के वायरा रोड स्थित बिलीफ अस्पताल और रोहित टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर और नेहरू नगर स्थित श्रीराम किडनी अस्पताल में एक साथ की गयी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.